रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित * * रांची, गुरुवार 15 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 11 संवत 2081 मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 128 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

78वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं

शुभम संदेश

पृष्ठ : 24 (12+12 पेज का स्वतंत्रता दिवस परिशिष्ट)

एक राज्य - एक अखबार

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

झारखंड पुलिस के अफसरों ने सरकार का कराया नुकसान

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड पुलिस के अफसरों की वजह से राज्य सरकार को पिछले डेढ़ दशक से ज्यादा समय से अरबों का नुकसान उठाना पड़ा है. दरअसल केंद्र सरकार से मिलने वाले सुरक्षा संबंधी व्यय (एसआरई) फंड से झारखंड पुलिस ने कई जिलों में किराये पर चार पहिया वाहन लिया. इसका इस्तेमाल नक्सल अभियान, विधि व्यवस्था और अफसरों के आने-जाने को लेकर किया गया. लेकिन इस दौरान मोटर अधिनियम का खुलेआम उल्लंघन किया गया. नियम के अनुसार, सरकारी कार्यालयों में किराये और लीज पर चलने वाले सभी वाहनों का कॉमर्शियल निबंधन होना चाहिए. साथ ही उस पर पीला नंबर प्लेट लगाना अनिवार्य है. लेकिन झारखंड पुलिस ने जितने भी किराये पर चार पहिया वाहन लिये थे, उसमें से अधिकतर वाहनों में पीले नंबर प्लेट की जगह प्राइवेट नंबर वाले सफेद प्लेट लगे थे. इसको लेकर झारखंड पुलिस अफसरों ने कोई आपत्ति भी नहीं जतायी और वाहन के मालिक ने टैक्स बचाने के लिए बिना कमर्शियल नंबर के वाहनों को किराये पर लगा दिया.

क्या है एसआरई फंड

एसआरई फंड केंद्र सरकार की ओर से नक्सलवाद और उग्रवाद प्रभावित राज्यों को उपलब्ध करायी जाती है. ताकि परिवहन, संचार, वाहनों को किराये पर लेना, आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को स्टाइपेंड देना और सुरक्षा बलों के लिए बुनियादी ढांचे के निर्माण जैसे सुरक्षा संबंधी व्यय की भरपाई की जा सके. दरअसल राज्यों की ओर से धन मिलने में देरी होने की वजह से जवानों के लिए बुनियादी ढांचे के निर्माण में काफी विलंब हो जाता था. इसीलिए केंद्र सरकार ने यह फैसला लिया है. गौरतलब है कि एसआरई फंड उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र में पुलिस बल को साधन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए भी खर्च किया जाता है.

एसआरई फंड से कौन-कौन से काम होते हैं

- उग्रवादी हिंसा में मारे गये नागरिकों/सुरक्षाबल के परिवारों को अनुग्रह राशि का भुगतान करना के लिए.
- सरेंडर करने वाले नक्सली को मुआवजा देने के लिए.
- फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन के निर्माण के लिए.
- सिविक एक्शन प्रोग्राम के लिए.
- उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में सड़क निर्माण के लिए.
- नक्सल विरोधी अभियानों में हेलीकॉप्टर मुहैया कराने के लिए.
- चार पहिया और दो पहिया वाहन के लिए.
- पुलिस पिकेट बनाने के लिए.
- उग्रवाद प्रभावित राज्यों में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की तैनाती के लिए.

झारखंड में सिर्फ पांच जिले नक्सल प्रभावित

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने झारखंड में नक्सल प्रभावित जिलों के आधार पर श्रेणीकरण कर राज्य सरकार को रिपोर्ट भेजी थी. इस रिपोर्ट के मुताबिक, झारखंड में अब पांच जिले ही नक्सल प्रभावित रह गये हैं. इनमें गिरिडीह, गुमला, लातेहार, लोहरदगा और पश्चिमी सिंहभूम का नाम शामिल है. वहीं देश के पांच राज्यों के 12 सबसे अधिक नक्सल प्रभावित जिलों की श्रेणी में झारखंड का सिर्फ पश्चिमी सिंहभूम जिले के नाम शामिल हैं.

उपराष्ट्रपति से मिले राज्यपाल गंगवार

झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने बुधवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से नयी दिल्ली में उनके निवास स्थान पर मुलाकात की. इसे शिष्टाचार भेंट बताया गया.

रिटायरमेंट की उम्र सीमा बढ़ाने की मांग

राज्यभर के ढाई लाख कर्मचारी पदाधिकारी आंदोलन की राह पर

- कर्मचारी संगठन ने सीएम हेमंत सोरेन को सौंपा ज्ञापन
- पदाधिकारी-कर्मचारी संघों का तर्क : शारीरिक एवं मानसिक रूप से तंदुरूस्त व कार्य करने में हैं सक्षम

आंध्र प्रदेश की तर्ज पर रिटायरमेंट एज 60 से 62 करने की मांग पर अड़े

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्य के विभिन्न कर्मचारी संघ आंदोलन की राह पर हैं. कर्मचारी संघों के बैनर तले लगभग 2.50 कर्मचारी-पदाधिकारियों से रिटायरमेंट की उम्र सीमा 60 से 62 साल करने की मांग की है. इन कर्मचारी संघों का कहना है कि झारखंड में भी आंध्रप्रदेश की तर्ज पर रिटायरमेंट की उम्र सीमा 60 से 62 साल होनी चाहिए. आंध्र प्रदेश में पदाधिकारियों और कर्मचारियों की रिटायरमेंट की उम्र सीमा बढ़ा दी गई है. सचिवालय सेवा संघ ने सीएम को ज्ञापन सौंप रिटायरमेंट की उम्र सीमा 60 से 62 साल करने की मांग की है. संघ के अध्यक्ष ध्रुव प्रसाद ने कहा है कि आंध्र प्रदेश में इसे लागू कर दिया गया है. इस दिशा में झारखंड सरकार को भी सकारात्मक पहल करनी चाहिए.

झारखंड वित्त सेवा के पदाधिकारियों ने की मांग : झारखंड वित्त सेवा के पदाधिकारियों ने भी रिटायरमेंट की उम्र सीमा 60 से 62 साल करने की मांग की है. संघ के अध्यक्ष विनय कुमार सिन्हा ने कहा है कि वर्ष 1998 में केंद्र सरकार द्वारा सेवानिवृत्ति की उम्र को 58 वर्ष से बढ़ाकर 60 वर्ष किया गया. वर्ष 1998 से लेकर अबतक भारत में जीवन प्रत्याशा वृद्धि होकर लगभग 62 वर्ष से 70 वर्ष हुई है. वर्तमान में झारखण्ड वित्त सेवा के सेवानिवृत्त प्राप्त करने वाले समस्त पदाधिकारीगण शारीरिक एवं मानसिक रूप से तंदुरूस्त एवं कार्य करने में सक्षम है, जिनके पास समस्त सेवा काल का राजस्व संग्रहण संबंधी सबसे अच्छा सेवानुभव है, जो राज्य के समग्र विकास के लिए वृहतर रूप से लाभ मिल सकता है. वित्त सेवा के पदाधिकारियों के सेवानिवृत्ति उपरांत राज्य सरकार के अन्य विभागों एव विभिन्न सस्थानों में इनके वित्त वलेखादि संबंधी सेवानुभव व कार्यकुशलता का लाभ प्राप्त करने हेतु तत्पर रहते हैं और वित्तीय सलाहकार आदि के पदों पर नियुक्त होकर सेवा दे रहे हैं. सेवानिवृत्ति की उम्र बढ़ाने से कर्मियों को पेंशन के भुगतान को फलस्वरूप उत्पन्न वित्तीय भार को कम किया जा सकता है.

डिप्लोमा अभियंता संघ ने भी उम्र सीमा बढ़ाने की मांग की

डिप्लोमा अभियंता संघ ने भी रिटायरमेंट की उम्र सीमा 60 से 62 साल करने की मांग की हैय संघ के अध्यक्ष गुप्तेश्वर राम ने कहा है कि सेवानिवृति के समय अभियंता अपने कार्यों में काफी कुशल एवं अनुभवी होते हैं. उनके कार्यकुशलता एवं अनुभव को उपयोग राज्यहित में किया जा सकता है, जिससे राज्य के विकास को गति मिल सकती है. संघ की ओर से कहा गया है कि इपीएफओ के द्वारा राज्य सरकार के अभियंताओं की रिटायरमेंट की उम्र सीमा 60 से 62 साल करने की सलाह दी है.

एसटी-एससी कर्मचारी संघ | राज्य के अनुसूचित जाति- अनुसूचित जनजाति कर्मचारी संघ ने सेवानिवृति की उम्र सीमा 60 से 62 साल करने की मांग की है। संघ के अध्यक्ष राकेश प्रसाद ने इस बाबात मुख्यमंत्री को ज्ञापन भी सौंपा है.

ऊर्जा विभाग के पुनर्गठन के बाद हुई पहली पोस्टिंग

रांची। ऊर्जा विभाग का पुनर्गठन और विस्तार के बाद पहली पोस्टिंग कर दी गयी है. मालूम हो कि विगत नौ जुलाई को मुख्य विद्युत अभिंयता निरीक्षक के एक अतिरिक्त पद का सृजन किया गया था. इस प्रकार विभाग अंतर्गत मुख्य अभियंता सह मुख्य विद्युत निरीक्षक के समेकित पद को अलग-अगल कर दिया गया है. ऐसे में अगम प्रसाद जो मुख्य विद्युत अभिंयता सह मुख्य विद्युत निरीक्षक के पद पर पदास्थापित हैं, उन्हें पृथक पद मुख्य विद्युत निरीक्षक विद्युत निरीक्षणालय रांची के पद पर पदास्थापित किया गया है. वहीं विजय कुमार सिन्हा वरीय विद्युत निरीक्षक को उनके अपने वेतनमान पर मुख्य विद्युत अभिंयता के पृथक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है.

राहुल के बुलावे पर दिल्ली पहुंचीं विधायक शिल्पी नेहा तिर्की, कई मुद्दों पर हुई चर्चा

विशेष संवाददाता। रांची

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के विशेष आमंत्रण पर कांग्रेस विधायक शिल्पी नेहा तिर्की दिल्ली गयीं. बुधवार को उनकी मुलाकात राहुल गांधी से हुई. तिर्की ने कहा कि उन्होंने राहुल गांधी से बस एक ही बात कही कि कांग्रेस पूरे देश में लोगों के दिलों में है. आम जनमानस की भावनाओं को समझकर यदि रणनीति तैयार की जाए, तो इसका सकारात्मक परिणाम होगा. इसके साथ ही अनेक वैसी जटिल समस्याओं के समाधान में सहायता मिलेगी जो पिछले 10 साल में पैदा हुई है. 13 अगस्त को राहुल गांधी के कार्यालय से उन्हें फोन आया और 14 अगस्त को होने वाली विशेष बैठक और मुलाकात के लिए आमंत्रित किया गया.

राहुल ने संगठनात्मक और सरकार के कार्यों की जानकारी ली. राहुल गांधी ने नेता तिर्की से झारखंड में कांग्रेस की संगठनात्मक स्थिति के साथ ही सरकार की गतिविधियों की भी जानकारी ली.

कोर्ट की खबरें

सचिवालय घेराव केस : अर्जुन मुंडा, बाबूलाल व संजय सेठ के खिलाफ धुर्वा थाना में दर्ज एफआईआर रद्द

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, केंद्रीय राज्य मंत्री संजय सेठ और धनबाद सांसद ढुल्लू महतो समेत दो दर्जन से ज्यादा भाजपा नेताओं को को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है. बुधवार की सुनवाई के दौरान अदालत ने 28 प्रार्थियों के खिलाफ प्राथमिकी को रद्द कर दिया है. दरअसल पिछले वर्ष भाजपा के सचिवालय घेराव कार्यक्रम में हुए उपद्रव के बाद तीन पूर्व सीएम, आधा दर्जन सांसद समेत 41 लोगों पर धुर्वा थाना में केस दर्ज किया गया है, जिसका कांड संख्या 107/2023 है. आरोपियों पर उपद्रव करने, दंगा भड़काने, सरकार के निर्देशों का उल्लंघन करने, सरकारी कार्य में बाधा डालने आदि से संबंधित धाराएं लगायी गयी हैं.

विश्वनाथ शुक्ल को बनाया गया चीफ जस्टिस का ओएसडी, फहीम किरमानी का बोकारो ट्रांसफर

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने जिला जज रैंक के नौ न्यायिक पदाधिकारियों की ट्रांसफर पोस्टिंग की है. इसकी नोटिफिकेशन जारी कर दी है. ट्रांसफर पोस्टिंग का नोटिफिकेशन जारी होने के बाद इन्हें अविलंब नए पदस्थापन वाली जगह पर योगदान देने का निर्देश दिया गया है. सूची के मुताबिक, हाईकोर्ट के वर्तमान रजिस्ट्रार मोहम्मद शाकिर का चाईबासा कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश के पद पर तबादला किया गया है. विश्वनाथ शुक्ल को हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस का ओएसडी नियुक्त किया गया है. साथ ही फहीम किरमानी को बोकारो के तेनुघाट और बेरमो कोर्ट में जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पद पर नियुक्त किया गया है.

आदिवासी समाज के साथ-साथ सभी को चौकन्ना रहने की जरूरत

बांग्लास्तान नामक देश बनाने की चल रही साजिश : बाबूलाल

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड के बड़े हिस्से (संताल बहुल इलाके) को बांग्लास्तान देश बनाने की साजिश चल रही है. बाबूलाल ने खुफिया एजेंसियों का हवाला देकर एक्स पर पोस्ट में लिखा कि झारखंड के बड़े हिस्से (संताल बहुल इलाके), बिहार का किशनगंज, पश्चिम बंगाल, अधिकांश उत्तर पूर्वी राज्य, नेपाल और म्यांमार के कुछ हिस्से को मिलाकर बांग्लास्तान नामक देश बनाने की साजिश चल रही है. पांच अगस्त को शेख हसीना सरकार की तख्तापलट के बाद कट्टरपंथी गजवातुल-हिंद (गैर मुसलमानों के खिलाफ युद्ध) और इस्लामिक बांग्लादेश के मकसद को पूरा करने की जुगत में लगे हैं. बांग्लादेश में उत्पन्न हालात और कट्टरपंथियों का खतरनाक मंसूबा पूरे देश के साथ-साथ झारखंड के लिए भी अत्यंत संवेदनशील है.

झारखंड में सवाल पूछना मना है : बाबूलाल मरांडी ने अपने दूसरे पोस्ट में कहा कि झारखंड में सवाल पूछना मना है. सवाल कैसा भी हो, सवाल का उद्देश्य कैसा भी हो, हेमंत सोरेन के निर्देशानुसार- झारखंड में शासन और प्रशासन से सवाल पूछने की सख्त पाबंदी है, इसके बाद भी अगर आपने हिम्मत करके हिम्मतवाली सरकार से सवाल पूछने की जुर्रत भी की, तो तैयार हो जाइये पुलिस की लाठी खाने को, तैयार हो जाइये अपनी हड्डियां तुड़वाने को.

एक अस्पताल में तैनात बाउंसरों के कृत्य पर भी उठाए सवाल : बाबूलाल ने आगे लिखा कि ऐसी ही घटना राजधानी रांची से सामने आयी है, जहां परिवार के लोगों की बस एक गलती थी कि उन्होंने इलाजरत अनुमाला देवी की मौत के कारणों के बारे में अस्पताल प्रशासन से पूछ लिया. फिर क्या जैसा हाल हेमंत सरकार से सवाल पूछने पर पुलिस की लाठी करती है, वैसा ही हाल अस्पताल प्रशासन में तैनात बाउंसरों ने परिवारवालों के साथ किया. इन सबके बाद एक सवाल सबके सामने खड़ा हो जाता है कि हेमंत है, तो हिम्मत है, लेकिन किसको, सिर्फ पुलिस और प्रशासन को?

एक्शन में चीफ सेक्रेट्री: मांगी स्वीकृत योजनाओं के प्रगति की रिपोर्ट

रांची । राज्य के चीफ सेक्रेट्री एल खियांग्यते पूरी तरह से एक्शन में हैं. अब उन्होंने पिछले छह महीने के अंदर कैबिनेट की हुई बैठक में जिन योजनाओं को स्वीकृति दी गई है, उनके क्रियान्वयन से संबंधित पूरी रिपोर्ट संबंधित विभागों से मांगी है. साथ ही योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं से भी अवगत कराने को कहा है. चीफ सेक्रेट्री ने लोकहित और जनकल्याणकारी योजनाओं को जल्द पूरा करने का भी निर्देश दिया है. सभी योजनाओं को छह महीने के अंदर पूरा करने का भी निर्देश दिया है. इसे लेकर विभाग के पदाधिकारी रेस हो गए हैं. चीफ सेक्रेट्री ने विभागीय स्तर पर नीतियों की समीक्षा करने को कहा है. साथ ही खामियों को जल्द से जल्द दूर करने की बात भी कही है.

क्लासिफाइड

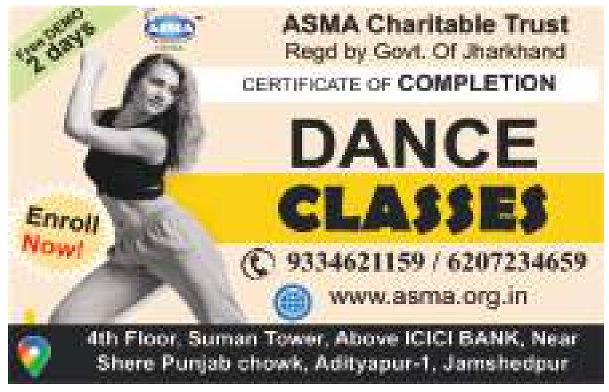

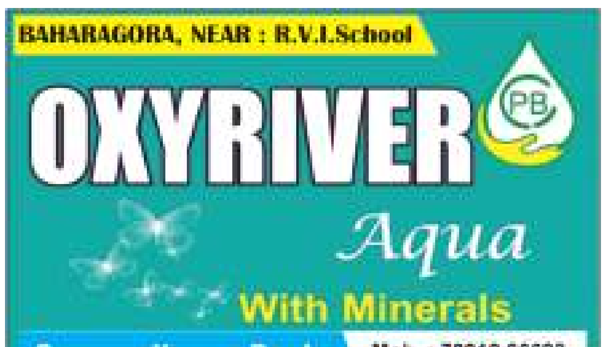

PLEASE SEND YOUR RESUME FOR AN INDUSTRIAL AUTOMATION ORGANISATION, MOSTLY ENGAGED WITH PRESTIGIOUS PROJECTS IN

TATA STEEL, UCIL, ISRO, BARC ETC

1. MARKETTING MANAGER : SALARY 2.4 LAKHS PA, ITI, DEE, BEE FOR JAMSHEDPUR, SALES PLC SCADA HMI KNOWLEDGE, experience 2 years
2. OFFICE ASSISTANT : SALARY 2.4 LAKHS PA, Graduate with 5 Years Work Experiance Computer Proficient, Knowledge About Tender and TATA STEEL PROCUREMENT

MAIL CV : pradeep_wk@yahoo.com

78वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं

पृष्ठ : 24 (12+12 पेज का स्वतंत्रता दिवस परिशिष्ट)

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, गुरुवार 15 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 11 संवत 2081 | मूल्य : ₹ [crossed out] ● वर्ष : 2, अंक : 128 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

छुट्टी की सूचना

78वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में दैनिक शुभम संदेश और लगातार.इन का कार्यालय गुरुवार 15 अगस्त 2024 को बंद रहेगा. अत: अखबार का अगला अंक शनिवार 17 अगस्त 2024 को आएगा. शुभम संदेश के सभी पाठकों, शुभेच्छुओं और विज्ञापनदाताओं को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं.

– संपादक

सर्राफा

सोना (बिक्री)	66,200
चांदी (किलो)	85,000

ब्रीफ खबरें

केजरीवाल को अंतरिम जमानत से इनकार

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कथित आबकारी नीति घोटाले में सीबीआई द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार मामले में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने से बुधवार को इनकार कर दिया. न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने सीबीआई को नोटिस भी जारी किया. इस मामले की अगली सुनवाई 23 अगस्त को होगी.

देश का व्यापार घाटा 23.5 अरब डॉलर रहा

नयी दिल्ली। भारत का वस्तुओं का निर्यात जुलाई में सालाना आधार पर 1.2 प्रतिशत घटकर 33.98 अरब डॉलर रहा है. एक साल पहले इसी महीने में यह आंकड़ा 34.39 अरब डॉलर था. वहीं, देश का आयात जुलाई में करीब 7.45 प्रतिशत बढ़ कर 57.48 अरब डॉलर हो गया. इससे देश का व्यापार घाटा जुलाई में 23.5 अरब डॉलर रहा है.

अप्रैल 2005 से खनिजों पर रॉयल्टी का बकाया वसूल सकेंगे राज्य

झारखंड को मिलेगी 1.36 लाख करोड़ की रॉयल्टी

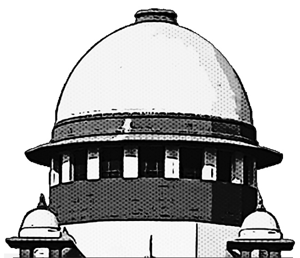

सुप्रीम फैसला

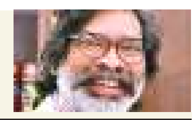

झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने कहा- ऐतिहासिक फैसला, मांग सफल हुई

- एक अप्रैल 2026 से 12 वर्ष में खनन कंपनियां व केंद्र लौटाएगी बकाया
- कर की मांग एक अप्रैल 2005 से पहले के लेन-देन पर लागू नहीं

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली/रांची

सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों को एक अप्रैल 2005 के बाद से केंद्र सरकार, खनन कंपनियों से खनिज संपन्न भूमि पर रॉयल्टी का पिछला बकाया वसूलने की अनुमति दे दी. अदालत ने कहा कि केंद्र, खनन कंपनियों द्वारा खनिज संपन्न राज्यों को बकाये का भुगतान अगले 12 वर्ष में क्रमबद्ध तरीके से किया जा सकता है. इसके साथ ही खनिज संपन्न राज्यों को रॉयल्टी के बकाया भुगतान पर किसी तरह का जुर्माना न लगाने का निर्देश दिया है. संविधान पीठ की अध्यक्षता कर रहे सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि राज्य पिछले कर का दावा कर सकते हैं, लेकिन शर्तों के साथ कि कर की मांग एक अप्रैल 2005 से पहले के लेन-देन पर लागू नहीं होगी.

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए खुशी जाहिर की है. उन्होंने कहा है कि झारखंड के लिए यह बड़ी जीत है. हम लंबे समय से इसकी मांग कर रहे थे. इस ऐतिहासिक फैसले से हमारी मांग सफल हुई. सीएम ने कहा कि केंद्र सरकार झारखंड की जनता का हक मार रही थी. सुप्रीम फैसले के बाद झारखंड को 1.36 लाख करोड़ मिलेंगे. उन्होंने कहा कि अब हमें 2005 से खनिज रॉयल्टी का बकाया मिलेगा. 12 साल में चरणबद्ध तरीके से यह भुगतान होगा. राज्यवासियों का हक सुरक्षित होने के साथ इन पैसों का उपयोग जन-कल्याण में होगा और हर झारखंडवासी को इसका पूरा लाभ मिलेगा.

संवैधानिक पीठ ने केंद्र की याचिका खारिज कर दी

सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ ने 25 जुलाई के अपने फैसले को आगामी प्रभाव से लागू करने की केंद्र की याचिका बुधवार को खारिज कर दी, जिसमें राज्यों के पास खदानों और खनिज युक्त भूमि पर कर लगाने के विधायी अधिकार को बरकरार रखा गया था. सीजेआई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली नौ सदस्यीय संविधान पीठ ने कहा कि 25 जुलाई के आदेश को आगामी प्रभाव से लागू करने की दलील खारिज की जाती है. कर की मांग के भुगतान का समय एक अप्रैल 2026 से शुरू होकर 12 वर्षों में किस्तों में बांटा जाएगा.

केंद्र ने राज्यों को रॉयल्टी लौटाने का विरोध किया था

केंद्र ने खनिज संपन्न राज्यों को 1989 से खनिजों और खनिज युक्त भूमि पर लगाई गई रॉयल्टी उन्हें वापस करने की मांग का विरोध करते हुए कहा था कि इसका असर नागरिकों पर पड़ेगा. प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयू) को अपने खजाने से 70,000 करोड़ रुपये निकालने पड़ेंगे. सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि इस फैसले पर पीठ के आठ न्यायाधीश हस्ताक्षर करेंगे, जिन्होंने बहुमत से 25 जुलाई को फैसला दिया था, जिसमें राज्यों को खनिज युक्त भूमि पर कर लगाने का विधायी अधिकार दिया गया था. उन्होंने कहा कि न्यायमूर्ति नागरत्ना बुधवार के फैसले पर हस्ताक्षर नहीं करेंगी, क्योंकि उन्होंने 25 जुलाई को अलग फैसला दिया था.

कोर्ट ने पूर्व में कहा था- खनिजों पर दी जानेवाली रॉयल्टी कर नहीं : संविधान पीठ ने 25 जुलाई को 8:1 के बहुमत वाले फैसले में कहा था कि राज्यों के पास खदानों और खनिज युक्त भूमि पर कर लगाने का विधायी अधिकार है और खनिजों पर दी जाने वाली रॉयल्टी कोई कर नहीं है. इस फैसले ने 1989 के उस निर्णय को पलट दिया था जिसमें कहा गया था कि केवल केंद्र के पास खनिजों और खनिज युक्त भूमि पर रॉयल्टी लगाने का अधिकार है. इसके बाद कुछ विपक्षी दल शासित खनिज संपन्न राज्यों ने 1989 के फैसले के बाद से केंद्र द्वारा लगाई गई रॉयल्टी और खनन कंपनियों से लिए गए करों की वापसी की मांग की थी.

मोरहाबादी मैदान में मुख्यमंत्री और दुमका में राज्यपाल करेंगे झंडोत्तोलन

संवाददाता। रांची

78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गुरुवार की सुबह नौ बजे झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रांची के मोरहाबादी मैदान में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे. इस अवसर पर मुख्यमंत्री कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कर सकते हैं. वहीं, राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार उपराजधानी दुमका में ध्वजारोहण करेंगे. हेमंत कैबिनेट के मंत्रियों द्वारा भी अपने-अपने जिले में झंडोत्तोलन किया जाएगा. इनमें कैबिनेट मंत्री चंपाई सोरेन सरायकेला-खरसावां, मंत्री रामेश्वर उरांव लोहरदगा, सत्यानंद भोक्ता चतरा, बैद्यनाथ राम लातेहार, दीपक बिरुआ पश्चिमी सिंहभूम, बन्ना गुप्ता पूर्वी सिंहभूम, इरफान अंसारी जामताड़ा, मिथिलेश कुमार ठाकुर गढ़वा, हफीजुल हसन देवघर, बेबी देवी बोकारो और दीपिका पांडेय सिंह गोड्डा जिले में ध्वजारोहण करेंगी.

लाल किला की प्राचीर से देश को संबोधित करेंगे पीएम

दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी लाल किले की प्राचीर से देश को संबोधित करेंगे. इस बार कार्यक्रम में लाल किले पर समारोह को देखने के लिए करीब 6,000 विशेष मेहमानों को आमंत्रित किया गया है. पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाले भारतीय दल को भी आमंत्रण भेजा गया है. 15 अगस्त की सुबह 7.17 बजे पीएम मोदी लाल किला पहुंचेंगे. 7.19 बजे उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा. 7.26 बजे पीएम मोदी तीनों सेनाओं के अध्यक्षों से मुलाकात करेंगे और 7.30 बजे ध्वजारोहण करेंगे. इसके बाद 7.33 बजे पीएम देश को संबोधित करेंगे.

पीएम नरेंद्र मोदी ने विभाजन पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित की

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के मौके पर देश के बंटवारे के दौरान अपनी जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की. उन्होंने कहा कि आज के दिन वह राष्ट्र में एकता और भाईचारे के बंधन की रक्षा करने की अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराते हैं. उल्लेखनीय है कि पीएम मोदी ने वर्ष 2021 में 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी. मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर, हम उन अनगिनत लोगों को याद करते हैं जो विभाजन की भयावहता के कारण प्रभावित और पीड़ित हुए. यह उनके साहस को श्रद्धांजलि देने का भी दिन है, जो मानव प्रतिरोध की शक्ति को दर्शाता है.

मुठभेड़ में सेना के कैप्टन शहीद, चार आतंकवादी ढेर

डोडा में मुठभेड़ के दौरान कैप्टन दीपक सिंह गंभीर रूप से घायल हो गये थे

एजेंसी। जम्मू

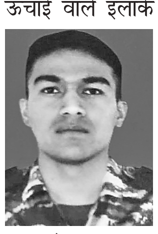

शहीद कैप्टन दीपक सिंह (फाइल फोटो)

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के ऊंचाई वाले इलाके में बुधवार को आतंकवादियों की तलाशी के लिए चलाए जा रहे अभियान में सेना का एक कैप्टन शहीद हो गया. अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ में चार आतंकवादी मारे गए हैं.

सेना के अधिकारियों ने बताया कि बुधवार की सुबह करीब 7.30 बजे आंतकवादियों से मुठभेड़ में कैप्टन दीपक सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए. उन्हें सैन्य अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली. अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ स्थल से चार बैग मिले हैं, जिनमें खून लगा है. इससे यह समझा जा रहा है कि मुठभेड़ में चार आतंकवादी मारे गए हैं. साथ ही वहां से एम-4 कार्बाइन भी बरामद की गई है. एडीजीपी आनंद जैन ने बताया कि इलाके में अभियान अब भी जारी है. सेना ने कैप्टन की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि व्हाइट नाइट कोर' के सभी रैंक बहादुर कैप्टन दीपक सिंह के सर्वोच्च बलिदान को सलाम करते हैं. बता दें कि कैप्टन दीपक भारतीय सेना के 48 राष्ट्रीय राइफल्स में तैनात थे.

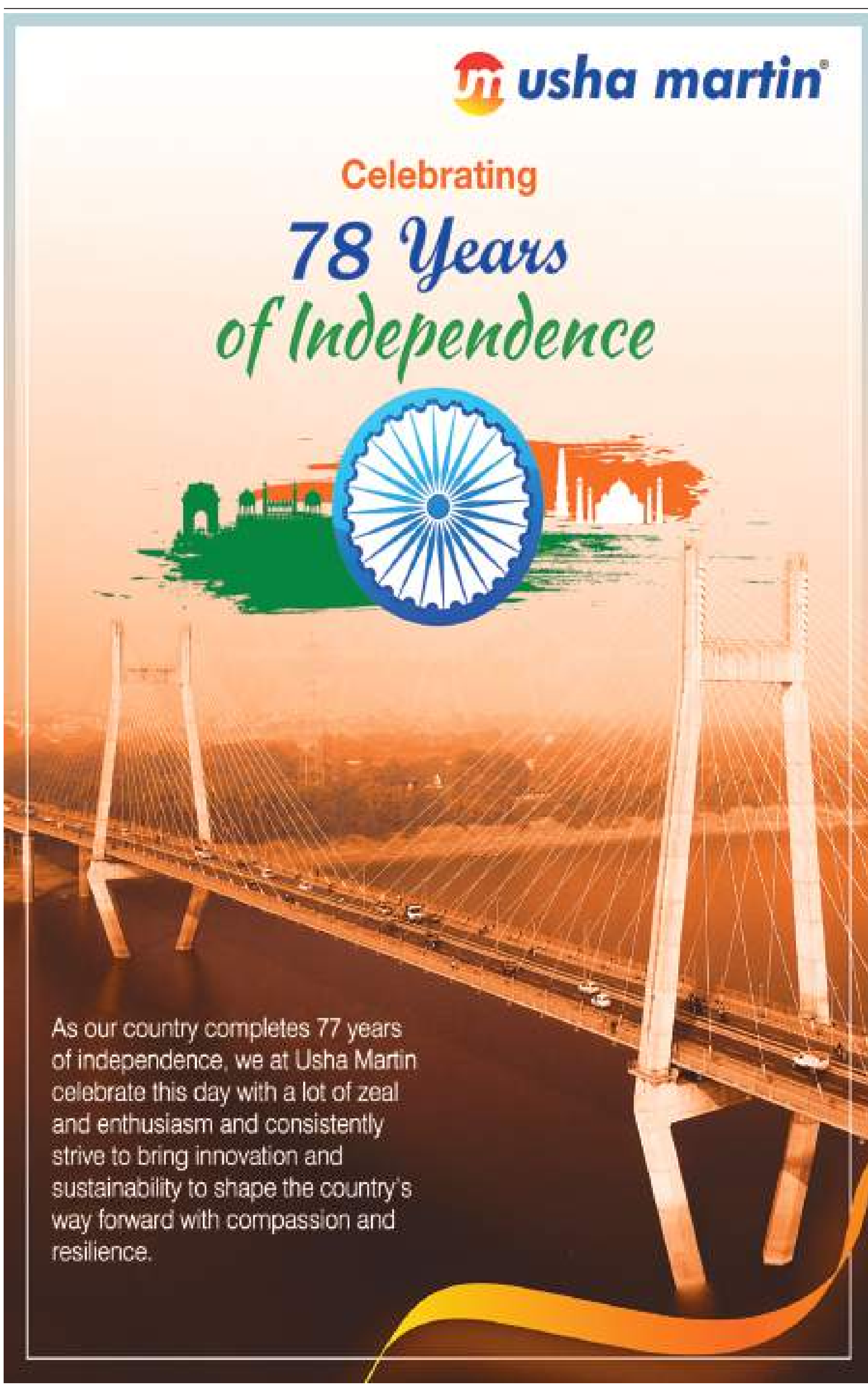

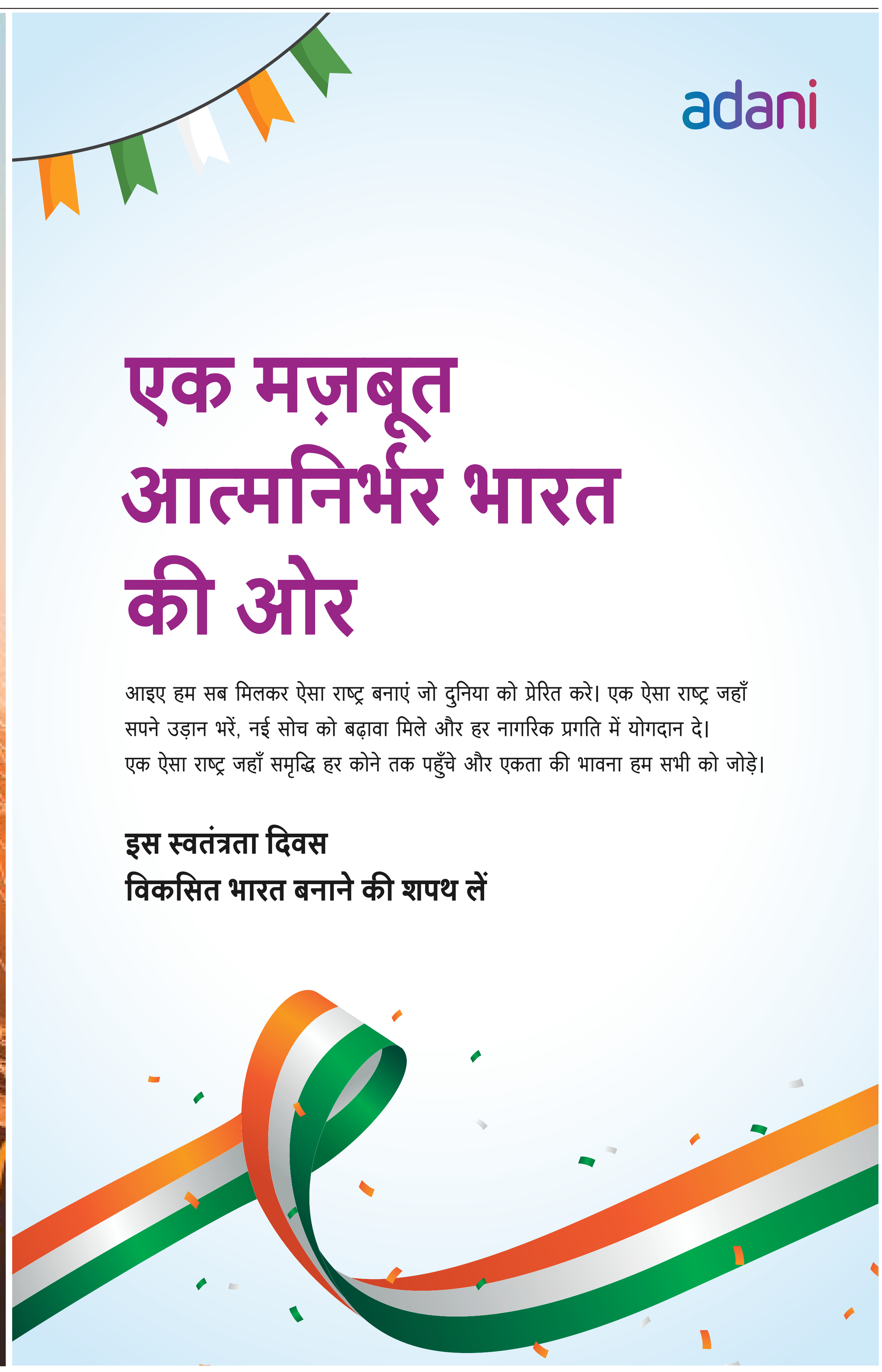

▼ ब्रीफ खबरें

अधेड़ का शव मिला हत्या की आशंका

उंटारी रोड(पलामू)। जिले के उंटारी रोड थाना क्षेत्र के दरुआ के टोला नौकडीह में पुलिस ने एक 45 वर्षीय युवक की शव बरामद किया है. युवक की पहचान उसी गांव के 45 वर्षीय नंदू चौधरी के रुप में हुई है.प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक को हत्या कर शव फेंके जाने की कयास लगाई जा रही है. परिजनो ने बताया कि नंदू रात के आठ बजे तक घर में ही था उसी वक्त उसके मोबाइल पर किसी व्यक्ति का फ़ोन आया जिसके बाद वह घर से निकल गया जिसके बाद वह कहां गया इसकी जानकारी किसी परिजनो को नही दिया. अहले सुबह गांव में ही उसका शव उसके घर से लगभग दो सौ मीटर के दूर पर देखा गया.

वज्रपात से टूटीकेल में तीन युवकों की मौत

सिमडेगा। कोलेबिरा प्रखंड के टुटीकेल झपला के रोशन टोली गांव में वज्रपात की चपेट में आने से तीन युवकों की मौत हो गयी . मृतकों की पहचान सेनेन डांग. निर्मल होरो , एनोस बूढ है. वहीं घायलों की पहचान क्लेमेंट बागे, जैलेश बागे, सलीम बागे , पातरिस बागे,पत्तरस बागे के रूप में पहचान की गई है। घटना की सूचना पाते ही प्रशासनिक अधिकारियों का दल घटना स्थल पर पहुंचा.सूचना के बाद मेडिकल टीम के साथ पुलिस प्रशासन और जिला परिषद अध्यक्ष रोज प्रतिमा सोरेन गांव में जाकर लोगों से बात कार रहे हैं.

लोहरदगा आजसू कार्यालय में झंडोत्तोलन का समय तय

लोहरदगा। आजसू प्रधान कार्यालय में 78वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा . झंडोत्तोलन सुबह 9.00 बजे आजसू पार्टी की केंद्रीय महासचिव सह लोहरदगा विधानसभा प्रभारी नीरू शांति भगत के द्वारा किया जाएगा .जिसमें आजसू पार्टी के सभी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं शहर के गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे . आजसू के सभी केंद्रीय पदाधिकारी, नगर संयोजक, युवा मोर्चा के संयोजक जिला के पदाधिकारी, महिला मोर्चा श्रमिक संघ बुद्धिजीवी मंच वं सभी आनुषंगिक इकाइयों के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी कार्यक्रम में उपस्थित होंगे.

रामाशीष के नेतृत्व में निकली तिरंगा यात्रा, हजारों लोग हुए शामिल

आजादी की लड़ाई में युवा क्रांतिकारी पहली पंक्ति में लड़े : यादव

उंटारी रोड। पलामू

बिश्रामपुर विधानसभा के युवा भाजपा नेता रामाशीष यादव के नेतृत्व में बुधवार को मझिआंव प्रखंड में विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया. इस तिरंगा यात्रा में करीब डेढ़ हजार से अधिक मोटरसाइकिल एवं सैंकड़ों चार पहिया वाहन शामिल रहे. इसमें हजारों की संख्या में बिश्रामपुर विधानसभा के युवाओं की भागीदारी रही.

तिरंगा यात्रा का आगाज कोयल नदी पुल से हुआ जहां हजारों की संख्या में पहले युवाओं का महाजुटान हुआ. इसके बाद यात्रा की शुरुआत हुई. यात्रा जैसे जैसे आगे बढ़ रहा था युवाओं का जोश और जुनून भी बढ़ता चल जा रहा था. तिरंगा यात्रा समापन कार्यक्रम में भाजपा नेता रामाशीष यादव ने आजादी के लिए अपनी जान को कुर्बान करने वाले शहीदों को नमन करते हुए श्रद्धांजलि दी. उन्होंने कहा कि देश पर जब जब मुसीबत में आई सबसे पहली पंक्ति में खड़े होकर युवाओं ने लड़ाइयां लड़ीं. राष्ट्रीय एकता और तिरंगे को सम्मान के लिए श्री यादव ने तिरंगा बाइक यात्रा में सम्मिलित सभी लोगों को धन्यवाद दिया.

तिरंगा यात्रा में शामिल विश्रामपुर विधानसभा के युवा.

तिरंगा यात्रा में मुख्य रूप से नावा बाजार प्रखंड से अभय यादव, अभिषेक यादव, अरविंद यादव, रणधीर यादव, सघन यादव, सुनील यादव, विद्यासागर साह, प्रदीप यादव शामिल हुए वहीँ पांण्डू प्रखंड से महेश राम, अजय बैठा, राघवेंद्र यादव, बबलू पासवान, फगुनी राम ने उपस्थिति दर्ज कराई. अखिलेश राम, काशी चौधरी, रामेश्वर मेहता, पिंटू राम, अनुज यादव, रामनाथ यादव शामिल हुए. वहीँ बिश्रामपुर से सिकेंद्र प्रजापति, रमेश यादव, रामकेश विश्वकर्मा आदि उपस्थित थे.

विधायक ने नौडीहा बाजार में किया सड़क का शिलान्यास

सड़क का शिलान्यास करते विधायक.

संवाददाता। नौडीहा बाजार

प्रखंड के ग्राम माड़ादाग में बृजमोहन सिंह के घर से चरित्र सिंह के घर होते हुए बाबा वीर कुंवर स्थान तक पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास संपन्न हुआ. इस सड़क की लागत लगभग दो करोड़ रुपए है जो ग्रामीण विकास विभाग से स्वीकृत है. इस कार्यक्रम में पंचायत के मुखिया पार्वती देवी, रजनी देवी, सविता देवी, पर कालो देवी, पूर्व मंडल अध्यक्ष बाबूलाल पाठक, मंडल अध्यक्ष काशी प्रसाद गुप्ता, युवा अध्यक्ष रोशन सिंह, डागरा मुखिया लाल बिहारी यादव, पूर्व मुखिया राजेंद्र यादव, छतरपुर संतोष प्रसाद, विधायक प्रतिनिधि अशोक तिवारी, बीगन भुइयां, गुप्ता भुइयां, शिव भुइयां, हरेंद्र भुइयां सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे.

भाजपा महिला मोर्चा ने समाहरणालय के समक्ष किया जोरदार प्रदर्शन

हेमंत सरकार बंद करो महिलाओं पर अत्याचार

संवाददाता। मेदिनीनगर

हेमंत राज मे बढ़ती अराजकता, लूट, छिनतई, बलात्कार और महिलाओं के साथ हो रही अत्याचार के विरोध में पलामू जिला भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा ने समाहरणालय के समक्ष जोरदार विरोध प्रदर्शन किया.

प्रदर्शन कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला मोर्चा अध्यक्ष शिटू गुप्ता ने किया. विरोध प्रदर्शन के दौरान महिलाएं हेमंत सोरेन की सरकार बंद करो यह अत्याचार, भाजपा की नाज हैं हम, जुल्म की आवाज हैं हम आदि नारे लगा रही थीं.

राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार, गरीबों, किसानों की उपेक्षा, वादाखिलाफी, हत्या व महिलाओं पर अत्याचार बढ़ने का आरोप लगाकर विरोध में आज भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने समाहरणालय का घेराव एवं आक्रोश पूर्ण प्रदर्शन किया. जिले भर की मोर्चा की महिलाएं शामिल थीं. इसके पूर्व मोर्चा की कार्यकर्ता लघु सिंचाई विभाग कार्यालय मैदान के पास एकत्र हुई और वहां से जुलूस की शक्ल में समय समाहरणालय पहुंची. समाहरणालय के समक्ष सभा में कार्यक्रम की प्रभारी सीमा सिंह ने कहा कि हेमंत सरकार के कार्यकाल में झारखंड राज्य में 27 महिलाओं की दहेज प्रताड़ना से हत्या हुई है. 107 महिलाओं का अपहरण, 51 महिलाओं को रेप कर हत्या व 78 महिलाओं का सामान्य रूप से हत्या हुई है.

समाहरणालय के समक्ष प्रदर्शन करती भाजपा महिला मोर्चा के कार्यकर्ता

महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष रूपा सिंह ने कहा कि राज्य में गठबंधन की सरकार बनने के बाद से विकास का कार्य ठप है. राज्य की गठबंधन सरकार ने लोगों को धोखा दिया है. महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सीटू गुप्ता ने कहा कि महिलाएं हेमंत राज्य में सुरक्षित नहीं है. विरोध कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष अमित तिवारी, छतरपुर विधायक पुष्पा देवी, डाल्टनगंज विधायक आलोक चौरसिया, पांकी विधायक शशिभूषण मेहता, हुसैनाबाद नेता विनोद सिंह, मेदिनीनगर की पूर्व.महापौर अरुणा शंकर, महिला मोर्चा के प्रदेश महामंत्री सीमा सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष रूपा सिंह, नीलम देवी, पिंकी विश्वकर्मा, सुजाता सिंह, सरिता देवी, सुमित्रा देवी, सुनयना देवी, नगीना देवी, मधु लता रानी, रीना किशोर, मंजू गुप्ता, लक्ष्मी रवि, सुजाता सिंह, सुमन सिंह, रूबी सिंह, अनिता देवी, रजनी देवी, पूनम देवी, रीता देवी समेत पलामू जिले से सेकड़ों की संख्या में महिलाएं शामिल थी.

बच्चों ने लघु नाटक का किया मंचन

संवाददाता। मेदिनीनगर

स्थानीय ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में बुधवार को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में छात्र व शिक्षक तिरंगा ध्वज के साथ शामिल हुए. इस अवसर पर कक्षा पंचम् से सात के छात्रों ने विषय संबंधित लघुनाट्य का मंचन किया. लघुनाट्य का निर्देशन शिक्षक बबलू प्रजापति ने किया. प्रिया कुमारी ने विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर विचार प्रस्तुत किया. कक्षा द्वादश की 21 छात्राओं ने विद्यालय सभागार में प्रातः विभाजन विभीषिका विषय पर विस्तार पूर्वक तर्क-वितर्क किया. वहीं, प्री-नर्सरी से कक्षा तृतीय तक के 450 छात्रों द्वारा पोस्टर व ध्वज निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया.

विभाजन विभीषिका स्मृति पर नाटक का मंचन करते विद्यार्थी.

मौके पर प्राचार्य डॉ. एके सिंह ने कहा कि 14 अगस्त 1947 तारीख है, जिसे कभी नहीं भुलाया जा सकता. एक तरफ देश को गुलामी की जंजीरों से मुक्ति मिल रही थी तो दूसरी तरफ इसकी कीमत देश के विभाजन के रुप में मिल रही थी. विभाजन के परिणामस्वरुप लाखों लोग बेघर हो गए. उन्हें मजबूरीवश रातोंरात पलायन करना पड़ा. कई लोग तो ऐसे भी रहे, जिन्हें आजादी की कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ी. भारत विभाजन का दर्द, अभूतपूर्व मानव विस्थापन की कहानी है. इस घटना ने लाखों भारतीयों को विपरीत वातावरण में नया आशियाना तलाशने को मजबूर किया. उन्होंने कहा कि 14 अगस्त 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विभाजन विभीषिका दिवस के रुप में मनाने की शुरुआत की गई है. देश बंटवारे के दर्द को कभी भुलाया नहीं जा सकता. नफरत और हिंसा की वजह से हमारे लाखों भाइयों और बहनों को विस्थापित होना पड़ा. उनके संघर्ष और बलिदान की याद में यह दिवस मनाया जाता है. उन्होंने लोगों से घर-घर तिरंगा, हर घर तिरंगा कैम्पेन में शामिल होने की अपील की है.

डीसी ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा की

संवाददाता। लातेहार

उपायुक्त गरिमा सिंह की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया. बैठक में उपायुक्त द्वारा स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया गया. उपायुक्त ने सिविल सर्जन डा अवधेश कुमार सिंह को से जिले में हुए एएनसी एवं संस्थागत प्रसव के संख्या की जानकारी लिया तथा उनकी संख्या में अपेक्षित प्रगति लाने का निर्देश दिया.उपायुक्त ने जिले में संचालित कुपोषण उपचार केंद्रों में कुपोषित बच्चों के उपचार के सम्बन्ध में जानकारी लिया.

मंत्री बैद्यनाथ राम करेंगे जिला स्टेडियम में झंडोत्तोलन

लातेहार। 78 वें स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारी जिला प्रशासन के द्वारा पूरी कर ली गयी है. मुख्य झंडोत्तोलन जिला स्टेडिमय में प्रदेश के स्कूली शिक्षा व साक्षरता सह उत्पाद व मद्य निषेध मंत्री बैद्यनाथ राम के द्वारा किया जायेगा. मंत्री श्री राम यहां परेड का निरीक्षण एवं सलामी लेगें.इससे पहले उपायुक्त आवास में प्रातः 8.00 बजे, कारगिल पार्क (पुष्पांजलि) 8.25 बजे, उपायुक्त कार्यालय में 10.15 बजे, पुलिस अधीक्षक कार्यालय में 10.20 बजे, जिला परिषद मे 10.30 बजे, उप विकास आयुक्त कार्यालय में 10.35 बजे, वन प्रमंडल कार्यालय में 10.40 बजे, आईटीडीए कार्यालय में 10.45 बजे, अनुमंडल कार्यालय में 10.50 बजे, जिला कंट्रोल रूम में 10.55 बजे, नगर पंचायत कार्यालय में 11.00 बजे, रेडक्रास सोसायटी में 11.15 बजे और पुलिस लाइन में 11.25 बजे झंडोत्तोलन किया जायेगा.

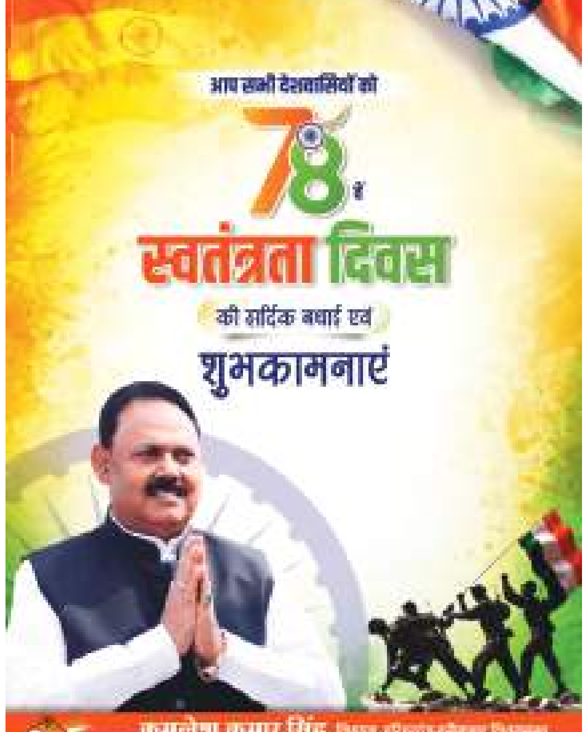

78वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, गुरुवार 15 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 11 संवत 2081 | पृष्ठ : 12 ● मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 128 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबरें

चाईबासा के राजबासा जंगल में आईईडी मिला

चाईबासा। सुरक्षाबलों ने नक्सलियों की साजिश को नाकाम कर दिया. बुधवार को सुरक्षाबलों ने टोंटो थाना क्षेत्र के राजबासा जंगल से एक आईईडी बरामद किया, जिसे उसी स्थान पर विनष्ट कर दिया गया. गौरतलब है कि विगत 10 अक्टूबर 2023 से सुरक्षाबलों के द्वारा गोईलकेरा थाना क्षेत्र कुईड़ा, छोटा कुईडा, मारादिरी, मेरालगड़ा, हाथीबुरू, तिलायबेड़ा बोयपाईससांग, कटम्बा, बायहातु, बोरोय, लेमसाडीह के सीमावर्ती क्षेत्र और टोन्टो थाना के हुसिपी, राजाबासा, तुम्बाहाका, रेगड़ा, पाटातोरब, गोबुरू, लुईया के सीमावर्ती क्षेत्र में शुरू किया गया है.

कोनार डैम गोलीकांड में माओवादी गिरफ्तार

विष्णुगढ़। थाना क्षेत्र अंतर्गत कोनार डैम के पास से पुलिस ने माओवादी चंदन यादव को गिरफ्तार किया है. विष्णुगढ़ एसडीपीओ बैजनाथ प्रसाद के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने बुधवार को नरकी खुर्द से माओवादी को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार माओवादी उस बोलेरो गाड़ी का चालक है, जिसपर सवार होकर माओवादी आए थे और कोनार डैम के पास एन एंड टी कार्यालय के पास गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया था. गिरफ्तार आरोपी चतरा जिला अंतर्गत हंटरगंज थाना के काशीकेवाल गांव का निवासी है.

टीपीसी कमांडर भीखन गंझू को जमानत मिली

रांची। चतरा के टंडवा स्थित मगध व आम्रपाली कोयला परियोजना से टेरर फंडिंग मामले में जेल में बंद टीपीसी के जोनल कमांडर भीखन गंझू उर्फ दीपक कुमार को हाईकोर्ट ने जमानत दे दी है. जस्टिस रोंगोन मुखोपाध्याय और जस्टिस दीपक रौशन की खंडपीठ ने भीखन गंझू की जमानत याचिका पर सुनवाई करते यह फैसला सुनाया. बता दें कि भीखन गंझू एनआईए की कांड संख्या 2018 से जुड़े मामले में आरोपी है और 25 मार्च 2022 से जेल में बंद है.

रिम्स के जूनियर डॉक्टरों का दूसरे दिन भी पेन डाउन स्ट्राइक

डर के साये में रिम्स के डॉक्टर सुरक्षा का आश्वासन मांगा

- जूनियर डॉक्टरों ने निकाला विरोध मार्च, पुतला दहन किया
- एसएसपी ने डॉक्टरों की सुरक्षा पुख्ता करने का भरोसा दिया

संवाददाता। रांची

कोलकाता के आरजीकेएमसीएच की ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म कर बेरहमी से हत्या के विरोध में रिम्स के जूनियर डॉक्टर बुधवार को भी पेन डाउन डड़ताल पर रहे. रिम्स के जूनियर डॉक्टरों ने बुधवार की शाम रिम्स से करमटोली चौक तक विरोध मार्च निकाला. करमटोली पहुंचने के बाद डॉक्टरों ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, बंगाल सरकार, आरजी कर मेडिकल कॉलेज प्रबंधन का पुतला दहन किया. डॉक्टरों ने 'वी वांट जस्टिस' के नारे भी लगाये.

जूनियर डॉक्टरों ने बताया कि जब अस्पताल परिसर में डॉक्टर सुरक्षित नहीं रहेंगे, तो मरीज को कैसे बचाएंगे? कहा, रिम्स के कॉरिडोर में सुरक्षा कर्मी दिखते ही नहीं हैं. अस्पताल में प्रशिक्षित गार्ड की व्यवस्था होनी चाहिए. वहीं रिम्स परिसर में आस-पास सड़क पर कई दुकानें लगती है, जिनमें कई दुकानों में नशीले पदार्थ की बिक्री तक होती है. डॉक्टरों ने रिम्स प्रशासन से मांग की कि जल्द से जल्द रिम्स परिसर में ऐसी दुकानों को चिह्नित कर हटाया जाए.इस संबंध में जूनियर डॉक्टरों ने एसएसपी चंदन सिन्हा को भी अवगत कराया. चिकित्सकों की मांग पर एसएसपी ने आश्वासन दिया गया कि जल्द ही रिम्स परिसर के आसपास सड़क पर दुकान लगाने वालों का हटाया जाएगा और डॉक्टरों की सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता किया जाएगा.

रांची के करमटोली चौक पर पुतला दहन करते रिम्स के जूनियर डॉक्टर.

रिम्स प्रशासन ने दो पुलिस चौकियां खुलवाने का दिया है आश्वासन : बता दें कि मंगलवार को रिम्स परिसर में चिकित्सकों की सुरक्षा को लेकर जूनियर डॉक्टरों का एक प्रतिनिधिमंडल निदेशक से मिला था. रिम्स निदेशक ने चिकित्सकों की सुरक्षा के लिए रिम्स परिसर में दो पुलिस चौकियां स्थापित करने और परिसर में 1,200 सीसीटीवी कैमरे लगाने का प्रस्ताव देने का आश्वासन दिया था.

बैठक में इन बिंदुओं पर चर्चा की गयी

- उच्च न्यायालय के सीबीआई जांच के फैसले का स्वागत करते हैं. आरजीकेएमसीएच, कोलकाता के आसपास चल रही गतिविधियों से संदेह बढ़ रहा है.
- डॉक्टरों के लिए केंद्रीय सुरक्षा अधिनियम का आश्वासन देने वाला पत्र संभावित विवरण के साथ उपलब्ध कराने में स्वास्थ्य मंत्रालय विफल रहा है.
- जांच में बाधा डालने के लिए अस्पताल प्राधिकरण और कोलकाता पुलिस विभाग के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए.
- डब्ल्यूबी आरडीए के साथ कई राज्यों के आरडीए और अन्य चिकित्सा संगठन खड़े हैं.

गढ़वा एसपी समेत 18 पुलिस कर्मी व एक फायरमैन को पदक

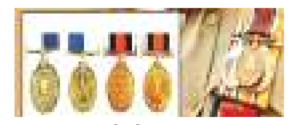

- गढ़वा एसपी दीपक पांडेय को राष्ट्रपति वीरता पदक मिलेगा
- फायरमैन प्यारे लाल तंबवार को वीरता पदक दिया जाएगा

संवाददाता। रांची

78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गुरुवार को एसपी दीपक पांडेय समेत झारखंड के 19 पुलिसकर्मियों और पदाधिकारियों को विभिन्न श्रेणियों में वीरता और सराहनीय सेवा पदक से सम्मानित किया जाएगा. इनमें सात पुलिस कर्मियों को वीरता पदक और 11 पुलिस कर्मियों को सराहनीय सेवा पदक दिया जाएगा. वहीं, इतिहास में पहली बार झारखंड अग्निशमन विभाग के कर्मी को वीरता पदक से सम्मानित किया जाएगा. इनमें फायरमैन प्यारे लाल तंबवार को वीरता पदक प्रदान किया जाएगा.

फायरमैन प्यारे लाल ने आग बुझा कर बचायी थी कई लोगों की जान : झारखंड अग्निशमन विभाग के फायरमैन प्यारे लाल तंबवार को स्वतंत्रता दिवस पर वीरता पदक से सम्मानित किया जायेगा. उन्हें यह सम्मान केलतार भंडारण टैंक समेत कई जगहों पर लगी आग बुझा कर लोगों की जान बचाने के लिए मिलेगा. प्यारे लाल तंबवार वर्ष 1990 में फायरमैन ड्राइवर के रूप में नियुक्त हुए थे.

प्यारे लाल तंबवार.

साहिबगंज जिले के हाजीपुर गांव में 16 मई 2023 को एक सड़क निर्माण स्थल पर भीषण आग लग गयी थी. सूचना मिलते ही प्यारे लाल तंबवार, प्रधान अग्नि चालक के साथ घटना स्थल पर पहुंचे, तो देखा कि सड़क निर्माण उपकरण और कोलतार भंडारण टैंक में आग लगी थी. आग से उत्पन्न गर्मी के कारण कोलतार भंडारण टैंक भी विस्फोट हो गया था. इसमें तंबवार को गंभीर चोट आयी थी. इसके बावजूद कर्तव्य के प्रति समर्पण भावना दिखाते हुए जान जोखिम में डाल कर प्यारे लाल तंबवार अग्निशमन कार्य में लगे रहे और टैंकों में लगी आग पर काबू पा लिया. डीजी अग्निशमन सेवा ने प्यारे लाल के इस साहसिक कार्य के लिए सरकार से वीरता पदक के लिए अनुशंसा की थी. इस घटना के बाद प्यारे लाल को ब्लड कैंसर की बीमारी हो गयी. वर्तमान में उनका मुंबई में इलाज चल रहा है.

गढ़वा एसपी दीपक कुमार ने भाकपा माओवादी के जोनल कमांडर को किया था ढेर

गृह मंत्रालय की ओर से गढ़वा एसपी दीपक पांडेय को राष्ट्रपति वीरता पदक से सम्मानित करने के लिए नामित किया गया है. उन्हें यह सम्मान वर्ष 2022 में भाकपा माओवादियों से हुई मुठभेड़ में संगठन के जोनल कमांडर को ढेर करने के लिए दिया जाएगा. उस वक्त, दीपक पांडेय लोहरदगा में एएसपी अभियान के पद पर थे. उन्हें 29 दिसंबर 2022 को गुप्त सूचना मिली थी कि भाकपा माओवादियों का एक दस्ता लोहरदगा के बुगड़ू थाना क्षेत्र के कोरगो जंगल में है. इस आधार पर उनके नेतृत्व में जिला पुलिस बल और सीआरपीफ घटनास्थल पर पहुंचे थे. इस दौरान पुलिस की भाकपा माओवादी के रविंद्र गंझू के दस्ते के साथ मुठभेड़ हुई थी. मुठभेड़ में भाकपा माओवादी के एक सब जोनल कमांडर चंद्रभान पाहन ढेर हो गया था. जबकि सब जोनल कमांडर गोविंद ब्रिजिया को गिरफ्तार किया गया था.

दीपक पांडेय गढ़वा एसपी.

11 पुलिसकर्मियों को सराहनीय सेवा पदक

- सिपाही रविंद्र कुमार सिंह
- सिपाही विमल कुमार छेत्री
- हवलदार सलोमी मिंज
- हवलदार संजय उरांव
- सिपाही हेमा रानी
- सिपाही रेखा कुमारी
- सिपाही संजीव गुप्ता
- हवलदार ऋतुराज
- हवलदार राजेंद्र राम
- हवलदार अरुण उरांव
- हवलदार संजय कुमार

सात पुलिसकर्मियों को वीरता पदक मिलेगा

- गढ़वा एसपी दीपक पांडेय
- सब इंस्पेक्टर विश्वजीत सिंह
- जमादार सच्चिदानंद सिंह
- हवलदार उमेश सिंह
- सिपाही सुभाष दास
- सिपाही रविंद्र टोप्पो
- सिपाही गोपाल गंझु

माओवादी जोनल कमांडर नितेश यादव दस्ते के दो सदस्य धराए

- एक कट्टा और हथियार बनाने में प्रयुक्त सामान बरामद

संवाददाता। पलामू

माओवादी कमांडर नितेश यादव के दस्ता के दो सक्रिय सदस्य को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. हुसैनाबाद डीएसपी मुकेश कुमार के नेतृत्व में थाना प्रभारी संजय यादव के साथ गठित पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की है. पलामू एसपी रिष्मा रमेशन ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी. गिरफ्तार नक्सलियों में परहैया और दौलत यादव शामिल है. दोनों के पास से एक कट्टा और हथियार बनाने में उपयोग आने वाले कई सामान बरामद किये गये हैं. दोनों गिरफ्तार नक्सली नितेश यादव दस्ते का सक्रिय सदस्य है और कई हिंसक घटनाओं को अंजाम देने में शामिल रहा है.

कार्रवाई के संबंध में जानकारी देतीं पलामू एसपी रिष्मा रमेशन

गिरफ्तार नक्सली परहैया का पुराना अपराधिक इतिहास: एसपी रिष्मा रमेशन ने बताया कि मंगलवार को गुप्त सूचना मिली थी कि माओवादी कमांडर नितेश यादव के दस्ते का सक्रिय सदस्य परहैया अपने सहयोगी दौलत यादव के साथ केमो प्रतापपुर के पाही में मुनारिक विश्वकर्मा के साथ देखा गया है. इसके बाद पुलिस टीम का गठन कर छापेमारी करते हुए दोनों नक्सली को गिरफ्तार कर लिया गया. परहैया का पुराना अपराधिक इतिहास रहा है. वह जून माह में सडेया डंडिला सड़क निर्माण कार्य में लगी जेसीबी और ट्रैक्टर में आगजनी में शामिल था.

सेक्स रैकेट का खुलासा 3 महिला समेत 7 धराए

रांची। अरगोड़ा थाना क्षेत्र में पुलिस की टीम ने सेक्स रैकेट का खुलासा किया है. हटिया डीएसपी के नेतृत्व में पुलिस की टीम में होटल मौर्या में छापेमारी कर पांच युवती सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया है.

ब्रीफ खबरें

नए थाना प्रभारी ने किया पदभार ग्रहण

कटकमसांडी। थाना में नए थाना प्रभारी के रूप में राजबल्लव कुमार ने पदभार ग्रहण किया. उन्होंने निवर्तमान थाना प्रभारी देवदत्त कुमार सिंह से पदभार लिया. पदभार संभालने के बाद थाना राजबल्लव कुमार ने कहा कि उनकी पहली प्राथिमकता होगी कि क्षेत्र में शांति, सद्भावना बरकार रहे, पुलिस और जनता के बीच अच्छा रिश्ता कायम हो ताकि लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़े. लोग अपनी समस्या लेकर सीधे थाने में आकर मुझसे मिल सकते हैं.

स्काउट एंड गाइड ने ली देश सेवा की शपथ

हजारीबाग। भारत स्काउट एवं गाइड, राज्य प्रशिक्षण केंद्र सह जिला मुख्यालय, हजारीबाग में संत कोलंबस कॉलेजिएट स्कूल तथा संत किरण बालिका उच्च विद्यालय के नए स्काउट एंड गाइड ने बुधवार को देश सेवा की शपथ ली. दीक्षांत समारोह में सभी स्काउट एंड गाइड ने ईश्वर के प्रति, दूसरों के प्रति तथा स्वयं के प्रति अपने कर्तव्य का पालन करने के साथ ही स्काउट एंड गाइड के नियम को अपने जीवन में अपनाकर प्रगति के पथ पर हमेशा चलने की शपथ ली. समारोह में राज्य प्रशिक्षण आयुक्त, विपिन कुमार, जिला मुख्य आयुक्त, राजेश्वर प्रसाद सिंहा, जिला मुख्यालय आयुक्त, उज्वल आयकत आदि मौजूद थे.

बारिश में बहे पुल और पुलिया, जायसवाल ने की नए निर्माण की अनुशंसा

सांसद ने उपायुक्त को लिखा पत्र

संवाददाता। हजारीबाग

भारी बारिश में पुल और पुलिया के बहने से आवागमन प्रभावित हो गया है.

एक सप्ताह पूर्व हुई भारी बारिश में कई पुलों और पुलिया के बहने से आवागमन बाधित हो गया है. बड़कागांव प्रखंड के जरजरा स्थित तेतरिया पुल, केरेडारी प्रखंड के पांडु पुल तथा बुंडू बटुका के कोती पुल के बह जाने की खबर मिलते ही सांसद मनीष जायसवाल ने बुधवार को उपायुक्त नैंसी सहाय को पत्र लिखकर नए पुलों का निर्माण कराने की अनुशंसा की है. सांसद ने कहा है कि बड़कागांव जरजरा के तेतरिया पुल के ध्वस्त होने से धंनतेलइया, अम्बाटोला, बीहड़, गरसुल्ला, चानो, लुरूंगा सहित कई आदिवासी गांवों में निवास करने वाले लोगों को आवागमन की सुविधा से वंचित होना पड़ा है. इसी प्रकार केरेडारी प्रखंड के पांडु पुल तथा बुंडू बटुका गांव के कोती पुल के बह जाने से पांडु, बालेदौरी, कवेद, टुंडा, बलिया, तरहेसा, मनातू, बकचोम्मा, मसूरिया, लॉजीदाग, लोहरा, बुंडू, बटुका, खपिया, लोहरसा, कोले, पाताल, दुमारू, हेंडेगीर आदि गांवों के लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. उन्होंने कहा है कि नए पुलों के निर्माण के पहले ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए आवागमन के लिए वैकल्पिक व्यवस्था बहाल की जाय.

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने किया विभिन्न विभागों का निरीक्षण, दिए निर्देश

संवाददाता। हजारीबाग

उपायुक्त नैंसी सहाय के निर्देश पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी शिप्रा सिन्हा ने बुधवार को विशिष्ट दत्तक ग्रहण एजेंसी सृजन फांउडेशन, सामाजिक समस्या निवारण एवं कल्याण संस्थान हुरहूरू, नशा मुक्ति केंद्र हुरहुरू, शक्ति सदन एवं सम्प्रेक्षण गृह हजारीबाग का औचक निरीक्षण किया. इस क्रम में उन्होंने सृजन फांडनेशन में आवासित एक बच्चा के माता-पिता की खोज के लिए दैनिक समाचार पत्र में विज्ञापन प्रकाशित करने का निर्देश दिया. उन्होंने सामाजिक समस्या निवारण एवं कल्याण संस्थान में एक विशेष शिक्षक को नियुक्त करने, बच्चों के पसंद के अनुसार मेनू चार्ट तैयार करने, रसोई घर की मरम्मति करने का निर्देश दिया. उन्होंने नशा मुक्ति केंद्र में उपस्थित पंजी का अवलोकन किया, जिसमें सभी कर्मी उपस्थित पाये गये. नशा मुक्ति केंद्र में 15 क्षमता वाले केंद्र में 11 नशा करने वाले लोगों का इलाज किया जा रहा है.

लेंढिया नदी से अज्ञात युवक का शव बरामद

चौपारण। चौपारण थाना क्षेत्र की दादपुर पंचायत के ग्राम हथिया शमशान घाट के नीचे लेंढिया नदी में अज्ञात युवक का शव मिला है. चयकला के गोताखोर मस्तान अलामुद्दीन, सदाम हुसैन ने तेजधार में बहती नदी के झाड़ी से युवक के शव को काफी मशक्कत के बाद निकाला. शव की पहचान नहीं हो पाई है. गोताखोरों ने शव को नदी से निकाल कर चौपारण पुलिस के हवाले कर दिया. पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.

हजारीबाग में फिर से अवैध कोयले का कारोबार शुरू

चनारो इलाके में वन विभाग ने अवैध कोयला लदा ट्रक पकड़ा

संवाददाता। हजारीबाग

दलदली मिट्टी में फंसा अवैध कोयला लदा ट्रक.

जिले में एक बार फिर से कोयले का अवैध कारोबार शुरू हो गया है. कोयला तस्करी का खेल जिले के चनारो इलाके से शुरू हुआ है. यहां से हर दिन छह से सात ट्रक कोयला मंडी में भेजा जा रहा है. इन क्षेत्रों में ट्रैक्टर और बाइक से कोयला गिराया जा रहा है. सीसीएल से चोरी और अवैध खनन कर निकाले गए कोयले को इन क्षेत्रों में जमा कर ट्रक के माध्यम से मंडियो तक पहुंचाया जा रहा है. इसी क्रम में वन विभाग ने अवैध कोयला लदे एक ट्रक (जेएच 13डी 0970) को पकड़ा है. इस संबंध में बताया जा रहा है कि ट्रक मंगलवार की रात अवैध कोयला लोड कर जा रहा था, लेकिन बारिश होने की वजह से दलदली मिट्टी में फंस गया. स्थानीय लोगों से सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और अवैध कोयला लदे ट्रक को जब्त कर लिया.

मंडियों तक पहुंच रहा है हजारीबाग का कोयला : हजारीबाग के अवैध कोयला के कारोबारियों ने ऐसी लाइजनिंग कर रखा है कि अवैध कोयला ट्रकों में कोयला लाद कर धड़ल्ले से बिहार की मंडियों तक पहुंचाया जा रहा है. इस अवैध कारोबार में कई कोयला माफिया संलिप्त हैं. इन्होंने हजारीबाग को मुख्य ठिकाना बना लिया है. इन मुख्य कारोबारियों के मातहत ही हजारीबाग के कई दर्जन लोग अपने मुख्य व्यवसाय को छोड़ कर काला हीरा कहे जाने वाले कोयला के अवैध कारोबार में जुड़ गए हैं.

साइबर अपराधियों ने डीसी का फेक व्हाट्सअप अकाउंट बनाया

- नैंसी सहाय ने किया आगाह, किसी तरह का मैसेज आने पर नंबर को कर दें ब्लॉक

संवाददाता। हजारीबाग

साइबर अपराधियों ने एक बार फिर आईएएस अधिकारी को निशाना बनाया है. इस बार साइबर अपराधियों ने हजारीबाग की उपायुक्त नैंसी सहाय का फेक व्हाट्सअप अकाउंट बनाया है. इसके जरिये साइबर अपराधी लोगों को मैसेज भेज रहे हैं. इस संबंध में उपायुक्त नैंसी सहाय ने लोगों को आगाह किया है. साथ ही उन्होंने जनता से अपील की है कि उक्त व्हाट्सएप नंबर से मैसेज आने पर कोई प्रतिक्रिया न दें. साथ ही उस नंबर को ब्लॉक कर दें. नैंसी सहाय ने कहा कि अगर आपको लगता है कि कोई व्यक्ति डीसी का फेक व्हाट्सएप आईडी का उपयोग कर रहा है, तो आपको तुरंत उचित कदम उठाना चाहिए. सबसे पहले यह पुष्टि करें कि व्हाट्सएप आईडी वास्तव में फेक है और उपायुक्त की ऑफिशियल आईडी नहीं है. इसके बाद उपायुक्त कार्यालय को इस बारे में सूचित करें.

समस्त झारखंडवासियों को 78वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

निवेदक
मनोज कुमार तिवारी
प्रखंड विकास पदाधिकारी, लातेहार

समस्त झारखंडवासियों को 78वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

निवेदक
सुरेंद्र कुमार
जिला परिवहन पदाधिकारी

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

डॉक्टर वाघमारे प्रसाद कृष्णा
उपायुक्त, लोहरदगा

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

उमेश बड़ाईक
भाजपा सांसद प्रतिनिधि, अनगड़ा

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

निवेदक
फिरोज अली
केंद्रीय सदस्य झारखंड मुक्ति मोर्चा सह 20 सूत्री सदस्य कोलेबिरा जिला सिमडेगा

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

निवेदक
वीरेंद्र किड़ो
प्रखंड विकास पदाधिकारी कोलेबिरा सिमडेगा

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

निवेदक
कल्पना देवी
मुखिया नवाटोली पंचायत कोलेबिरा, जिला सिमडेगा

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

निवेदक
मुकेश कुमार श्रीवास्तव
समाज सेवी सह भाजपा जिला महामंत्री सिमडेगा

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

निवेदक
सुनीता देवी
उप प्रमुख कोलेबिरा प्रखंड कोलेबिरा जिला सिमडेगा

समस्त झारखंडवासियों को 78वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

निवेदक
अरविंद देवाशीष टोप्पो
अंचल अधिकारी, लातेहार

समस्त झारखंडवासियों को 78वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

निवेदक
मो इमरान
जिला संयुक्त सचिव झामुमो, बालूमाथ (लातेहार)

समस्त झारखंडवासियों को 78वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

निवेदक
प्रिंस कुमार
जिला शिक्षा पदाधिकारी, लातेहार

समस्त झारखंडवासियों को 78वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

निवेदक
विजय कंस्ट्रक्शन
लातेहार

समस्त झारखंडवासियों को 78वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

निवेदक
प्रदीप कुमार सिन्हा
थाना प्रभारी, लातेहार

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

निवेदक
श्री महेश महतो
प्रदेश अध्यक्ष, झारखंड तैलिक साहू सभा
प्रदेश अध्यक्ष भारतीय जनता मजदूर सेल

राज्य सरकार द्वारा उग्रवादियों के प्रत्यर्पण पुनर्वास हेतु नई नीति / योजना की

स्वीकृत मुख्य सूचनाएं

1. विधि व्यवस्था के क्षेत्र में सबसे बड़ी चुनौती उग्रवाद की समस्या है, जिससे लोहरदगा जिला गंभीर रूप से आक्रांत है. आत्म समर्पित नक्सलियों को भुगतेय पुनर्वास अनुदान का भुगतान निम्नरूपेण तालिका के अनुसार किया जाएगा-

क्र.स.	श्रेणी	पुनर्वास अनुदार राशि
01	ए श्रेणी	जोनल कमांडर एवं उसके ऊपर स्तर के नक्सली 6,00,000(छह लाख) रुपये
02	बी श्रेणी	जोनल कमांडर एवं उसके नीचे स्तर के नक्सली 3,00,000(तीन लाख) रुपये

02. कार्यशील एवं नियमित आग्नेयास्त्र (Regular) गोला-बारूद के प्रत्यर्पण के बदले अतिरिक्त भुगतान निम्नरूपेण तालिका के अनुसार किया जाएगा.

क्र.स.	आग्नेयास्त्र/विस्फोटकों के प्रकार	पुरस्कार से संबंधित राशि
01	रॉकेट लांचर/एल.एम.जी	1,00,000 रुपये
02	ए.के.47/56/74रायफल/स्नाईपर रायफल/इंसास/एस.एल .आर	75.000 रुपये
03	303 रायफल/पिस्टल/रिवाल्वर/कार्बाइन	25000 रुपये
04	315 रायफल और अन्य रायफल	15000 रुपये
05	रिमोट कंट्रोल डिवाइस	6000 रुपये
06	ग्रेनेड/हैंड ग्रेनेड	2000 रुपये
07	वायरलेस सेट	2000 रुपये से 10,000 रुपये तक(रेंज के आधार पर)
08	आई.ई.डी.	6000 रुपये
09	विस्फोटक सामग्र (प्रति कि.ग्रा)	2000 रुपये

03. प्रत्यर्पण करने वाले उग्रवादी की योग्यता एवं अभिरुचि के अनुसार पुनर्वास समिति द्वारा कौशल विकास विभाग, झारखंड द्वारा जिलों में संचालित कौशल विकास केंद्रों में उपलब्ध विभिन्न संकायों में व्यावसायिक प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाएगी.

अथवा

पुनर्वास समिति द्वारा 6,000 (छह हजार) रुपये प्रतिमाह की वृति पर एक वर्ष तक के लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाएगी. विशेष परिस्थिति में व्यावसायिक प्रशिक्षण की अवधि एक अतिरिक्त वर्ष तक के लिए विस्तारित की जा सकेगी.

04 अधिकतम चार डिसमिल जमीन गृह निर्माण हेतु आवंटित की जाएगी.

05 यदि प्रत्यर्पण करने वाले उग्रवादी के सिर पर उसके मारे जाने या गिरफ्तार होने पर कोई सरकारी ईनाम घोषित हो तो समर्पण के उपरांत घोषित ईनाम की राशि उन्हें ही प्रदान कर दी जाएगी.

06 मुख्यमंत्री कन्यादान योजनांतर्गत महिला उग्रवादी एवं उग्रवादियों की पुत्रियों के वैवाहिक कार्यकम हेतु अनुदान राशि दी जाएगी.

पुलिस अधीक्षक, लोहरदगा। मो0नं0-9431706218 पुलिस उपाधीक्षक, (मु0), लोहरदगा। मो0नं0-9431361305 अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, लोहरदगा। मो0नं0-9431129614 अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, किस्को, लोहरदगा। मो0नं0-7004540014

निवेदक
लोहरदगा पुलिस

ब्रीफ खबरें

जेटेट की परीक्षा सितंबर माह के अंत में

सिमडेगा। शहर के प्रिंस चौक, नाइस कंप्यूटर गली स्थित कोचिंग संस्थान अचीवर्स क्लासेस में जेटेट की परीक्षा आयोजित की गई है. संचालक गणेश पाठक ने बताया कि जे टेट की परीक्षा सितंबर माह के अंत में होगी. राज्य सरकार ने इसकी घोषणा कर दी है. उन्होंने ने कहा कि अचीवर्स क्लासेस में परीक्षा की तैयारी कराई जा रही है. उन्होंने ने कहा कि अभ्यर्थी आठ साल बाद मिले इस अवसर का लाभ उठाएं, साथ ही अचीवर्स क्लासेस से जुड़कर बेहतर भविष्य बनाने की बात कही. उन्होंने ने नामांकन के लिए मोबाइल नंबर 62076 45754 पर संपर्क करने का आग्रह किया है.

18 को होगी ग्रामीण चौकीदार नियुक्ति के लिए परीक्षा

गुमला। जिले में ग्रामीण चौकीदारों की नियुक्ति के लिए कुल 226 रिक्त पदों पर सीधी भर्ती होगी. इसके लिए 18 अगस्त को लिखित परीक्षा का आयोजन किया जाएगा. उक्त परीक्षा में शामिल होने वाले योग्य उम्मीदवारों की सूचीnic.in पर अपलोड कर दी गई है जहां से उम्मीदवार अपने नाम का मिलान भी कर सकते हैं.इस दौरान उपायुक्त ने सभी उम्मीदवारों से अपील की गई है कि आप अपना प्रवेश पत्र 14 अगस्त तक अपने संबंधितप्रखंड व नगरपालिका से प्राप्त कर सकते है.

एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष का हुआ भव्य स्वागत

लोहरदगा। झारखंड प्रदेश के एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष विनय उरांव का बुधवार को बरवा टोली लोहरदगा स्थित विधायक सह मंत्री कार्यालय में जोरदार स्वागत किया गया. प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद विनय उरांव सर्वप्रथम विधायक कार्यालय पहुंचे. जहां विधायक प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल,युवा जिलाध्यक्ष विशाल डुंगडुंग,पूर्व महिला जिलाध्यक्ष सीमा भगत समेत काफी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बधाई दी है. मौके पर विधायक प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल ने कहा कि सौभाग्य की बात है.

लोहरदगा में जिला स्तरीय जवाहरलाल नेहरू हॉकी प्रतियोगिता संपन्न

बालिका वर्ग में केजीबीभी सेन्हा ने ट्रॉफी पर जमाया कब्जा

संवाददाता। लोहरदगा

जिला शिक्षा विभाग के तत्वाधान में जवाहरलाल नेहरु हॉकी प्रतियोगिता 2024-25 का सीएम उत्कृष्ट विद्यालय, नदिया हिन्दू, लोहरदगा के मैदान में की गई.दूसरे और अंतिम दिन अंडर 17 बालिकाओं की हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. जिसमें कुल पांच टीमों ने भाग लिया. प्रतियोगिता में जिला के विभिन्न विद्यालयों के अंडर-17 वर्ग में बालक और बालिका और अंडर I5 वर्ग में बालक की टीमें भाग ले रही हैं. प्रतियोगिता में अंडर 17 बालिका विजेता टीम केजीबीभी, सेन्हा की टीम रही. उप विजेता राजकीयकृत उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय, विटपि, भंडरा रही,वहीं प्रतियोगिता के तीसरे स्थान पर केजीबीभी,

ट्राफी के साथ् टूर्नामेंट की विजता टीम.

किस्को की टीम रहा. प्रतियोगिता के अंतिम दिवस के खेल का विधिवत उद्घाटन सुनंदा दास चंद्रमौलेश्वर डीएसई सह यूडीपीओ, जेईपी, लोहरदगा, अभिषेक झा, अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी, लोहरदगा, अम्बुज्य पांडेय, एडीपीओ, अशोक पांडेय, एपीओ, विश्वक दीपक झा, एपीएम सह प्रभाग प्रभारी, आकाश कुमार, फील्ड मैनेजर, जेईपी, लोहरदगा के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर एवं खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया गया.

डीएसई, लोहरदगा ने कहा कि खेल खिलाड़ियों में अनुशासन और उनमें टीम भावना के साथ साथ प्रतिस्पर्धा को बढ़ाता है. साथ ही हॉकी प्रतियोगिता का यह खेल ग्रामीण छात्रों की प्रतिभा को भी निखारने के कार्य कर रही है.अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी, लोहरदगा ने खिलाड़ियों का उत्साहित करते हुए कहा कि यह आयोजन राष्ट्रीय स्तर का है,जिसमें आप सभी अपनी प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचा सकते हैं.जिला स्तर पर विजयी टीम राज्य स्तर पर अगस्त में होने वाले प्रतियोगिता में जिला का प्रतिनिधित्व करेगी.मैच के सफल संचालन हेतु शिक्षा विभाग से रंजू साहू, अमन साव,सीमा कुजूर, अंजना खलखो, जीतेन्द्र मित्तल, सारू उरांव, विशाल उरांव,सुनील तिर्की आदि अपना योगदान दे रहे हैं.

दो दिवसीय इंटर स्कूल बैडमिंटन टूर्नामेंट 17 अगस्त से होगा शुरू

संवाददाता। लोहरदगा

लोहरदगा जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के तत्वावधान मेंइंटर स्कूल बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन 17 और 18 अगस्त को मधुसूदन लाल अग्रवाल महिला कालेज के इंडोर स्टेडियम में होगा. जिसमें 12 वर्षसेकम आयुवर्ग, 13 से 15 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिका सिंगल और डबल प्रतियोगिता में भाग ले सकेंगे. इसकी जानकारी देते हुए एसोसिएशन के अध्यक्ष डा गणेश प्रसाद ने बताया कि ऐसे आयोजन से बच्चों में खेल भावना का विकास होता है. परिणाम स्वरूप उनमें सर्वांगीण विकास का अवसर मिलता है. प्रतियोगिता में भाग लेने और विशेष जानकारी के लिए जिला सचिव मुरारी गोस्वामी से संपर्क किया जा सकता है.

आयोजन को सफल बनाने के लिए अध्यक्ष डा गणेश प्रसाद, सचिव मुरारी गोस्वामी, कोषाध्यक्ष नसीम अख्तर, मलय दत्ता, संजय कुमार बर्मन, राकेश शर्मा, प्रवीण पटेल, रंजीत साहू, प्राचार्य प्रो स्नेह कुमार, दुबराज यादव, राहुल कुमार, अरुण राम, गणेश पांडेय, प्रवीण पटेल, नीरज खत्री, उत्तम शर्मा, शिव कुमार भगत, सतीश उरांव, दिनेश पांडेय, बाल्मीकि सिंह, विनोद उरांव, एस सुजाउद्दीन राजा, ब्रजकिशोर बड़ाईक, गुलाम मुर्तुजा अंसारी, रंजीत साहू, राहुल साहू आदि आवश्यक सहयोग कर रहे हैं.

भंडरा में मूसलाधार बारिश सड़क नदी में तब्दील

घरों और दुकानों में घुसा पानी आवागमन रहा ठप,बढ़ी परेशानी

संवाददाता। भंडरा(लोहरदगा)

भंडरा में मूसलाधार बारिश देखने को मिली भंडरा में देर शाम हुई तेज बारिश के कारण शहर के कई गली मोहल्लों के घरों और दुकानों मे पानी घुस गया इस सीजन में सबसे ज्यादा बारिश मंगलवार की देर शाम में जोरदार बारिश हुई इससे जहां लोगों को उमस से राहत मिली, वहीं नगर निगम को पोल खुल गयी भंडरा मैन रोड सहित कई गली, मुहल्ले जलमग्न हो गया दो घंटे तक इस मार्ग पर वाहनों का लंबी कतार लगा रहा सड़क किनारे स्थित नाला का पानी सड़क पर बहने से राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा.

दुकानों और घरों में घुसा पानी, वाहन गिरे नाले में : मैन रोड सहित कई दुकानों व घरों में नाली व बारिश का पानी घुस गया वहीं कुछ लोग पानी जमे रहने के कारण रोड को भाप नहीं पाते और गिर जाते हैं सड़क किनारे खड़े कुछ दोपहिया वाहन नाला में गिर गये वहीं कई बाइक में पानी घुस जाने से स्टार्ट नहीं हुआ नाला व सड़क पर पानी एक समान हो जाने से चार पहिया व दोपहिया वाहन चालक जहां-तहां रुके रहे भंडरा के बाजार तांड,प्रेम गली, थाना मोड़ समेत कई घरों व दुकानों में बारिश का पानी घुस गया बारिश कम होने के बाद लोग अपने घरों व दुकानों की सफाई में जुट गये.

भारी बारिश से सड़क में जाम पानी.

खास बातें

- शहर के कई गली मोहल्लों के घरों और दुकानों मे पानी घुस गया
- चार पहिया व दोपहिया वाहन चालक जहां-तहां रुके रहे

लगभग आठ वर्षों से है मैन रोड में जल जमाव का समस्या

जल जमाव की समस्या मैन रोड भंडरा में काफी पुरानी है नालियों की सफाई नियमित नहीं होने से तेज बारिश के बाद हमेशा ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है स्थानीय लोगों का कहना है कि भंडरा के विभिन्न मोहल्लों में नालियों का अतिक्रमण किये जाने से बारिश के समय रोड के पानी में डूबने की स्थिति बन जाती है इससे लोगों को काफी परेशानी होती है लोगों ने अधिकारियों से नालियों की नियमित सफाई कराने के साथ नालियों को अतिक्रमण मुक्त करने की मांग की है ग्रामीणों का कहना है कि बरसात में भंडरा रोड की नालियां जाम होने से नाली का गंदा पानी सड़क पर बहता है

डिस्ट्रिक्ट इन्वायरमेंट प्लान व एनजीटी की बैठक में दिए निर्देश

संवाददाता। लोहरदगा

डिस्ट्रिक्ट इन्वायरमेंट प्लान एवं एनजीटी के पारित आदेश के संबंध में बैठक समाहरणालय सभाकक्ष में आयोजित हुई. बैठक में सर्वप्रथम हिण्डाल्को को शहर में इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले लगाये जाने व प्रतिदिन डिसप्ले का पंजी संधारित किये जाने के पूर्व में दिये गये निर्देश की समीक्षा की गई. इसमें पाया गया कि अब तक इस निर्देश का पालन नहीं किया गया है. पुनः अनुपालन का निर्देश दिया गया.सहायक खनन पदाधिकारी को एनजीटी के आदेश का अनुपालन कराये जाने का निर्देश दिया गया. जिला मत्स्य पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता पीएचईडी, प्रशासक नगर परिषद और भूमि संरक्षण पदाधिकारी को वाटर रिचार्ज प्लान तैयार करने कर प्रतिवेदन समर्पित किये जाने का निर्देश दिया गया. इसी प्रकार 15वें वित्त से चापाकलों पास निर्मित सोख्ता गड्ढों का प्रतिवेदन दिये जाने, विद्यालयों के छतों पर तड़ित चालक लगाये जाने के निर्देश के अनुपालन की भी समीक्षा की गई.बैठक में जिला परिवहन पदाधिकारी संजय कुमार, अनुमण्डल पदाधिकारी अमित कुमार, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के विशेषज्ञ, सहायक खनन पदाधिकारी राजा राम प्रसाद, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधि व अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित थे.

बैठक में शामिल अधिकारी.

छह दिवसीय फुटबाल प्रतियोगिता 20 अगस्त से

संवाददाता। लोहरदगा

लोहरदगा भंडरा प्रखंड के भीठा गांव में युवा जागृति क्लब के तत्वावधान में छह दिवसीय फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन 20 से 25 अगस्त तक भीठा फुटबाल मैदान में किया जाएगा. इसकी जानकारी देते हुए मुख्य संरक्षक राजा लाल, श्रवण सिंह, अध्यक्ष संजय उरांव, उपाध्यक्ष विहारी उरांव, महावीर भगत, सचिव बिरसू उरांव, लक्षू उरांव और कोषाध्यक्ष बुदू उरांव और विशाल खलखो ने बताया कि बालक वर्ग में एंट्री एं फीस 4100 रुपए है. इसमें 32 टीमें भाग लेंगी. बालक वर्ग में प्रथम पुरस्कार 41 हजार रूपये सहित एक सेट जर्सी, फुटबाल, ट्राफी और मेडल होगा. द्वितीय पुरस्कार 31 हजार रुपए सहित एक सेट जर्सी, फुटबाल, ट्राफी और मेडल होगा. तृतीय पुरस्कार 20 हजार रुपए, एक सेट जर्सी, फुटबाल और ट्राफी होगा. चतुर्थ पुरस्कार 15 हजार रुपए, एक सेट जर्सी, फुटबाल और ट्राफी होगा. बालिका वर्ग में एंट्री एं फीस 2500 रुपए होगा. इसमें आठ टीमें भाग ले सकेंगी.

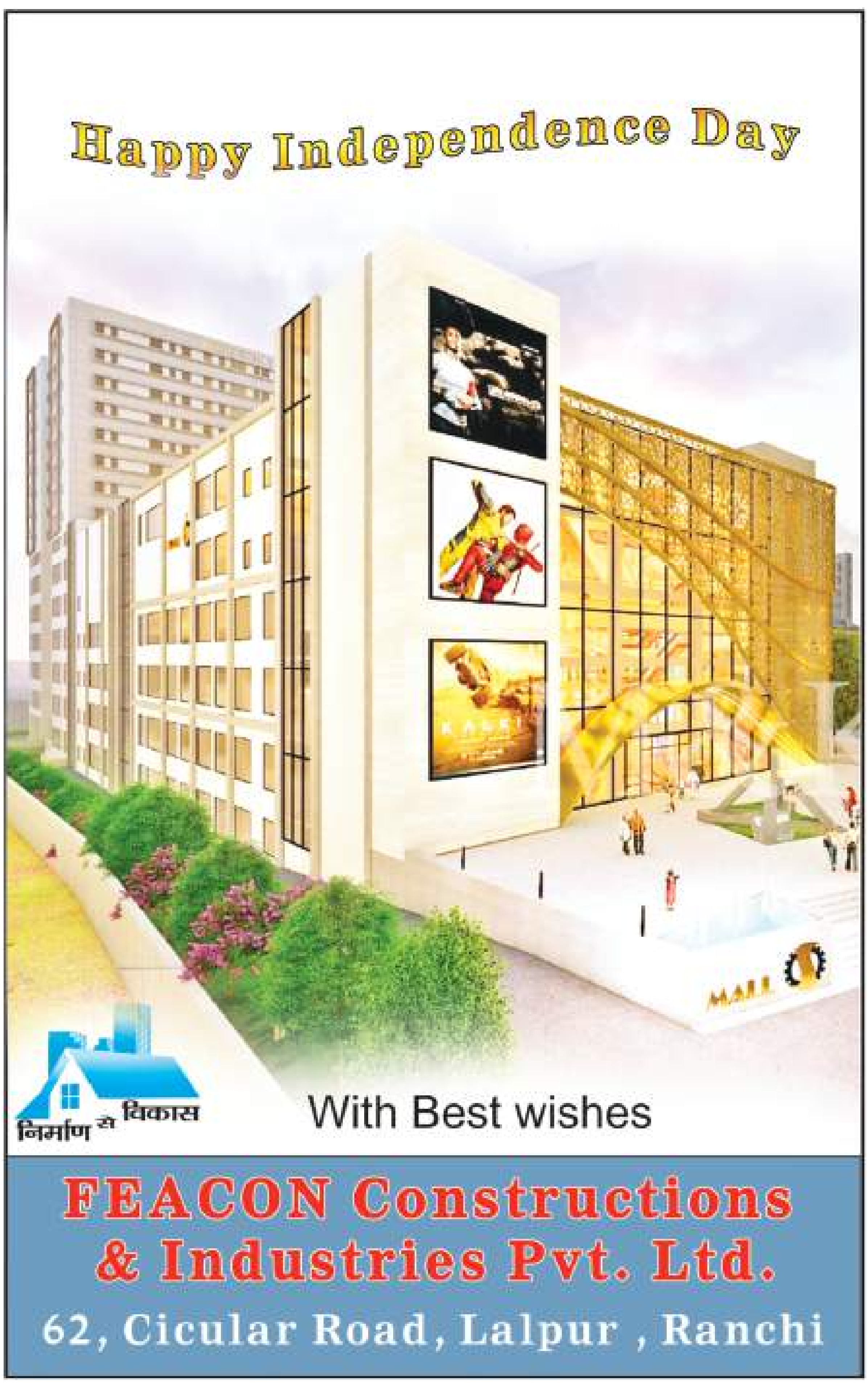

इंसाफ की डगर पर

हमारे पास दुनिया का सबसे विशद संविधान है. दुनिया में सांविधानिक परम्पराएं तकरीबन साढ़े तीन सौ साल पुरानी हैं. लिखित संविधान तो और भी बाद के हैं. 1787में अमेरिकी संविधान से इसकी शुरुआत हुई. ऑस्ट्रियो हंगेरियन संघ ने 1867 में ऑस्ट्रिया में संविधान लागू किया. ब्रिटिश संविधान तो लिखा ही नहीं गया, परंपराओं से बनता चला गया. लोकतंत्र का दबाव था कि उन्नीसवीं सदी में अनेक सम्राटों एवं राजाओं ने अपने देशों में संविधान की रचना की. भारतीय संविधान की रचना के समय उसके निर्माताओं के सामने नागरिकों के बुनियादी अधिकारों की रक्षा, लोकतंत्र, संघीय और राज्यों के कार्यक्षेत्र की स्पष्ट व्याख्या, सामाजिक न्याय और इस देश की व्यापक संस्कृति की रक्षा जैसे सवाल थे. सभ्यता पर आरंभ से ही किसी-न-किसी तरह से न्याय का सवाल दबाव में रहा है. साथ ही, यह भी सच है कि अन्याय से बचाव के लिए राज और समाज में, सीमित ही सही, सक्रियता भी रही है. आज की विचित्र स्थिति यह है कि न्याय-वंचित लोगों को वंचना से बाहर निकालने का प्रयास पूरी तरह से निष्क्रिय नहीं हो गया हो, तो भी आपराधिक शिथिलता की चपेट में जरूर पड़ गया है. न्याय-वंचना से बचाव का प्रयास न सिर्फ आपराधिक शिथिलताओं में पड़ गया है, बल्कि न्याय का सवाल उठानेवाले के प्रति नफरत का माहौल भी लगातार बनाया जाता रहा है. माननीय अदालत का काम अन्याय हो जाने के बाद न्याय देने का होता है, अन्याय को होने से रोकना तो समग्र जन-समाज के सतत और सचेत प्रयास से ही संभव हो सकता है. प्रतिभावान लोगों के मन में 'प्रतिभाहीन लोगों' के मानवाधिकार के प्रति पर्याप्त सम्मान के अभाव के चलते अन्याय की प्रवृत्ति की विनाशकारी क्षमता और घटना में कोई कमी नहीं आती है. भारत अपनी आजादी का 'अमृत-महोत्सव' मना रहा है, तो कम-से-कम पिछले दो सौ साल की राजनीतिक पृष्ठभूमि को जरूर याद किया जाना चाहिए. खासकर, इसलिए भी कि आज विश्व-युद्ध की स्थिति न हो तो भी 'विश्वास-युद्ध' का घना माहौल तो है ही. मनुष्य निर्मित बुनियादी संरचना के लाभ तक अंतिम आदमी की पहुंच को सुनिश्चित करना उत्तरदायी लोकतांत्रिक राज-व्यवस्था का मौलिक कर्तव्य होता है. वास्तविक स्थिति यह है कि नई विश्व-व्यवस्था में लोकतंत्र का यह कर्तव्य-पथ ही बदल गया! सामाजिक समरसता और संसाधनिक संतुलन के बीच के संबंध की अनदेखी नहीं की जा सकती है. कभी-कभी तो सामान्य नागरिकों को ऐसा एहसास होने लगता है कि 'राज' ही 'अराजक' हो गया है या बहुत तेजी से ऐसी स्थिति बनाने में लग गया है.1990 से दुनिया में जो बदलाव आने शुरू हुए, वे निश्चित ही पहले के सारे बदलावों से भिन्न प्रकार के रहे हैं. अद्भुत है कि विश्व-युद्धों के ताप से निकल आई राजनीतिक व्यवस्था की मानसिकता पर आज किसी भी तरह के, किसी खतरे के, डर का कोई भाव ही नहीं बचा है! इस बदलाव में पूंजी और मुनाफा पर ही जोर है, श्रम और मनुष्य सबसे उपेक्षित है. शोषण, अन्याय और उत्पीड़न का ऐसे खेल में लगने का राजनीतिक दुस्साहस 20वीं सदी के अंतिम दो दशक के पहले की राजनीति में नहीं था. 20वीं दशक के अंतिम और 21वीं सदी के आरंभिक दो दशक के बाद अब तो लग रहा कि लोकतंत्र का ढांचा शोषण, अन्याय और उत्पीड़न से होनेवाले विक्षोभ और आंदोलन को रोकने, मोड़ने और नियंत्रित करने के लिए ही खड़ा किया गया था.

> आज की विचित्र स्थिति यह है कि न्याय-वंचित लोगों को वंचना से बाहर निकालने का प्रयास पूरी तरह से निष्क्रिय नहीं हो गया हो, तो भी आपराधिक शिथिलता की चपेट में जरूर पड़ गया है.

सुभाषित

भेदे गणाः विनश्येयुः भिन्नास्तु सुजयाः परैः।
तस्मात् संघातयोगेन प्रयतेरन् गणाः सदा।।

गणराज्य में अगर एकता न हो तो वह नष्ट हो जाता है, क्योंकि एकता न होने पर शत्रु को उसे नष्ट करने मे आसानी होती है. इसलिए गणराज्य में आपसी मतभेदों के बावजूद नागरिकों के बीच हमेशा आंतरिक एकता बनी रहनी चाहिए.

विकसित भारत को चाहिए नई दिशा

विकासशील से विकसित राष्ट्र बनने के लिए हम आज तैयार हैं, इसमें संशय नहीं. लेकिन यह समझना भी जरूरी है की आगे की यात्रा थोड़ी और दुर्गम होगी. हमें अपने प्रयासों को बढ़ाना होगा, नीतियों को लक्ष्य के अनुरूप उठाना होगा एवं मानव संसाधन का समुचित इस्तेमाल करना होगा. पांच खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए यह निहायत जरूरी है कि हम अपने संसाधनों की उत्पादकता बढ़ाएं.

• देश-काल

प्रमोद पाठक

आज जब हम भारत का 78 वां स्वाधीनता दिवस मना रहे हैं, हमारे लिए जरूरी है यह मंथन करना कि हम आने वाले वर्षों में अपने देश को कहां पहुंचाना चाहते हैं. वैसे तो हमारा एजेंडा बिल्कुल स्पष्ट है कि हम भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना चाहते हैं. लेकिन उसके लिए जरूरी है यह जानना कि हमें क्या-क्या तैयारी करनी होगी, क्या-क्या बदलाव लाने होंगे और किस तरह के प्रयास करने की आवश्यकता होगी. इन बातों पर चर्चा करने से पहले हमें भारत के बारे में जो कुछ स्थापित तथ्य है उन पर मनन करने की आवश्यकता है. निश्चित तौर पर यह तथ्य हमें उत्साहित करने वाले हैं और हमको यह विश्वास दिलाते हैं कि आने वाले कुछ वर्षों में हम विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं. यदि आज के वैश्विक परिपेक्ष में बात करें तो दुनिया भर में तमाम राजनीतिक और आर्थिक उथल-पुथल के बावजूद हमारी स्थिति अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में अपेक्षाकृत संतोषजनक है. कहने को तो हम अपने को औरों से बेहतर भी मान सकते हैं, लेकिन उचित यही होगा कि हम बहुत ऊंचा आकलन न करें. आज जब हम दुनिया भर के लोकतांत्रिक देशों से अपनी तुलना करते हैं तो खुद को अच्छी स्थिति में पाते हैं. चाहे पास पड़ोस के बांग्लादेश या नेपाल की बात हो या फिर हम पर 200 वर्षों से ज्यादा शासन करने वाले ब्रिटेन की, हमारी लोकतांत्रिक परंपरा आज भी सुदृढ़ है. पिछले लोकसभा चुनाव के परिणाम इस मामले में ठीक ही रहे कि एक स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप सत्ता और विपक्ष के बीच एक संतुलन दिखाई दिया, जो लोकतंत्र के स्वस्थ और सफल भविष्य के लिए जरूरी होता है. इतिहास साक्षी है कि जब सत्ता और विपक्ष के बीच की खाई बड़ी होती है और सत्ता पर काबिज लोग प्रचंड बहुमत से चुनकर आते हैं तो लोकतंत्र तानाशाही की दिशा में बढ़ जाता है. लोकतंत्र की मजबूती के लिए विपक्ष की मजबूती भी जरूरी होती है. आज हमारी स्थिति विकास के अन्य मापदंडों पर भी बेहतर ही कही जाएगी. उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार भारत आज दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ने वाले अर्थव्यवस्थाओं में से एक है. सकल घरेलू उत्पाद के पैमाने पर आज हमारा देश एक अच्छी गति से आगे बढ़ रहा है, जो प्रगति के लिए आवश्यक है. राजनैतिक स्थिरता और स्थाई सरकार पर कोई संशय नहीं है और विकास के लिए यह एक आवश्यक शर्त होती है. राष्ट्रीय महत्व के दूरगामी फैसले लेने के लिए यह जरूरी होता है. विकासशील से विकसित राष्ट्र बनने के लिए हम आज तैयार हैं इसमें संशय नहीं. लेकिन यह समझना भी जरूरी है की आगे की यात्रा थोड़ी और दुर्गम होगी. हमें अपने प्रयासों को बढ़ाना होगा, नीतियों को लक्ष्य के अनुरूप उठाना होगा एवं मानव संसाधन का समुचित इस्तेमाल करना होगा. पांच खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए यह निहायत जरूरी है कि हम अपने संसाधनों की उत्पादकता बढ़ाएं. यहां यह भी समझ लेना आवश्यक है कि तमाम संसाधनों की उत्पादकता मानव संसाधन की उत्पादकता एवं गुणवत्ता पर निर्भर होती है. आज हमारे देश की सबसे बड़ी शक्ति हमारा युवा वर्ग है, जिसे हम देश की प्रगति के लिए पूरी तरह इस्तेमाल नहीं कर पा रहे. वित्तीय प्रबंधन के साथ-साथ मानव संसाधन प्रबंध भी जरूरी होता है. हमारी मानव संसाधन प्रबंधन नीतियां बड़ा बदलाव खोज रही हैं. विकसित राष्ट्र बनने के लिए देश के सारे प्रदेशों को अपनी क्षमता के अनुरूप आगे बढ़ना होगा. उदाहरण के तौर पर यदि हम केवल झारखंड और पास के प्रदेश बिहार की बात करें तो हम पाएंगे कि इन प्रदेशों की हालत विकास के पैमाने पर काफी कमजोर है. और ऐसा इसलिए नहीं है कि इन प्रदेशों में भौतिक संसाधनों की कमी है. वह तो प्रचुर मात्रा में हैं. कमी है तो विकास मूलक नीतियों की, विकासोन्मुख बुनियादी ढांचे की और विकास प्रेरक संस्कृति की. यह स्थिति और भी कई प्रदेशों की है. इसके लिए आवश्यक होगा केंद्र और प्रदेश की सरकारों का समन्वय एवं तालमेल. दलीय भावना से ऊपर उठकर.

सवाल देश की प्रगति का है, किसी दल या प्रदेश के वाह वाही लूटने का नहीं. आज जरूरत है रोजगार मूलक नीतियां बनाने की, रोजगार को बढ़ावा देने वाले उद्योगों को प्रोत्साहित करने की और श्रम आधारित उद्यम को अधिक से अधिक बढ़ाने की. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर अत्यधिक जोर देने से रोजगार नहीं बढ़ेंगे.यदि ईमानदारी से अवलोकन करें तो यह समझ में आएगा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बढ़ने से रोजगार का सृजन कम होगा. हम दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश हैं और हमारे लिए हाथों को काम देना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए, ताकि युवा वर्ग भटकाव के रास्ते पर ना चले. एक और बात. हमारी श्रम शक्ति की सबसे बड़ी कमजोरी अकुशल श्रमिक हैं. उन्हें रोजगार मुहैया कराना सबसे बड़ी चुनौती होगी. हम सकल घरेलू उत्पाद बढ़ा सकते हैं, पांच खरब डालर की अर्थव्यवस्था बन सकते हैं, प्रति व्यक्ति आय का आंकड़ा भी बढ़ा सकते हैं, लेकिन हर व्यक्ति को एक न्यूनतम आय चाहिए. उसके लिए सीधे हस्तक्षेप करना होगा. साथ ही विनिर्माण क्षेत्र में हमें चीन या वियतनाम से सीखना होगा. दक्षिण कोरिया, ताइवान या जापान ने भी यही मार्ग अपनाया था.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

श्रेयस्कर नहीं पूर्वाग्रह

सत्य खोजी को चाहिए, चाहे कैसे भी उसके दृढ और स्थापित पूर्वाग्रह हो. चाहे वे कितने भी यथार्थ प्रतीत होते हो. जिस समय उसका चिंतन सत्य की शोध में सलग्न हो, उस समय मात्र के लिए तो उसे अपने पूर्वाग्रह या कदाग्रह को तत्क्षण त्याग देना चाहिए. अन्यथा वे पूर्वाग्रह, सत्य को बाधित करते रहेंगे. सोचें कि मेरा चिंतन ,मेरी धारणाओं, मेरे आग्रहों से प्रभावित तो नहीं हो रहा? कभी कभी तो हमारी स्वयं की 'मौलिक विचारशीलता' पर ही अहं उत्पन्न हो जाता है. और अहं, यथार्थ जानने के बाद भी स्वयं में, विचार परिवर्तन के अवसर को अवरोधित करता है. सोचें कि कहीं मैं अपनी ही वैचारिकता के मोहजाल में, स्वच्छंद चिंतन में तो नहीं बह रहा? कभी कभी तो अजानते ही हमारे विश्लेषण मताग्रह के अधीन हो जाते है. प्रायः ऐसी स्थिति हमें, सत्य तथ्य से भटका देती है. प्रायः हमारी वैचारिकता पर किसी न किसी विचारधारा का प्रभाव होता है. तथ्यों की परीक्षा-समीक्षा करते हुए, अनायास ही हमारा पलड़ा सत्य विरूद्ध झुक सकता है. और अक्सर हम सत्य के साथ 'वैचारिक पक्षपात' कर बैठते है. इस तरह के पक्षपात के प्रति पूर्ण सावधानी जरूरी है. पूर्व स्थापित निष्कर्षों के प्रति निर्ममता का दृढ भाव चाहिए. सम्यक दृष्टि से निरपेक्ष ध्येय आवश्यक है. ₹यह निश्चित है कि कोई एक 'परम सत्य' अवश्य है. और सत्य 'एक' ही है. सत्य को जानना समझना और स्वीकार करना हमारे लिए नितांत ही आवश्यक है.₹ सत्य पर इस प्रकार की अटल श्रद्धा होना जरूरी है. सत्य के प्रति यही आस्था, सत्य जानने का दृढ मनोबल प्रदान करती है. उसी विश्वास के आधार पर हम अथक परिश्रम पूर्व सत्य मार्ग पर डटे रह सकते है. अन्यथा जरा सी प्रतिकूलता, सत्य संशोधन को विराम दे देती है. परीक्षा करें कि विचार, तर्कसंगत-सुसंगत है अथवा नहीं. वे न्यायोचित है या नहीं. भिन्न दृष्टिकोण होने कारण हम प्रथम दृष्टि में ही विपरित विश्लेषण पर पहुँच जाते है. जैसे सिक्के के दो पहलू होते है. दूसरे पहलू पर भी विचार जरूरी है. जल्द निर्णय का प्रलोभन त्याग कर, कम से कम एक बार तो विपरित दृष्टिकोण से चिंतन करना ही चाहिए. परिक्षक से सदैव तटस्थता की अपेक्षा की जाती है. सत्य सर्वेक्षण में तटस्थ दृष्टि तो आवश्यक ही है. जो वस्तु जैसी है, उसे यथारूप में ही मनन करें और उसे प्रस्तुत भी उसी यथार्थ रूप में करें. न उसका कम आंकलन करें न उसमें अतिश्योक्ति करें न अपवाद मार्ग का अनुसरण करें.

शिक्षा व्यवस्था स्वाधीन राष्ट्र की सच्ची पूंजी

• शिक्षा-व्यवस्था

राजीव थेपड़ा

स्वाधीनता के पश्चात ऐसे बहुत सारे विषय हैं, जिन पर सोचा और बोला तो बहुत कुछ गया है, लेकिन जिनके सुधार के लिए अब तक कुछ भी नहीं किया गया है. किंतु जो देश के जन-जन के हित में है और यह हित न केवल संसाधनों की बचत के रूप में है, बल्कि देश के करोड़ों लोगों के करोड़ों घंटों के बचाव बचत के रूप में भी हैं. इस विषय पर जब भी हम एक विकसित और गर्वित भारत की बात करते हैं, तो उसमें स्वतः ही यह विषय शामिल हो जाता है. क्योंकि जब तक देश के होनहारों को सम्यक शिक्षा नहीं प्राप्त होगी, तब तक देश के बारे में चाहे जो भी कुछ क्यों ने कहा जाए या सोचा जाए, वह अपने आप में तनिक भी सार्थक नहीं होगा. तो सचमुच यदि हम देश को एक विकसित राष्ट्र बनाते हुए इसे सही अर्थों में विश्व का सिरमौर राष्ट्र बनाना चाहते हैं, तो हमें अपने देश की शिक्षा व्यवस्था पर विचार करना ही होगा और इसमें आमूल चूल परिवर्तन करते हुए देश के समस्त होनहारों को एक नई दिशा देनी होगी. सरकारी शिक्षा जिसके लगभग पतन-प्रायः हो जाने के कारण न केवल करोड़ों बच्चे अच्छी एवं स्तरीय शिक्षा से वंचित रह जाते हैं, अपितु इन तमाम करोड़ों बच्चों के अभिभावकों का अमूल्य समय व धन भी नष्ट होता है. अपने बच्चों के उचित भविष्य निर्धारण के लिए चिंतित और परेशान अभिभावकों को सरकारी शिक्षा की अधोगति की वजह से निजी विद्यालयों में प्रविष्ट करवाना पड़ता है, जिसका परिणाम उन अभिभावकों के खून-पसीने की कमाई का एक अच्छा हिस्सा पढ़ाई के खर्च में चला जाता है. यहां पर एक प्रश्न और भी उठता है कि जब निजी स्कूलों में वही शिक्षक सरकारी स्कूलों के अनुपात में अत्यंत कम मिल रहे वेतन में भी बच्चों की उच्च स्तरीय शिक्षा का प्रबंध देखते हैं, तो फिर वही शिक्षक सरकारी स्कूलों में इतने अराजक क्यों हो जाते हैं? जबकि उन्हें वहां किसी भी अनुपात में बहुत ही अच्छा वेतन मिलता है! देश में लाखों-लाख शिक्षक हैं, जो सरकारी विद्यालयों में पढ़ा रहे हैं, क्या उनके दिल में यह बोध कभी नहीं पनपता कि उन्हें मिल रहे इतने उच्च वेतन के बदले उन्हें बच्चों को एक स्तरीय शिक्षा देनी चाहिए, जो उनका कर्तव्य व दायित्व है और उसी एकमात्र उद्देश्य के लिए उनका चयन उन विद्यालयों में हुआ है. देश के हजारों विद्यालयों सरकारी विद्यालयों में कतिपय शिक्षक ऐसे भी हैं, जो खुद को मिल रहे वेतन का भी बड़ा हिस्सा खर्च करके बच्चों को जी जान लगाकर शिक्षा एवं संस्कार देते हैं. लेकिन सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों का एक बड़ा अनुपात अपने दायित्व बोध से सदा विमुख रहा है, इसके चलते अभिभावकों को अपने बच्चों को ब्रांडेड स्कूलों तक में दाखिला दिलवाना पड़ता है और यहां से शुरू होता है उनके लिए परेशानियों का एक नया दौर. भारी-भरकम स्कूल फीस के अलावा घर से स्कूल तक जाने के प्रबंध के रूप में बसों स्कूल द्वारा की गई बसों की व्यवस्था का खर्च भी उतना ही भारी-भरकम होता है, जो एक आम अभिभावक की क्षमता के बाहर होता है. किंतु उसके बावजूद अपने बच्चों को उचित मुकाम तक पहुंचाने के लिए चिंतित अभिभावकों द्वारा कर्ज लेकर भी उस खर्च को वहन किया जाता है. लेकिन बात सिर्फ इतनी सी नहीं है, ब्रांडेड स्कूलों में बच्चों की भर्ती में स्कूलों द्वारा डोनेशन भी लिए जाते हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि 5 किलोमीटर 10-15 से लेकर 20 किलोमीटर तक दूर अवस्थित इन स्कूलों तक बच्चों के पहुंचने का खर्च और आने-जाने में लगने वाला समय और उस पर पड़ने वाली आर्थिक लागत को यदि जोड़ा जाए तो एक ऐसा हैरान कर देने वाला आंकड़ा सामने आता है, जिसकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते! देश के करोड़ों बच्चे जो दूरदराज के क्षेत्रों में अवस्थित स्कूल जाते हैं, उनको रोज स्कूल जाने आने में ही 2 से 3 घंटे तक भी लग जाते हैं और महीने का खर्च दो से तीन हज़ार के लगभग आता है और यदि अभिभावक उन्हें छोड़ने जाते हैं, तो ये 2 से 3 घंटे उन करोड़ों अभिभावकों के भी बेवजह नष्ट होते हैं. साथ ही उनका भी पेट्रोल का खर्च लगता है. ऐसे में यदि सरकारी स्कूलों में यदि एक जैसी और उच्च स्तरीय पढ़ाई का प्रबंध हो, तो बच्चे अपने घर के निकटतम स्कूलों में पढ़ पाने में सक्षम होंगे और प्रत्येक बच्चा अपने घर के निकटतम स्कूल जाने के लिए पैदल ही अपने स्कूल जा पाने में सक्षम होगा.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> सरकारी शिक्षा जिसके लगभग पतन-प्रायः हो जाने के कारण न केवल करोड़ों बच्चे अच्छी एवं स्तरीय शिक्षा से वंचित रह जाते हैं, अपितु इन तमाम करोड़ों बच्चों के अभिभावकों का अमूल्य समय व धन भी नष्ट होता है. अपने बच्चों के उचित भविष्य निर्धारण के लिए चिंतित और परेशान अभिभावकों को सरकारी शिक्षा की अधोगति की वजह से निजी विद्यालयों में प्रविष्ट करवाना पड़ता है.

मोदी सरकार और हिडनबर्ग का खुलासा

• सियासत

शकील अख्तर

प्रधानमंत्री मोदी कई संकटों में घिरे, मगर बचे रहे. उनके पास मीडिया है जो उनके खिलाफ जाने वाली हर बात को दबा देता है. उनके पक्ष में रोज नई हिंडनबर्ग के नए खुलासे के बाद ऐसा ही लग रहा है कि मोदी जी का कवच बना मीडिया थोड़ा सहमा हुआ है. टीवी चैनलों पर खबर चल रही है. डेढ़ साल पहले जब हिंडनबर्ग का पहला खुलासा आया था तो मोदी जी लोकसभा में 303 सांसदों वाली पार्टी के नेता थे. राहुल ने लोकसभा में सवाल उठाया तो उन्हें लोकसभा से ही निकाल दिया गया था. मगर उसी सत्रहवीं लोकसभा में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें वापस भेजा. कहानियां पेश करता है. जनता को हिन्दू-मुसलमान में उलझाए रखता है. अगर यह सेफ गार्ड एक दिन को भी हट जाए तो मोदी जी के लिए अपना विकेट बचाना मुश्किल होगा. अभी हिंडनबर्ग के नए खुलासे के बाद ऐसा ही लग रहा है कि मोदी जी का कवच बना मीडिया थोड़ा सहमा हुआ है. टीवी चैनलों पर खबर चल रही है. डेढ़ साल पहले जब हिंडनबर्ग का पहला खुलासा आया था तो मोदी जी लोकसभा में 303 सांसदों वाली पार्टी के नेता थे. राहुल ने लोकसभा में सवाल उठाया तो उन्हें लोकसभा से ही निकाल दिया गया था. मगर उसी सत्रहवीं लोकसभा में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें वापस भेजा. और अब 18 वीं लोकसभा में जनता ने उन्हें न केवल दो जगह से जीता कर वापस भेजा, बल्कि मोदी जी की 303 सीटों को 240 भी कर दिया. 240 मतलब अल्पमत! 543 की लोकसभा में साधारण बहुमत के लिए भी 272 सीटें चाहिए. मोदी जी तीसरी बार जरूर प्रधानमंत्री बन गए. नेहरू से बराबरी का खूब प्रचार भी करवा लिया, मगर पिछली दोनों बार की सीटों से बहुत कम ला पाए. 2014 में पहली बार प्रधानमंत्री बनते समय भी 282 सीटें जीते थे. तो इस बार अल्पमत में आते ही डर भी खत्म हो गया. पिछले दस साल खुद भाजपा आरएसएस भी डर में ही रहे. बाकी संवैधानिक इंस्टिट्यूशन और ज्यादा डरे हुए. और मीडिया सबसे ज्यादा डरा हुआ. एक ही आदमी नहीं डरा. पूरा इंस्टिट्यूशन बन गया वह निकल पड़ा सड़कों पर. उस समय 303 सीटों का गुमान था. और 400 पार के ख्वाब थे. तो राहुल के खिलाफ हर कार्रवाई की गई. एसपीजी की सुरक्षा हटाई. 55-56 घंटे ईडी ने पूछताछ की. मगर कुछ नहीं निकला. लोकसभा की सदस्यता छीनी. घर छीना. बीस से ज्यादा मुकदमे चला रखे हैं. जिन्हें एक जगह नहीं कर रहे. सड़क पर गिराया तक गया. जब हाथरस जा रहे थे दलित परिवार से मिलने जिनकी लड़की सामूहिक बलात्कार में मारी गई थी तो पुलिस ने धक्के मारकर गिराया. क्या नहीं किया? किसी एक नेता के खिलाफ आजादी के बाद इतनी कार्रवाइयां करने का और कोई उदाहरण तो बताइए! मगर उसका जवाब इस नेता ने दो तरह से दिया. एक-दो बार पूरा हिन्दुस्तान नाप दिया. दूसरे पूरे हिन्दुस्तान के विपक्षी दलों को एक कर दिया. परिणाम सामने है. मोदी जी अल्पमत में और राहुल पूरे दम के साथ नेता प्रतिपक्ष. बाकी सब इसके फाल आउट हैं. कमजोर का साथ कोई नहीं देता. मोदी जी को अच्छी तरह समझ में आ रहा होगा. जिस मीडिया पर इतना भरोसा था वह भी हिंडनबर्ग की रिपोर्ट पर सवाल कर रहा है. करे भी क्यों नहीं? शेयर बाजार और बैंक इन दोनों चीजों पर झूठ चल नहीं सकता. सारा कारोबार ही इन पर टिका है. मध्यमवर्ग का सारा पैसा इन्हीं दोनों जगह है. बाकी सब जगह झूठ बोलने से आर्थिक नुकसान नहीं होता. मगर यहां अगर शेयर बाजार और बैंकों में कोई बड़ा कांड हुआ तो मध्यम वर्ग तो मिटेगा ही, यह मीडिया भी बच नहीं सकेगा. अभी एक उद्योगपति के चैनल से सैकड़ों लोग नौकरी से निकाले गए. इस उद्योगपति ने चालीस साल पहले भी एक बड़ा अंग्रेजी अख़बार निकाला था. बड़ी-बड़ी तनखाओं पर पत्रकारों को लाया था. मगर जब लगा कि अपना अख़बार चलाने से सस्ता दूसरे अखबारों के जरिए काम करना है तो फिर अचानक सब पत्रकारों और दूसरे स्टाफ को मंझधार में छोड़कर अख़बार बंद कर दिया. अब आधे से ज्यादा मीडिया खरीद लिया है. लेकिन उसके लिए सम्मान या प्रोफेशनल माहौल देने का सवाल ही नहीं. जैसे लाला के यहां लोग काम करते हैं वैसी स्थिति कर दी. उधर मोदी जी तो सम्मान करते नहीं है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> टीवी चैनलों पर खबर चल रही है. डेढ़ साल पहले जब हिंडनबर्ग का पहला खुलासा आया था तो मोदी जी लोकसभा में 303 सांसदों वाली पार्टी के नेता थे. राहुल ने लोकसभा में सवाल उठाया तो उन्हें लोकसभा से ही निकाल दिया गया था. मगर उसी सत्रहवीं लोकसभा में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें वापस भेजा.

मीडिया में अन्यत्र

पेरिस ओलिम्पिक का खट्टा-मीठा समापन

फ्रांस की राजधानी पेरिस में 26 जुलाई को प्रारम्भ हुए 33वें ओलिम्पिक खेलों का समापन रविवार को हुआ. 126 पदकों के साथ अमेरिका (40 स्वर्ण) प्रथम, चीन दूसरे तथा जापान तीसरे क्रमांक पर रहा. 140 करोड़ की जनसंख्या वाले भारत ने पिछले टोक्यो ओलिम्पिक में कुल 6 मेडल पाये थे, लेकिन उसमें एक गोल्ड था. इस बार भी उसे कुल जमा 6 ही मिले- एक रजत और 5 कांस्य. उसका क्रमांक 71 रहा. छोटे-बड़े 62 देश ऐसे हैं जिन्हें कम से कम एक स्वर्ण पदक अवश्य मिला है. मनु भाकर एकमेव ऐसी खिलाड़ी रहीं जिन्होंने दो पदक पाये. एकमात्र रजत नीरज चोपड़ा को मिला जिन्होंने पिछली प्रतियोगिता में स्वर्ण जीता था. नीरज इस बार अपने परम्परागत प्रतिस्पर्धी अरशद नदीम (पाकिस्तान) से आगे भाला फेंक नहीं पाये. भारत के प्रदर्शन ने फिर साबित कर दिया कि खेल शक्ति बनने के लिये देश का आकार या जनसंख्या जिम्मेदार नहीं बल्कि सरकारों का रवैया, समाज का नज़रिया, खिलाड़ियों को मिलने वाला समर्थन व सम्मान, संसाधनों व सुविधाओं की उपलब्धता जैसे तथ्य मुख्य कारक होते हैं. पदक तालिका में शीर्ष पर खड़े अमेरिका की जनसंख्या भारत के मध्य वर्ग के बराबर भी नहीं है, तो वहीं दूसरे क्रमांक पर भारत से आकार में काफी छोटा जापान है. चीन तीसरे स्थान पर है जो भारत की ही तरह बड़ी आबादी तथा विशाल भूभाग वाला देश है. जज़्बा- बस यही मायने रखता है. फिर चाहे वह देश का हो या खिलाड़ियों का. भारत में खिलाड़ियों के पास जज़्बा और काबिलियत तो है, लेकिन सरकारें निराश करती है. खेलों को गम्भीरता से लेने वाले राज्यों की संख्या गिनाने के लिये एक हाथ की उंगलियां भी काफी हैं. शेष औपचारिकता निभाते हैं और इस क्षेत्र को भी अपनी सियासत का अखाड़ा मानते हैं. सत्ता से जुड़े लोग खेल संगठनों पर काबिज हैं. जिस संगठन की सरकार से जितनी निकटता होगी वह सरकार से उतना ही अनुदान खींच लाता है शासन से सहूलियतें जुटाई जाती हैं, अध्ययन के नाम पर विदेशी दौरे होते हैं, प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों के अनुपात में बड़ा सा अधिकारियों का दल होता है. टूर्नामेंट के प्रदर्शनों का विश्लेषण नहीं होता, न ही खर्चों की समीक्षा होती है. ओलिम्पिक हों या कोई और स्पर्धा, लौटने पर खराब प्रदर्शन के लिये थोड़ी-बहुत शिकायतें होती हैं या आलोचना होती है, वह भी खिलाड़ियों की. सरकारें, खेल संगठन एवं अधिकारीगण बच निकलते हैं. ऐसे राज्य जो ढंग के दो खिलाड़ी भी पैदा नहीं करते, वे खेल मंत्रालय से करोड़ों रूपये उठा लाते हैं. जिन कथित पिछड़े राज्यों में खिलाड़ियों को विकसित करने की असीम सम्भावना होती है वहां के खिलाड़ी और संगठन पाई-पाई को तरसते हैं.

(देशबंधु)

शब्द चर्चा — डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

स्वतंत्रता/स्वच्छंदता

आज हम पूरे उत्साह और उमंग से देश का स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं. यह हम सभी देशवासियों के लिए सौभाग्य और गर्व की बात है, लेकिन इसका दूसरा यह पक्ष यह भी है कि सात दशकों के बाद भी देश की एक बड़ी आबादी आज भी कई प्रकार की पराधीनता झेल रही है, वहीं कुछ लोग कुछ भी करने के लिए स्वच्छंद हो गये. यानी किसी को स्वतंत्रता भी नहीं मिली और किसी को स्वच्छंदता मिल गयी. स्वतंत्रता और स्वच्छंदता दोनों संस्कृत तत्सम संज्ञा स्त्रीलिंग हैं, लेकिन दोनों के बीच पर्याप्त अंतर है. शब्दकोशों के अनुसार स्वतंत्रता का अर्थ है स्वाधीनता, आजादी, मुक्ति, छूट, ढील, बिना किसी बंधन अथवा नियंत्रण के अपनी इच्छानुसार कार्य करने का अधिकार, वहीं स्वच्छंदता का मतलब है अपनी इच्छानुसार आचरण करना, मनमानी, निरंकुशता, अनियंत्रणीय. स्वतंत्रता का भाव सकारात्मक तो स्वच्छंदता का भाव नकारात्मक है. स्वतंत्रता का आशय है बुद्धि-विवेक और राष्ट्रीय-सामाजिक नियमों के प्रति प्रतिबद्धता के साथ अपने ऊपर स्वयं ही शासन. स्वतंत्रता समाज और धर्म के नियमों के अंतर्गत होती है, जबकि स्वच्छंदता समाज और धर्म शास्त्र के नियम के विपरीत चारित्रिक विनाश के लिए होती है. जो नियम कायदों से मुक्त कर दे और किसी भी प्रकार से बंधन में नहीं बांधे, वह स्वच्छंदता है. स्वतंत्रता का अर्थ है हम किसी के अधीन नहीं होंगे, लेकिन किसी कायदे, नियम या कानून को मानेंगे, पालन करेंगे और अपनी स्वतंत्रता को उन नियमों के अंतर्गत ही रखेंगे. स्वतंत्रता और स्वच्छंदता में वही अंतर है, जो संगीत और शोर में होता है. स्वतंत्रता में अनुशासन को मानना जरूरी है और इसके बिना कोई काम किया जाता है तो वह स्वछंदता है. स्वतंत्रता दिवस पर हम सभी देशवासियों को संकल्प लेना चाहिए कि हमें स्वतंत्रता चाहिए, स्वच्छंदता नहीं. स्वतंत्रता नागरिकों को जिम्मेदार बनाती है और स्वच्छंदता अनेक प्रकार के अपराधों की जननी है. हम देश के संविधान, प्रावधान, कानून, सामाजिक-सांस्कृतिक नियमों का सम्मान करते हुए देश को प्रगति के पथ पर अग्रसर करें. जय हिंद!

दमदार लोगों का दमदार देश

• तीर-तुक्का

कुबेर

दमदार लोगों के इस देश को डरपोक और घोंचू लोगों का देश बतानेवाले बांगडुओं के लिए सौ-सौ लानतें. यहां पुलिस से ज्यादा दम अपराधियों में होता है. कहते हैं - दम है तो पकड़ के बता. सरकारी रकम डकारनेवालों के दम का कहीं कोई तोड़ नहीं. कहते हैं - जिसमें दम है, पकड़ ले. बच्चे और जवान सरकारी संपत्तियों को तोड़-फोड़कर आपना दम दिखाते हैं. गरीब और मजदूर पच्चीस-पचास की रोजी कमाकर भी दमदारी से अपनी गृहस्थी खींच ले जाते हैं. मुझे मिलनेवाले लोग तो अक्सर दमदार होते हैं. मित्र भी, सहकर्मी भी, परिचित भी और अपरिचित भी. इनमें से कुछ तो सार्वत्रिक-दमदार होते हैं. ये चाहे उपस्थित रहें, न रहें; इनके दम का प्रभाव सदा और सर्वत्र मौजूद रहता है. उस दिन चौराहे पर ट्रैफिक पुलिस ने तीन की सवारी वाले एक मोटर सायकिल को पकड़ लिया. तीनों नवयुवक थे. अभी-अभी बालिग हुए थे. नवयुवक थे तो मर्जी के मालिक भी थे, चाहे जितने लोंगों की सवारी कर लें. नवयुवक थे तो भीड़ के अंदर भी अच्छी-खासी स्पीड में चल सकते थे. नवयुवक थे तो ड्राइविंग लायसेंस क्या खाक होगी उनके पास. पर थे दमदार. समझदार भी थे, जुर्माना देना स्वीकार था, पुलिसवाले से उलझना नहीं. पुलसवाले को रसीद बुक निकालते देखकर उन्होंने भी अपना बटुवा निकाल लिया. पुलिसवाला अनुभवी था, पर उन नवयुवकों को समझदार समझने के फेर में उसका अनुभव गच्चा खा गया. बिना परिचय पूछे उसने जुर्माने की रसीद बना डाली. आदत थी, अन्य विवरण दर्ज करने के बाद नाम-पता पूछने की, सो वैसा ही किया. युवक ने अपना नाम बताया- 'के कुमार.' नाम सुनते ही पुलिसवाले के चेहरे पर हवाइयां उड़ने लगीं. पूछा - 'कुमार साहब के लड़के हो?' उसने कहा- 'जी.' यह सुनते ही पुलिसवाले के माथे पर गंगा-जमुना बहने लगी. पसीना पोंछते हुए उसने बड़े प्यार से कहा - 'बेटा! आपने यह पहले क्यों नहीं बताया?' जितने प्यार से उसने यह सवाल पूछा था उतने प्यार से उसने कभी अपने बेटे से भी बात नहीं की होगी. उतने ही प्यार से क कुमार ने छक्का जड़ा - 'आपने पूछा ही कहां अंकल?' वह रसीद बुक से पंखा करके अपने चेहरे के पसीने को सुखाने की कोशिश करता था. पसीना था कि सूखने का नाम ही नहीं लेता था. काफी देर तक यही कोशिश होती रही. बीच-बीच में उनके श्रीहीन मुख से दारुण दुख से भीगा हुआ पश्चातापवाला यह वाक्य निकल पड़ा - 'बताना था न बेटा.' युवक ने नोट को आगे बढ़ते हुए कहा- 'प्लीज, जल्दी कीजिए न अंकल. हॉस्पिटल जाना है, फ्रेण्ड से मिलने. गेट बंद हो जायेगा.' पता नहीं, आगे क्या हुआ. इस ट्रेजिडी-कॉमेडी को देखकर मुझे एंगर हो रहा था. वहां से हटना ही उचित लगा.

स्वतंत्रता दिवस विशेष

विजयी विश्व तिरंगा प्यारा झंडा ऊंचा रहे हमारा

वतन के जां–निसार हैं वतन के काम आएंगे/ हम इस ज़मीं को एक रोज़ आसमां बनाएंगे...जी हां, फिजा में जश्न का माहौल है. देशभक्ति की भावनाएं उफान पर हैं. इस मौके पर हमारे साथ लोगों ने साझा किए क्या हैं उनके लिए देशभक्ति के मायने. साथ ही यह भी कि कब विदेश की जमीं पर अपनी संस्कृति, अपने देश के प्रति मन गर्व से भर उठा और तब मां भारती के लिए सम्मान प्यार की भावना उमड़ पड़ी...

देशभक्ति...यह शब्द जितना भावनाओं में पगा है, उतना ही व्यापक अर्थ वाला भी. केवल 15 अगस्त या 26 जनवरी को उत्सव मनाना ही देशभक्ति नहीं, यह बड़ी जिम्मेदारी भी है. आइए युवाओं से जानें कि उनके लिए क्या है देशभक्ति के मायने...

आज के दौर में देश भक्ति के मायने

इशिका सिंह
शिक्षिका

मेरे लिए देशभक्ति का अर्थ है अपने देश की विविधता, समावेशिता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता से प्यार करना और उसे अपनाना. दुनिया को जानते-समझते हुए अपनी विरासत, परंपराओं और पर्यावरण को संरक्षित करना मेरी नजर में देशभक्ति है. मेरी देशभक्ति मुझे राजनीति से ऊपर उठा कर दूसरों से जोड़ती है. सामूहिक कल्याण और राष्ट्रीय एकता पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित करती है. यह मेरी देशभक्ति का असर है कि मैं खामियों को स्वीकार करती हूं, गलतियों से सीखती हूं और खुद को बेहतर करती हूं.

आकृति कुमारी सिंह, शिक्षिका

मेरी राय में देशभक्ति का मतलब स्कूल-कॉलेज और सोसाइटी में 15 अगस्त और 26 जनवरी मनाना मात्र नहीं है. देशभक्ति का मतलब है कि आपने देश की विविधता को किस तरह और कितना स्वीकार करते हैं. विविध संस्कृति और धर्मों का कितना सम्मान करते हैं. एक समाज में रहते हुए दूसरों के साथ अच्छा व्यवहार करना और एक अच्छे समाज के निर्माण में मदद करना ही देशभक्ति है.

रेखा सिंह
वाइस प्रिंसिपल

देशभक्ति का अर्थ है अपने देश से प्रेम करना, उसकी सेवा करना, और उसके लिए बलिदान देने के लिए तैयार रहना. यह अपने देश की स्वतंत्रता, संप्रभुता और एकता की रक्षा करने के लिए काम करना है. यह व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठ कर अपने देश के लोगों के कल्याण और सुख के लिए प्रयास करना है. देशभक्ति का अर्थ है अपने देश की संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों को संरक्षित करना और बढ़ावा देना. यह अपने देश के प्रति जिम्मेदारी और कर्तव्य की भावना रखना है.

आयुष कु. गोप
बीए, इंग्लिश ऑनर्स

देशभक्ति अपनी मातृभूमि व्यक्ति का प्रेम और समर्पण है. देशभक्ति देश के प्रति प्रेम का एक उत्सव है. अपनी मातृभूमि से प्यार करना, अपनी संस्कृति पर गर्व करना और अपने कर्तव्यों के प्रति प्रतिबद्धता ही देशभक्ति है. यह समाज के बढ़ने और बदलने के साथ विकसित होती है. अपने दैनिक जीवन में देशभक्ति के सिद्धांतों को अपनाकर, हम अपने राष्ट्र की सामूहिक भलाई में योगदान करते हैं, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए एक उज्जवल भविष्य सुनिश्चित होता है.

आभाष नाथ
आयकर विभाग

छोटी उम्र से ही मैं भारतीय सशस्त्र बल में शामिल हो कर मां भारती की सेवा करने, उनके लिए बलिदान करने की ख्वाहिश रखता था. जब मैं इसमें शामिल हुआ तब देश की सीमा को बाहरी खतरों से बचाने में सक्रिय योगदान देते हुए इस ख्वाहिश को संतुष्टि मिली. इंडियन नेवी में अपनी सेवा पूरी करने के बाद जब मैं सिविल लाइफ में लौटा, ऐसा महसूस हुआ की शत्रु केवल बॉर्डर पर और बाहरी ही नहीं है, बल्कि वे देश के भीतर भी पैठ किए हुए हैं जिनका हमें सामना करना है. इस बोध के साथ देशभक्ति की मेरी समझ कहीं अधिक परिपक्व हुई.
अपने परिवेश की स्वच्छता सुनिश्चित करना, जरूरतमंद लोगों की मदद करना, भ्रष्टाचार के खिलाफ बोलने का साहस रखना, महामारी के दौरान प्रधान मंत्री राहत कोष में योगदान देना, बुजुर्गों का सम्मान करना और अंततः, देश की प्रगति और गर्व के लिए खुद निरंतर प्रयास और समर्पण करना ही देशभक्ति है.

जब मैन्चेस्टर में लहरायी हमारी साड़ी

रीता गुप्ता

इस वर्ष मई के महीने में मैन्चेस्टर, यूके में इंटरनेशनल इनर व्हील कंवेंशन था. अपने देश से भी बड़ी संख्या में सदस्यों ने वहां अपनी उपस्थिति दर्ज कराई. अपने प्रदेश से मैं भी गई थी, ये मेरी पहली यूरोप की यात्रा थी.
एक खास दिन अपने अपने देश के पारंपरिक पोशाक में आने का दिन था. हम भारतीय महिलाओं का थीम ड्रेस पिंक/पीच रंग की साड़ी थी. साथ ही हमारी एसोसिएशन प्रेसीडेंट यानि हमारी इंडिया चीफ प्रीति गुगलानी जी ने हमें बेहद सुंदर रेशमी फुलकारी की हुई स्टोल भी भेंट किया था जिसे हमें वहां हर दिन पहनना था. उस दिन गुलाबी साड़ी पर ख़ूबसूरत स्टोल पहनी हर भारतीय डेलिगेट कंवेंशन हॉल में न सिर्फ़ गजब ही व्यक्तित्व से दमक रही थी बल्कि सभी का ध्यान भी आकर्षित कर रही थी. चूंकि वहां चलना बहुत पड़ता था, ज़्यादातर पैरों में सैंडिल की जगह जूते ही पहने हुए थीं. हम संख्या में भी अधिक भी थे सो सच कहा जाए तो "हम बस वहां छा गए".
मेरा अनुभव बहुत बढ़िया रहा, महिलाएं (जिनसे मैं मिली) वे सब भारत के प्रति अपनी सकारात्मक दृष्टिकोण और उत्सुकता तो प्रदर्शित कर ही रही थी साथ ही साथ हमारी साड़ी को ले कर भी अनेक जिज्ञासाएं थीं उन्हें मसलन,
"ठंड में क्या आप वुलन साड़ी पहनती हैं?"
"इतने बड़े कपड़े को आप लपेट कर चलती कैसे हैं?
"आप इसे फोल्ड एंड होल्ड कैसे करती हैं?"
"आपके पति साड़ी में आपके अंग प्रदर्शन पर बुरा नहीं मानते हैं?"
चकरा गए इन सवालों पर? एक पल को मैं भी ठिठक कर सोचने लगी कि हमारे देश में इस से बढ़ कर शालीन कोई ड्रेस ही नहीं, फिर ध्यान आया खुशवंत सिंह की एक कथन की,
"साड़ी ऐसा परिधान है जिसमें औरत चाहे तो सब छिपा ले या उघाड़ ले."
सबसे मज़ेदार अनुभव तब हुआ जब हम चौदह – पंद्रह मेम्बर होटल जाने के लिए मेट्रो पकड़ने हेतु सड़क पर तेजी से चलते जा रहे थे और रास्ते में लोग हमारा वीडियो बना रहे थे और विस्फारित हो कर ब्यूटीफुल, गॉर्जियस जैसे संबोधन भी बोल रहे थे. तो मैन्चेस्टर में हमारी प्यारी परिधान साड़ी ने झंडा तो गाड़ ही दिया.

इजिप्ट में गूंजी राष्ट्रभाषा हिंदी ने किया गौरवांन्वित

वीना श्रीवास्तव

यूं तो विदेश कई बार जाना हुआ लेकिन कोई भी कार्य जब पहली बार होता है उसका अपना आनंद होता है. उस आनंद को मापा नहीं जा सकता. उसके बाद होने वाले कार्य से मिलने वाली खुशी ज्यादा या कम हो सकती हैं लेकिन वह सुख जो पहली बार होता है, वो अलग ही होता है. मैंने जर्मनी, आस्ट्रिया, हंगरी, चैक रिपब्लिक, इंडोनेशिया, बाली, रूस और कई जगह की यात्रा की लेकिन पहली बार जिस विदेशी धरती पर कदम रखा वह प्राचीनतम सभ्यताओं में से है. हमने बचपन में पढ़ा था मिस्र की सभ्यता, इजिप्ट के पिरामिड व ममीज के बारे में. मन में कौतुहल था.
मैं 2016 में ग्यारहवें अंतरराष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन में इजिप्ट गई थी जिसके अध्यक्ष सुप्रसिद्ध आलोचक स्व. श्री खगेंद्र ठाकुर थे. हालांकि पहली यात्रा में वो नहीं गए थे. इंडोनेशिया यात्रा के समय दस दिन खगेंद्र दादा साथ थे और उनसे बहुत कुछ सीखा, गुना और बुना भी. वहां आयोजित कार्यक्रम में हिन्दुस्तानी साहित्यकारों के अलावा वहां के भी साहित्यकार थे. कई ज्ञानवर्धक सत्र हुए जिसमें मैंने भी पेपर पढ़ा. सबसे रोमांचक पल वह था जब विदेशी धरती पर मुझे मेरी लम्बी कविताओं के संकलन 'लड़कियां' पर मुझे पहला सम्मान 'प्रमोद वर्मा युवा सम्मान' मिला. तालियां बजीं. जिसको याद कर आज भी रोमांचित होती हूं. उस संकलन की कई कविताएं खासी चर्चित रही थीं और उसकी खास बात यह थी कि उसका आवरण चित्र प्रख्यात चित्रकार और कवि स्व. इमरोज़ जी ने बनाया था और प्रख्यात गीतकार पद्मविभूषण स्व. डॉ. गोपाल दास नीरज जी ने कविताओं पर टिप्पणी की थी. विदेश की जमीं पर अपनी भाषा-संस्कृति पर गर्व के वे पल अनमोल हैं.

जब हमारी भक्ति धारा में सराबोर हुए विदेशी

कल्याणी झा कनक

अमेरिका के इंडियाना शहर में जन्माष्टमी में हम अपनी पोती को राधा बनाकर मंदिर ले गए थे. मंदिर में हम चार साल बाद जा रहे थे. बच्चों के फ्रेंड्स (भारतीय) को देखकर सुखद एहसास हो रहा था. इसलिए क्योंकि बच्चे अमेरिका में जन्म व परवरिश के बाद भी भारतीय संस्कृति के निकट थे और अपने भारतीय त्यौहार मना रहे थे. छोटे-छोटे बच्चे राधा-कृष्ण बने इधर- उधर घूम रहे थे. ऊपर बड़े से हाल में लड्डू गोपाल का झूला लगा था. सर पर मुकुट और मोर पंख, बदन पर पीताम्बरी और नीला पटका, इसके साथ झूले पर फूलों की सजावट देखकर मन भाव विभोर हो रहा था. नीचे दरी पर श्रद्धालु हारमोनियम और तबला पर कृष्ण भजन स्वर लहरी में आकंठ डूबे हुए थे. एक विदेशी जोड़ा बहुत देर से आंखें मूंदकर झाल बजाते हुए, कृष्ण की मूर्ति के सामने बैठा था. भक्ति की पराकाष्ठा में उनकी आंखों से अश्रु अविरल बह रहे थे. अचानक उस जोड़े ने भजन गाना शुरू कर सबका मन मोह लिया. तब अपनी संस्कृति पर वाकई बहुत गर्व हुआ जिससे विदेशी भी प्रभावित हैं. अंत में मुझे भी भजन गाने का अवसर मिला. अपना स्वरचित भजन "मनमोहना मुरलीधर बंसी बजैया सांवरा" मैंने गाया. उपस्थित भक्तगणों को जब मैंने अवगत कराया कि मेरा स्वरचित भजन है, तो मुझे बहुत सराहना मिली. विदेश की धरती पर जब भी गई, भारत और भारतीयता पर गर्व के मौके मिलते रहे.

हिंदुस्तानी होने का गर्वबोध

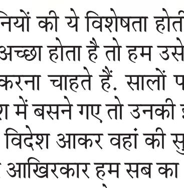

नूपुर अशोक

हम हिंदुस्तानियों की ये विशेषता होती है कि जब हमारे साथ कुछ अच्छा होता है तो हम उसे अपने पूरे परिवार के साथ साझा करना चाहते हैं. सालों पहले जब मेरे जेठ पहली बार विदेश में बसने गए तो उनकी इच्छा थी कि बाकी सारा परिवार भी विदेश आकर वहां की सुख-सुविधा देखे. उनके आग्रह पर आखिरकार हम सब का भी विदेश जाने का प्रोग्राम बना. मेरे सास-ससुर के साथ हम लोग वहां पहुंचे. वाकई सब कुछ हमारे लिए काफी अनोखा था. उस समय भारत में शॉपिंग मॉल का चलन भी शुरू नहीं हुआ था तो वह भी हमें काफी आकर्षक लगता था. लिफ्ट, एस्केलेटर, डिश वाशर - सब कुछ हम रोमांचित होकर देखते थे.
एक दिन ऐसे ही किसी मॉल में एस्केलेटर पर चढ़ते हुए मेरे सास का संतुलन थोड़ा गड़बड़ाया और पैर में मोच आ गई. डॉक्टर को दिखाने पर उसने बताया कि कुछ समय लगेगा पर यह अपने आप ठीक हो जाएगा. चलने-फिरने से परहेज कहा. पर घूमना तो था क्योंकि हम घूमने ही तो आए थे. लिहाजा व्हीलचेयर का इंतज़ाम किया गया ताकि हम सब का घूमना जारी रहे.
एक दिन हम सब घूम रहे थे. मेरी सास व्हील चेयर पर थीं और मेरा भतीजा उसे चला रहा था. जाहिर है व्हीलचेयर की गति धीमी थी और हम बाकी लोगों से थोड़ा पीछे चल रहे थे। तभी एक विदेशी महिला ने मेरी सास से पूछा – आर यू फ्रॉम इंडिया? उनकी साड़ी से ये अंदाज़ा लगाना मुश्किल नहीं था. उन्होंने हां में सिर हिलाया और मुस्करा दीं. फिर उस विदेशी महिला ने मेरे भतीजे की ओर इशारा करके पूछा कि ये कौन है. मेरे भतीजे ने उत्तर दिया कि वह उनका पोता है और अपनी दादी को घुमा रहा है. उस विदेशी महिला के चेहरे पर आश्चर्य और प्रसन्नता के मिले-जुले भाव आए – यू आर सो लकी! वह मेरी सास का हाथ पकड़ कर देर तक अङ्ग्रेज़ी में बोलती रही कि उसे यह देखकर कितनी खुशी हो रही है कि एक पोता अपनी दादी को व्हीलचेयर में घुमा रहा है, और उनके बेटे ने उन्हें वहां बुलाया है. वह कहती जा रही थी – काश मेरे बेटे और पोते ऐसे होते. यहां तो हमें या तो खुद अपनी व्हीलचेयर चलानी होती है या किसी को पैसे देने पड़ते हैं कि वह हमें ले चले. अभी तक हम वहां के बाज़ारों की चमक-दमक से चकाचौंध थे लेकिन उस महिला की बातें सुनने के बाद ऐसा लगा कि सारी चमक कहीं विलीन हो गई हो और हम सब, एक भारतीय परिवार, उस आकाश के सबसे चमकते हुए सितारे हों.

जब वर्जीनिया में सुनाई स्वरचित देशभक्ति कविता

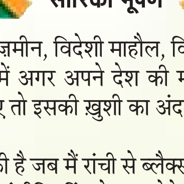

सारिका भूषण

विदेश की ज़मीन, विदेशी माहौल, विदेशी लोग और इस माहौल में अगर अपने देश की माटी की खुशबू का अहसास हो जाए तो इसकी ख़ुशी का अंदाज़ा नहीं लगाया जा सकता.
बात उन दिनों की है जब मैं रांची से ब्लैक्सबर्ग (वर्जीनिया) बेटी के कंप्यूटर इंजीनियरिंग के कनवोकेशन में गई थी. चार वर्षों की पढ़ाई में हमलोग पहली बार जा रहे थे. ग्रेजुएशन सेरमोनी के बाद सारे अभिभावक अपने-अपने बच्चों के साथ यूनिवर्सिटी कैंपस में तस्वीरें खिंचवा रहे थे. बेटी को कुछ स्पेशल मेडल भी मिले थे. हम ख़ुद को बहुत गर्वान्वित महसूस कर रहे थे.
तभी कुछ अमेरिकन अभिभावक बच्चों के साथ हमारे पास आये और हमारी बातें होने लगी. वे सभी अपने-अपने बारे में भी बताने लगे. वहां लगभग सभी, स्त्री हो या पुरुष, स्वावलंबी होते हैं और मिलकर अपना घर चलाते हैं. अधिकतर बच्चे भी बहुत कम उम्र से छुट्टियों में काम करके अपने स्कूल/कॉलेज की फ़ीस जमा करते हैं. उस समय मुझे अंदर से थोड़ा ख़राब महसूस हो रहा था कि मैं आर्थिक रूप से तो आत्मनिर्भर नहीं ही हूं. वैसे भी सिर्फ लेखन से घर चलाना बहुत हो मुश्किल है. आख़िर में अपना परिचय देने की मेरी बारी आई. मैंने एक गहरी सांस लेकर अपना परिचय दिया कि मैं एक कवि और लेखक हूं और बहुत छोटी उम्र से अपनी मातृभाषा हिन्दी में लिखती हूं. सभी एकदम से चुप हो गये और क्लैप करने लगे. शुरू में मैं घबराई पर जब वे मेरी तारीफ़ करने लगे तो मेरी ख़ुशी का ठिकाना नहीं रहा. उन्होंने हिन्दी में मुझसे एक देशभक्ति की कविता सुनी. मुझे नहीं मालूम वे कुछ भी समझ पाये या नहीं पर उनके चेहरों के भाव मैं पढ़ सकती थी. उस समय मुझे अपने देश, भाषा और लेखन पर सचमुच बहुत गर्व हो रहा था. एक अमेरिकन प्रोफेसर ने यहां तक कहा कि आपके देश के बहुत सारे बच्चे आज अमेरिका के टॉप यूनिवर्सिटीस (आई वी लीग के कॉलेज) में पहुंच जाते हैं जहां पढ़ने का सपना हर अमेरिकन बच्चा भी देखता है. फिर मैंने अपनी कविताओं की एक पुस्तक वहां की लाइब्रेरी में भेंट भी की.
सच ! यही तो ख़ासियत है चाणक्य, आर्यभट्ट, कलाम के देश की मिट्टी में.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

हॉकी इंडिया का फैसला : श्रीजेश को मिली जूनियर कोच की जिम्मेवारी

श्रीजेश की 16 नंबर की जर्सी हुई रिटायर

भाषा। नयी दिल्ली

हॉकी इंडिया ने बुधवार को दिग्गज गोलकीपर पीआर श्रीजेश की जर्सी नंबर 16 को रिटायर करने का फैसला किया. श्रीजेश ने हाल ही में संपन्न पेरिस खेलों में देश को लगातार दूसरा ओलंपिक कांस्य पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के बाद खेल को अलविदा कह दिया. हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि भविष्य में किसी भी सीनियर टीम के खिलाड़ी को 16 नंबर की जर्सी नहीं दी जाएगी, हालांकि जूनियर स्तर पर यह जर्सी मिलेगी. भोला नाथ ने यह भी घोषणा की कि लगभग दो दशक देश का प्रतिनिधित्व करने वाले 36 वर्षीय श्रीजेश जूनियर राष्ट्रीय कोच की भूमिका निभाएंगे. भोला नाथ ने श्रीजेश के सम्मान में आयोजित समारोह में कहा, श्रीजेश अब जूनियर टीम के कोच बनने जा रहे हैं और हम सीनियर टीम के लिए 16 नंबर की जर्सी रिटायर कर रहे हैं. हम जूनियर टीम के लिए 16 नंबर की जर्सी को रिटायर नहीं कर रहे. उन्होंने कहा, श्रीजेश दूसरे श्रीजेश को जूनियर टीम में तैयार करेगा (श्रीजेश जूनियर टीम में अपने जैसे किसी खिलाड़ी को तैयार करेगा जो 16 नंबर की जर्सी पहनेगा). केरल के इस अनुभवी

खिलाड़ी के सम्मान में समारोह में उपस्थित खिलाड़ियों ने एक जैसी लाल जर्सी पहनी हुई थी, जिसके पीछे श्रीजेश का नाम लिखा हुआ था.

ओलंपिक में आखिरी चार मैचों में मुझे श्रीजेश-श्रीजेश सुनाई दिया तो मुझे सचिन तेंदुलरक की क्रिकेट से विदाई याद आ गई

'टोक्यो कांस्य पदक का महत्व अधिक'

पेरिस में स्वर्ण पदक जीतना था : श्रीजेश

भाषा। नयी दिल्ली

लगातार दो ओलंपिक पदक जीतने वाले भारतीय हॉकी स्टार पीआर श्रीजेश ने कहा कि टोक्यो में जीता गया कांस्य पदक पेरिस में जीते गए पदक से ज्यादा उनके दिल के करीब है, क्योंकि तीन साल पहले ऐसा लगा कि दशकों तक सुनने के बाद कोई पौराणिक कहानी सच हो गई. पेरिस में भारत के अभियान के अंत के साथ अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कहने वाले 36 वर्षीय गोलकीपर श्रीजेश इस बार पदक के रंग से थोड़े निराश हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि टीम को बेहतर प्रदर्शन करना चाहिए था.

मंगलवार को यहां 'पीटीआई' मुख्यालय में श्रीजेश से जब यह मुश्किल फैसला करने के लिए कहा गया तो उन्होंने संपादकों से कहा, निश्चित रूप से टोक्यो क्योंकि हमने लंबे समय के बाद ओलंपिक पदक जीता था. पहले हम सुनते थे कि ओलंपिक पदक का क्या मतलब होता है क्योंकि हॉकी में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक का समृद्ध इतिहास रहा है, लेकिन यह कभी हमारे हाथ में नहीं आया. इसलिए जब हमने इसे पहली बार जीता तो वह एक शानदार पल था. उन्होंने अंतर स्पष्ट करते हुए कहा, उस समय हम पदक जीतने को लेकर सुनिश्चित नहीं थे लेकिन इस बार हम शीर्ष छह में थे और किसी भी टीम को हराने में सक्षम थे, लेकिन (टोक्यो में) पदक विजेता बनना एक सपना था. टोक्यो खेलों के लिए जाने से पहले भारत की हॉकी टीम ने 41 वर्षों में कोई ओलंपिक पदक नहीं जीता था. पेरिस में टीम के शीर्ष दो में रहने की उम्मीद थी जिसके कारण टीम के तीसरे स्थान पर रहते हुए कांस्य पदक जीतने के बावजूद थोड़ी निराशा हुई और श्रीजेश इससे सहमत थे. श्रीजेश ने कहा, इस बार हमें उम्मीद थी कि हम नंबर वन होंगे. मुझे लगता है कि यह एक बड़ी निराशा है (स्वर्ण नहीं जीतना), यह स्वर्ण पदक होना चाहिए था. बड़ा अंतर यह है कि वहां (टोक्यो में) मैं खुश था लेकिन यहां मैं ऐसा था...'' श्रीजेश ने कंधे उचकाते हुए कहा क्योंकि वह पेरिस में प्रदर्शन को लेकर अपनी भावनाओं को सही शब्दों में व्यक्त करने में असमर्थ थे. वह पेरिस ओलंपिक के समापन समारोह में भारतीय दल के ध्वजवाहक भी बने.

पेरिस खेलों का कांस्य भारत का हॉकी में 13वां ओलंपिक पदक है. 1972 के बाद यह पहला मौका था जब देश ने हॉकी में लगातार दो पदक जीते. करिश्माई गोलकीपर श्रीजेश पेरिस ओलंपिक में पूरे समय अपनी भूमिका को लेकर दृढ़ थे और उन्हें यादगार विदाई मिली. श्रीजेश ने उन पलों को भी याद किया जब वह पदक जीतने के बाद गोलपोस्ट पर बैठे थे और उनके साथी उनके आगे झुक रहे थे और फिर कप्तान हरमनप्रीत सिंह उन्हें कंधे पर उठाकर मैदान में घूमे. भारत के लिए 336 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले श्रीजेश अपने साथियों द्वारा दी गई विदाई से अभिभूत थे और फ्रांस की राजधानी में टीम के पोडियम पर पहुंचने के बाद उनकी आंखों में आंसू थे.

अपनी विदाई देखकर श्रीजेश को आई सचिन की याद

नयी दिल्ली। बचपन से हम सचिन तेंदुलकर का नाम ही सुनते आये हैं और मैदान में सचिन सचिन का शोर सुना है, जब ओलंपिक में आखिरी चार मैचों में मुझे श्रीजेश श्रीजेश सुनाई दिया तो मुझे उनकी क्रिकेट से विदाई याद आ गई, यह कहना है भारतीय हॉकी के महान गोलकीपर पी आर श्रीजेश का. टोक्यो के बाद पेरिस ओलंपिक में भी कांस्य पदक जीतकर श्रीजेश ने हॉकी को अलविदा कह दिया. यह पूछने पर कि रिटायर होने के बाद सबसे ज्यादा क्या 'मिस' करेंगे, श्रीजेश ने अपने सम्मान समारोह के बाद भाषा से कहा, जैसे सचिन ने कहा था कि मैदान में सचिन-सचिन का शोर वह कभी भुला नहीं पायेंगे तो ओलंपिक में आखिरी चार मैचों से मुझे भी यह सुनाई दे रहा था श्रीजेश-श्रीजेश. मैं मैदान में उतरते समय पैड पहनना मिस करूंगा. लोग पहले दाहिना पैर रखते हैं लेकिन मैं बायां पैर पहले रखता था. भारत के लिए 336 मैच खेल चुके इस दिग्गज ने कहा,हॉकी में वॉर्मअप , रूम, मीटिंग, खिलाड़ियों को मैदान पर गालियां देना, साथ में खाना सब कुछ मिस करूंगा.

रोहित शर्मा वनडे रैंकिंग में बाबर आजम के बाद दूसरे स्थान पर

भाषा। दुबई

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा हाल में श्रीलंका के खिलाफ समाप्त हुई वनडे श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बूते बुधवार को ताजा जारी आईसीसी वनडे रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में एक पायदान के फायदे से दूसरे स्थान पर पहुंच गये. भारत हालांकि इस तीन मैच की श्रृंखला में 0-2 से हार गया था लेकिन रोहित ने दो अर्धशतकों से 52.33 के औसत से 157 रन बनाये थे. श्रृंखला का पहला मैच टाई रहा था. वहीं शुभमन गिल एक पायदान खिसककर तीसरे स्थान पर आ गये जबकि विराट कोहली अपने चौथे स्थान पर बरकरार हैं.

पाकिस्तान के बाबर आजम इस समय 824 रेटिंग अंक से सूची में शीर्ष पर काबिज हैं जबकि रोहित के 765 अंक हैं. शीर्ष 20 में शामिल अन्य भारतीयों में श्रेयस अय्यर 16वें स्थान पर जबकि केएल राहुल एक पायदान खिसककर 21वें स्थान पर पहुंच गये. बायें हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव गेंदबाजों की सूची में चौथे स्थान से भारतीयों में रैंकिंग में सर्वश्रेष्ठ स्थान पर हैं. वह शीर्ष पर काबिज दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज, आस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड और एडम जम्पा से पीछे हैं. ये तीनों शीर्ष तीन स्थान पर बने हुए हैं. तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आठवें स्थान पर बरकरार हैं जबकि मोहम्मद सिराज पांच पायदान के नुकसान से न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट के साथ संयुक्त रूप से नौवें स्थान पर बने हुए हैं. सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी 12वें स्थान पर काबिज हैं. यह 33 साल का गेंदबाज टखने की चोट के बाद इस समय बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में 'रिहैबिलिटेशन' की प्रक्रिया से गुजर रहा है और उनके बांग्लादेश के खिलाफ अगले महीने होने वाली दो टेस्ट मैच की श्रृंखला में वापसी की उम्मीद है. श्रीलंका के खिलाफ वनडे श्रृंखला में (तीन मैच में पांच विकेट) भारत के लिए सर्वाधिक विकेट झटकने वाले वाशिंगटन सुंदर 10 पायदान के फायदे से 87वें स्थान पर पहुंच गये हैं. वहीं आल राउंडर सूची में रविंद्र जडेजा 16वें नंबर से भारतीयों में सर्वश्रेष्ठ स्थान पर काबिज हरफनमौला हैं.

ईशान किशन और कुमार कुशाग्र ने दलीप ट्रॉफी टूर्नामेंट में बनाई जगह

संवाददाता। रांची

झारखंड राज्य क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) के दो प्रतिभाशाली खिलाड़ियों, ईशान किशन और कुमार कुशाग्र को प्रतिष्ठित दलीप ट्रॉफी टूर्नामेंट में खेलने के लिए चुना गया है. धाकड़ विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन को इंडिया डी टीम में जगह दी गई है. अपने प्रभावशाली बल्लेबाजी कौशल और तेजी से रन बनाने की क्षमता के साथ ईशान जेएससीए टीम के लिए एक मूल्यवान संपत्ति रहे हैं. उन्होंने 2021 में भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया और अपनी आक्रामक बल्लेबाजी शैली से क्रिकेट जगत में तहलका मचा रहे हैं. होनहार युवा बल्लेबाज कुमार कुशाग्र का चयन इंडिया ए टीम के लिए हुआ है. अपनी ठोस तकनीक और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन से कुमार ने चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा है. वह जेएससीए के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले रहे हैं और उन्होंने विकास की जबरदस्त संभावनाएं दिखाई हैं. एसोसिएशन को दोनों खिलाड़ियों पर बेहद गर्व है और वह उन्हें टूर्नामेंट के लिए शुभकामनाएं दी है. उनका चयन प्रतिभा को निखारने और अपने खिलाड़ियों को चमकने के अवसर प्रदान करने की एसोसिएशन की प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं.

नार्थम्पटनशर में वनडे कप और काउंटी मैच में खेलेंगे युजवेंद्र चहल

लंदन । भारतीय लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल काउंटी चैम्पियनशिप डिवीजन टू में बचे हुए पांच मैच और वनडे कप के अंतिम मुकाबलों में खेलने के लिए नार्थम्पटनशर से जुड़ गये हैं. 34 साल के चहल ने अभी तक भारत के लिए 72 वनडे और 80 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और दोनों ही प्रारूपों में 217 विकेट झटके हैं. नार्थम्पटनशर ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि भारत के लिए टी20 विश्व कप के विजयी अभियान में भूमिका निभाने वाले चहल केंट के खिलाफ मैच के लिए कैंटरबरी की यात्रा से पहले बुधवार को टीम से जुड़ेंगे.

अमन सहरावत को खेल मंत्री ने दिया कैश प्राइज

नयी दिल्ली। पेरिस ओलंपिक में भारत को कुश्ती में एकमात्र मेडल दिलाने वाले अमन सहरावत को खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने सम्मानित किया. इस मौके पर उन्होंने ब्रॉन्ज मेडलिस्ट अमन सहरावत को 30 लाख रुपये का कैश प्राइज भी दिया.

मोर्ने मोर्कल भारत के गेंदबाजी कोच नियुक्त

नयी दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज मोर्ने मोर्कल को भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम का नया गेंदबाजी कोच नियुक्त किया गया है. भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने बुधवार को इसकी पुष्टि की. शाह ने पीटीआई से कहा, ''हां, मोर्ने मोर्कल को सीनियर भारतीय पुरुष टीम का गेंदबाजी कोच नियुक्त किया गया है. दक्षिण अफ्रीका के 39 साल के मोर्कल नए मुख्य कोच गौतम गंभीर की पहली पसंद थे.

ऑस्ट्रेलिया 'ए' से हारा भारत 'ए'

- राघवी और तेजल के अर्धशतक के बावजूद मिली हार

भाषा। मैकॉय (ऑस्ट्रेलिया)

मध्य क्रम की बल्लेबाजों राघवी बिष्ट और तेजल हसब्निस के अर्धशतक के बावजूद भारत 'ए' महिला क्रिकेट टीम को बुधवार को यहां पहले एकदिवसीय में ऑस्ट्रेलिया 'ए' के खिलाफ चार विकेट से शिकस्त का सामना करना पड़ा. भारत 'ए' के 250 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया 'ए' ने केटी मैक (129 रन, 126 गेंद, 11 चौके) के शतक और कप्तान ताहिला मैकग्रा (56) के अर्धशतक से 47 ओवर में छह विकेट पर 250 रन बनाकर जीत दर्ज की. केटी ने साथी सलामी बल्लेबाज मैडी डार्क (27) और चार्ली नॉट (26) के साथ अर्धशतकीय जबकि कप्तान ताहिला के साथ शतकीय साझेदारी करके मेजबान टीम की जीत की राह आसान की. भारत ने इससे पहले राघवी की 102 गेंद में छह चौकों से 82 और तेजल की 67 गेंद में सात चौकों से 53 रन की पारी से नौ विकेट पर 249 रन का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया.

मैंने डेविस कप कोच पद से इस्तीफा दे दिया : जीशान अली

भाषा। नयी दिल्ली

जीशान अली ने बुधवार को घोषणा की कि उन्होंने स्टॉकहोम में स्वीडन के खिलाफ भारतीय टीम के अगले मुकाबले से पहले राष्ट्रीय डेविस कप टीम के कोच पद से इस्तीफा दे दिया है. जीशान अली ने पीटीआई से कहा, मैंने डेविस कप टीम के कोच पद से इस्तीफा दे दिया है. जीशान (54 वर्ष) 2013 में नयी दिल्ली में दक्षिण कोरिया के खिलाफ मुकाबले से पहले नंदन बाल की जगह टीम के कोच बने थे. उन्होंने कहा, मैं 11 साल से डेविस कप टीम का कोच रहा हूं. सबसे बड़ी बात मैं इस साल के शुरू में पाकिस्तान में पाकिस्तान के खिलाफ खेले गये ऐतिहासिक मुकाबले में डेविस कप कप्तान भी था.

शास्त्री ने कहा : ऑस्ट्रेलिया में होगी पांच टेस्ट मैच की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी

ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखला जीतने की हैट्रिक बना सकता है भारत

भाषा। दुबई

पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री को लगता है कि भारत अपने बेहतरीन गेंदबाजी स्तर तथा रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे मजबूत बल्लेबाजी लाइन अप को देखते हुए ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखलाओं की जीत की हैट्रिक लगाने में सक्षम है. भारत ने ऑस्ट्रेलिया में पिछली दो टेस्ट श्रृंखला जीतकर प्रतिष्ठित बॉर्डर-गावस्कर ट्राफी पर कब्जा बना रखा है, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 2015 के शुरू में घरेलू श्रृंखला में 2-0 से जीत हासिल की थी. शास्त्री ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से कहा, जसप्रीत बुमराह फिट हैं, मोहम्मद शमी फिट हैं, आपके पास मोहम्मद सिराज भी है. आपके पास रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा जैसे खिलाड़ी और कुछ अच्छी 'बेंच स्ट्रेंथ' भी है. इस श्रृंखला के शुरू होने के लिए बेताब हैं और मुझे लगता है कि भारतीय टीम आस्ट्रेलिया में श्रृंखलाओं की जीत की हैट्रिक लगा सकती है. ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर रिकी पोंटिंग ने हाल में भविष्यवाणी की थी कि उनका देश यह श्रृंखला 3-1 से जीतेगा, लेकिन शास्त्री ने कहा कि भारतीय गेंदबाज अपना काम बखूबी कर सकते हैं बशर्ते उनके बल्लेबाज चुनौती के लिए तैयार रहें.

शास्त्री ने कहा, यह एक बेहतरीन श्रृंखला होने जा रही है और भारत के पास हैट्रिक बनाने का पूरा मौका है, क्योंकि उनके गेंदबाज फिट हैं और अगर वे अच्छी बल्लेबाजी कर सकते हैं तो वे ऑस्ट्रेलिया को एक बार फिर हरा सकते हैं. भारत इस साल ऑस्ट्रेलिया में पांच मैचों की श्रृंखला खेलेगा, जिसकी शुरुआत पर्थ में टेस्ट मैच से होगी. पैट कमिंस की अगुआई वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम पिछले साल 'द ओवल' में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के दौरान रोहित शर्मा की टीम से बदला लेने के बाद इस श्रृंखला के लिए उत्साहित है और शास्त्री को लगता है कि घरेलू टीम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को फिर हासिल करने के लिए बेताब होगी.

उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलिया में पांच टेस्ट मैच की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी एक रोमांचक मुकाबला होने जा रहा है.

डोडा गणेश कीनिया क्रिकेट टीम के मुख्य कोच बने

भाषा। नैरोबी

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर डोडा गणेश को 2026 टी20 विश्व कप के अफ्रीका क्वालीफायर से पहले कीनिया की पुरुष क्रिकेट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है. भारत के लिए चार टेस्ट और एक एकदिवसीय मैच खेलने वाले 51 वर्षीय गणेश ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में कर्नाटक के लिए 2000 से अधिक रन बनाए और 365 विकेट लिए. उनके सामने कीनियाई क्रिकेट के उन गौरवशाली दिनों को वापस लाने की कठिन चुनौती है जब टीम ने 1996 और 2011 के बीच पांच विश्व कप में भाग लिया. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के इस एसोसिएट सदस्य देश का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2003 में रहा था, जब वे संदीप पाटिल के रूप में एक भारतीय मुख्य कोच की मौजूदगी में दक्षिण अफ्रीका में हुए एकदिवसीय विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचे थे. कीनिया ने टी20 विश्व कप के सिर्फ एक टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया है जो 2007 में हुआ था. तब से कीनियाई क्रिकेट का ग्राफ लगातार गिरता चला गया. सितंबर में आईसीसी डिविजन दो चैलेंज लीग में वे पापुआ न्यू गिनी, कतर, डेनमार्क और जर्सी से भिड़ेंगे और अक्टूबर में टी20 विश्व कप अफ्रीका क्वालीफायर खेलेंगे.

प्राकृतिक आपदा पीड़ितों के लिए चैरिटी मैच कराएगा एआईएफएफ

नयी दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) प्राकृतिक आपदाओं की तबाही का सामना करने वाले केरल और हिमाचल प्रदेश में राहत कार्य के लिए धन जुटाने हेतु दो चैरिटी फुटबॉल मैचों का आयोजन करेगा. एआईएफएफ पहला चैरिटी मैच 30 अगस्त को केरल के मलप्पुरम में कोलकाता की टीम मोहम्मद स्पोर्टिंग क्लब और एक सुपर लीग केरल एकादश के बीच कराने का प्रयास कर रहा है. एआईएफएफ ने दूसरा चैरिटी मैच दो सितंबर को लखनऊ में कराने का प्रस्ताव रखा है. देश में खेल की संचालन संस्था इस मुकाबले को लेकर संभावित क्लबों के संपर्क में है. एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा, मुझे खुशी है कि मोहम्मडन स्पोर्टिंग ने मानवता के लिए हमारे प्रस्ताव पर तुरंत सहमति जता दी.

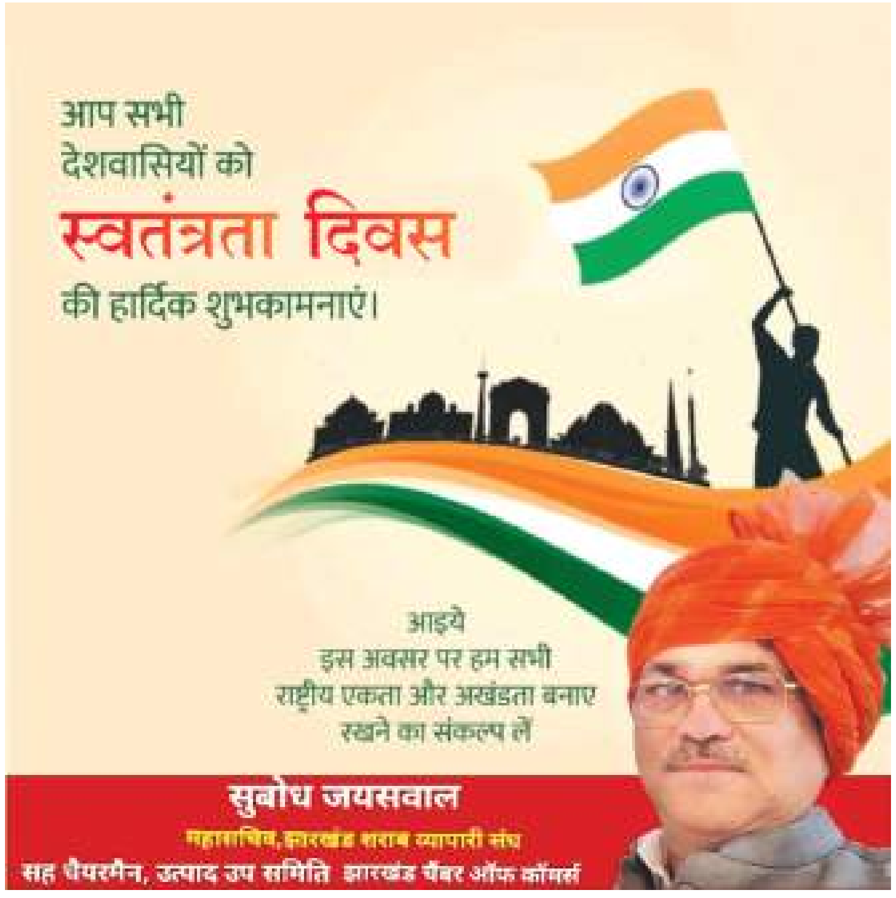

मंत्री ने युवाओं को दिये ऑफर लेटर

विशेष संवाददाता। रांची/चाईबासा

टाटा स्टील फाउंडेशन द्वारा संचालित स्किल डेवलपमेंट सेंटर चाईबासा से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके युवक युवतियों के बीच बुधवार को ऑफर लेटर का आदिवासी कल्याण मंत्री दीपक बिरूआ ने सौंपा. इस अवसर पर आदिवासी कल्याण मंत्री दीपक बिरुवा ने युवाओं को शुभकामना देते हुए अच्छे से कार्य करते हुए आगे बढ़ने की बात कही. उन्होंने टाटा स्टील फाउंडेशन से आग्रह करते हुए कहा यहां माइनिंग क्षेत्र होने के नाते इससे संबंधित युवाओं को प्रशिक्षण देते हुए यहीं रोजगार उपलब्ध कराया जाए. झारखंड सरकार भी इसको लेकर काफी प्रयासरत है. उन्होंने कहा कि इस तकनीकी युग में यह आवश्यक है कि हर एक हाथ को हुनरमंद बनाया जाए, जिससे युवाओं के भविष्य की जिंदगी की राह को आसान बनाया जा सके. इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर युवाओं को स्वावलंबी बनाने की महत्वाकांक्षी कार्यक्रम के क्रियान्वयन को लिए टाटा स्टील फाउंडेशन प्रयासरत है. जिले में युवक-युवतियों को उनके रुचि के ट्रेड में हुनरमंद बनाकर आत्मनिर्भर बनाने का कार्य जारी है. उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने कहा कि हर युवाओं के हाथ में हुनर हो, सभी कुशल बने ताकि अपनी जीविका को चला सके.

उत्साहित दिखे युवा : इस मौके पर युवाओं को ऑफर लेटर मिलने पर युवा आत्मविश्वास से लबरेज दिखे. वहीं कौशल विकास केंद्र से प्रशिक्षण प्राप्त कर हुनरमंद बने युवक-युवतियों के चेहरे पर आज आत्मनिर्भरता की मुस्कान बिखर रही है. टाटा स्टील फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने बताया कि युवक-युवतियों को प्लेसमेंट के आधार पर रोजगार का अवसर उपलब्ध करवाया गया है. आगे भी प्रशिक्षण देते हुए रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा.

रेलवे स्टेशनों की बदलेगी तस्वीर

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड के रेलवे स्टेशनों की तस्वीर बदलेगी. रेलवे स्टेशनों का विकास अमृत भारत योजना के तहत किया जाएगा. इसके लिए केंद्रीय रेलवे मंत्रालय ने झारखंड को 7,302 करोड़ रुपये की राशि दी है. इस साल रेलवे से बुनियादी ढ़ांचा के विकास में फोकस करने के साथ लोकोमोटिव और कोच के निर्माण के साथ नई तकनीक पर भी फोकस किया है. यात्रियों की सुविधा के लिए दस हजार जनरल कोच भी बनाए जाएंगे.

इन योजनाओं के लिए राशि आवंटित : बंडामुंडा(ओडिशा) - रांची दोहरीकरण लाइन के निर्माण, रांची और हटिया स्टेशन का पुनर्विकास, झालिदा, सुईसा और तुलिन स्टेशन का विकास

इन रेलवे स्टेशनों की बदलेगी तस्वीर : गंगाघाट, गढ़वा रोड, गढ़वा टाउन, घाटशिला, गिरिडीह, गोड्डा, गोविंदपुर रोड, हैदर नगर, हटिया, हज़ारीबाग रोड, जामताड़ा, जपला, जसीडीह जंक्शन, कतरासगढ़, कोडरमा जंक्शन, कुमारडुबी, लातेहार, लोहरदगा, मधुपुर जंक्शन, मनोहरपुर, मुहम्मद गंज, मुरी जंक्शन, एनएससीबी. जंक्शन गोमो, नगर उंटारी, नामकोम, ओरगा, पाकुड़, पारसनाथ, पिस्का, राजखरसवां, राजमहल, रामगढ़ कैंट, रांची जंक्शन, साहिबगंज, शंकरपुर, सिल्ली, सिनी, टाटानगर, टाटीसिल्वे, विद्यासागर बालसिरिंग, बानो, बड़ाजामदा जंक्शन, बरकाकाना, बासुकीनाथ, भागा, बोकारो स्टील सिटी चाईबासा, चक्रधरपुर, चांडिल, चंद्रपुरा, डालटनगंज, डांगोआपोसी, देवघर, धनबाद, दुमका और गम्हरिया शामिल हैं.

झारखंड को मिली और एक नयी ट्रेन की सौगात

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ की पहल पर एक और नयी ट्रेन की सौगात रांची लोकसभा को मिली है. टाटा से जयनगर तक चलने वाली साप्ताहिक ट्रेन नंबर 18119 जो टाटानगर से शुक्रवार को संध्या 6.50 पर शाम को चलेगी, जो दूसरे दिन 11.30 बजे जयनगर पहुंचेगी टाटा से यह चलने वाली ट्रेन चांडिल, मुरी, कोटसिला, राजाबेरा, धनबाद, मधुपुर, जसीडीह, झाझा, किउल, बरौनी, समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी होते हुए जयनगर पहुंचेगी. वहीं जयनगर से टाटा ट्रेन नंबर 18120 दिन शनिवार को चलेगी. केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने इस नई ट्रेन की सौगात के लिए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार जताया है.

नैतिक मूल्यों का पालन न करने पर थाईलैंड के प्रधानमंत्री पदमुक्त

- अदालत के आदेश ने थाई राजनीति में मचाई हलचल
- कैबिनेट सदस्य की नियुक्ति को लेकर दोषी ठहराए गए

एजेंसी। बैंकॉक

थाईलैंड की एक अदालत ने नैतिक मूल्यों का पालन न करने के आरोप में बुधवार को प्रधानमंत्री श्रेथा थाविसिन को पद से हटा दिया. इससे एक सप्ताह पहले अदालत ने मुख्य विपक्षी दल को भंग कर दिया था. अदालत के आदेश ने थाई राजनीति में हलचल मचा दी है. संवैधानिक न्यायालय ने श्रेथा को एक कैबिनेट सदस्य की नियुक्ति को लेकर दोषी ठहराया जिसे अदालत के एक अधिकारी को रिश्वत देने के मामले में जेल की सजा हुई थी. अदालत ने श्रेथा के खिलाफ 5:4 के बहुमत से फैसला दिया. संसद जब तक नए प्रधानमंत्री की नियुक्ति नहीं करती तब तक कैबिनेट कार्यवाहक आधार पर बनी रहेगी. संसद को इस पद पर नियुक्ति के लिए कोई समयसीमा

नहीं दी गई है. श्रेथा ने अप्रैल में कैबिनेट फेरबदल में पिचिट चुएनबान को प्रधानमंत्री कार्यालय के मंत्री के रूप में नियुक्त किया था. पिचिट को 2008 में अदालत की अवमानना के मामले में तब छह महीने की जेल हुई थी जब उन्होंने कथित तौर पर पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनवात्रा से जुड़े एक मामले में एक न्यायाधीश को 20 लाख बाहत (55 हजार अमेरिकी डॉलर) की रिश्वत देने की कोशिश की थी. इस घटना पर जब विवाद फिर से शुरू हुआ तो नियुक्ति के कुछ सप्ताह बाद पिचिट ने पद से इस्तीफा दे दिया. अदालत ने कहा कि हालांकि पिचिट पहले ही जेल की सजा काट चुके हैं, लेकिन उच्चतम न्यायालय

किशिदा पार्टी अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं लड़ेंगे, नया पीएम मिलेगा जापान को

टोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने बुधवार को कहा कि वह सितंबर में प्रस्तावित सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के अध्यक्ष पद के चुनाव में किस्मत नहीं आजमाएंगे. किशिदा सितंबर 2021 में एलडीपी के अध्यक्ष चुने गए थे. उनका तीन साल का कार्यकाल इस साल सितंबर में खत्म हो रहा है. किशिदा के एलडीपी अध्यक्ष पद की दौड़ से बाहर होने का मतलब यह है कि पार्टी प्रमुख निर्वाचित होने वाला अगला नेता देश के प्रधानमंत्री के रूप में उनकी जगह लेगा, क्योंकि एलडीपी को संसद के दोनों सदनों में बहुमत हासिल है. किशिदा के कार्यकाल में उनकी पार्टी के कई नेताओं पर भ्रष्टाचार और घोटालों में शामिल होने के आरोप लगे हैं.

हाई कोर्ट ने तमिलनाडु में भाजपा की तिरंगा रैली को मंजूरी दी

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने बुधवार को राज्य में भाजपा की 'तिरंगा रैली' को मंजूरी दी और साथ ही तमिलनाडु सरकार को स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज लेकर मोटरसाइकिल तथा साइकिल से रैली निकालने अथवा पैदल मार्च करने जैसी किसी भी गतिविधि पर रोक नहीं लगाने का निर्देश दिया. अदालत ने प्रस्तावित कार्यक्रम के आयोजन के लिए कई शर्तें भी रखीं जिनमें राष्ट्रीय ध्वज का उचित सम्मान सुनिश्चित करना भी शामिल है. अदालत ने कोवई उत्तर के पुलिस उपायुक्त के उस आदेश को रद्द करने का अनुरोध किया गया था जिसमें याचिकाकर्ता को 15 अगस्त को शहर में चार स्थानों पर लगभग 200 दोपहिया वाहनों के साथ राष्ट्रीय ध्वज रैली करने की अनुमति देने से मना कर दिया था.

पाकिस्तान में ईशनिंदा के दोषी को 25 साल कठोर कारावास

कराची। पाकिस्तान की एक अदालत ने खुद को पैगंबर घोषित करने के आरोप में एक व्यक्ति को ईशनिंदा के लिए 25 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है. सिंध प्रांत में हैदराबाद में केंद्रीय कारागार में सुनवाई के बाद एक अतिरिक्त जिला न्यायाधीश ने मंगलवार को आरोपी को सजा सुनाई. आरोपी के नाम या धर्म का खुलासा नहीं किया गया. न्यायाधीश ने दोषी ठहराए गए व्यक्ति पर पांच लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया. न्यायाधीश ने कहा कि उसे मौत की सजा देने के लिए कोई ठोस सबूत नहीं मिला. आरोपी को तब ईशनिंदा कानून के तहत गिरफ्तार किया गया था, जब महबूब अली नाम के एक व्यक्ति ने मीरपुर सकरो पुलिस थाने में उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी.

ट्रेनी डॉक्टर हत्याकांड की जांच सीबीआई ने अपने हाथ में लिया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल में ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और उसकी हत्या की घटना की जांच का जिम्मा सीबीआई ने अपने हाथ में ले लिया है. सीबीआई के वरिष्ठ अधिकारियों की टीम बुधवार की सुबह कोलकाता पहुंची. टीम में स्वास्थ्य और फॉरेंसिक विशेषज्ञ भी शामिल हैं. पश्चिम बंगाल पुलिस ने वारदात से जुड़े सभी दस्तावेज सीबीआई को सौंप दिये हैं. बुधवार को कोलकाता के सीओजी कॉम्प्लेक्स स्थित सीबीआई दफ्तर में सभी सबूत लाए गए. इस मामले में गिरफ्तार किये गये आरोपी संजय रॉय को भी पुलिस ने सीबीआई को सौंप दिया है. इस बीच, ट्रेनी महिला डॉक्टर से दुष्कर्म के बाद हत्या के विरोध में देशभर में जारी डॉक्टरों का आंदोलन बुधवार को भी जारी रहा.

वायनाड त्रासदी: मृतकों के परिजनों को मिलेगा 6-6 लाख मुआवजा

एजेंसी। तिरुवनंतपुरम

केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने वायनाड जिले में हाल में हुए भीषण भूस्खलन में मारे गए लोगों के परिजनों को छह लाख रुपये का मुआवजा देने की बुधवार को घोषणा की. इस भूस्खलन में 200 से अधिक लोगों की जान चली गई थी.

विजयन ने कहा कि छह लाख रुपये में से चार लाख रुपये राज्य आपदा राहत कोष से और शेष मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष से दिए जाएंगे. उन्होंने यह भी ऐलान किया कि भूस्खलन में जिन लोगों ने आंखें और अंग खो दिए हैं या जो 60 प्रतिशत तक दिव्यांग हो गए हैं, उन्हें सीएमडीआरएफ से 75,000 रुपये दिए जाएंगे. आपदा में 40 से 60 प्रतिशत तक दिव्यांग होने वाले या गंभीर रूप से घायल होने वाले लोगों को 50,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी. इसके अलावा, जो पीड़ित किराए के मकान या अपने रिश्तेदारों के साथ रहने का विकल्प चुनेंगे, उन्हें पुनर्वास के तहत किराए के रूप में 6,000 रुपये प्रति माह मिलेंगे. हालांकि, यह राशि उन लोगों को उपलब्ध नहीं होगी जिन्हें किराया-मुक्त या पूरी तरह से प्रायोजित आवास मिलेगा. विजयन ने यह भी कहा कि 30 जुलाई को वायनाड के कुछ हिस्सों में हुए बड़े पैमाने पर भूस्खलन के बाद अब तक 231 शव और शरीर के 206 अंग बरामद किए गए हैं. उन्होंने बताया कि शवों और शरीर के अंगों के कुल 401 नमूनों का डीएनए परीक्षण किया गया और उनमें से 349 नमूने 248 व्यक्तियों के पाए गए, जिनमें 121 पुरुष और 127 महिलाएं थीं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)

78वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं

शुभम संदेश

परिशिष्ट

एक राज्य - एक अखबार

रांची, गुरुवार 15 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 11 संवत 2081 पृष्ठ : 12 ● मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 128

भारत की विकास यात्रा की एक नई कहानी

आजादी मिलने के साथ ही देशवासियों ने अंग्रेजों द्वारा छोड़ी गई इस चुनौती को सहर्ष स्वीकार किया और भारत की विकास यात्रा की एक नई कहानी गढ़नी शुरू कर दी . देश के प्रथम गृह मंत्री लौहपुरुष वल्लभभाई पटेल ने 565 रियासतों को एक भारत संघ में शामिल कर अंग्रेजों को करारा जवाब दिया था.उनके इस अवदान को कभी विस्मृत नहीं किया जा सकता.अंग्रेजी जब भारत छोड़कर गए थे, तब भारत का विश्व की अर्थव्यवस्था में मात्र दो प्रतिशत योगदान था.

हम सब देश की आजादी के 78वें वर्ष में पहुंच गए हैं. पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक हमारा प्यारा तिरंगा बड़े ही गर्व के साथ लहरा रहा है. इस अवसर पर हम सब देशवासी यह गर्व से कह सकते हैं कि भारत की विकास यात्रा एक नई कहानी गढ़ती नजर आ रही है ब्रिटिश हुकूमत की कूटनीति के कारण 15 अगस्त 1947 को देश को खंडित आजादी मिली थी. देश की आजादी के साथ ही भारत दो टुकड़ों में बंटा था. तब देश 565 रियासतों में बिखरा हुआ था. अंग्रेजी हुकूमत जाते-जाते देश के समक्ष कई चुनौतियां छोड़ गए थे . 16 वीं सदी तक भारत एक सोने की चिड़िया के रूप में विश्व भर में जाना जाता था. भारत एक कृषि प्रधान देश होने के साथ ही विश्व की अर्थव्यवस्था में इसका योगदान सबसे उपर था. भारत निर्यात के मामले में पूरी दुनिया में अग्रणी था. तब ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था भारत की अर्थव्यवस्था के सामने बहुत कम थी.

आजादी मिलने के साथ ही देशवासियों ने अंग्रेजों द्वारा छोड़ी गई इस चुनौती को सहर्ष स्वीकार किया और भारत की विकास यात्रा की एक नई कहानी गढ़नी शुरू कर दी . देश के प्रथम गृह मंत्री लौहपुरुष वल्लभभाई पटेल ने 565 रियासतों को एक भारत संघ में शामिल कर अंग्रेजों को करारा जवाब दिया था. उनके इस अवदान को कभी विस्मृत नहीं किया जा सकता.अंग्रेजी जब भारत छोड़कर गए थे, तब भारत का विश्व की अर्थव्यवस्था में मात्र दो प्रतिशत योगदान था, लेकिन आज भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन चुका है. चंद्रयान 2 और आदित्य एल वन की सफलता ने विज्ञान के क्षेत्र में भारत का नाम सबसे ऊपर कर दिया है.

एक ओर भारत की जनता विकास यात्रा की नहीं कहानी गढ़ रहे होते हैं, वहीं दूसरी ओर हर दिन देश की एकता और अखंडता को बाधित करने के लिए विश्वव्यापी साजिशें भी रची जा रही हैं. इसके बावजूद हिंदुस्तान बिखरा नहीं रहा है बल्कि देशवासी एक राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा के नीचे सभी वंदन रत हैं. भारत की विविध संस्कृति, भाषा, रीति रिवाज और रहन सहन एक साथ प्रगति के पथ पर अग्रसर है. यह विविधता हम सबों को एक सूत्र में बांध रखा है . बीते 77 वर्षों के सफर पर गौर करें तो भारत की यह विकास यात्रा समस्त देशवासियों की मेहनत, त्याग और समर्पण की एक नई कहानी गढ़ती नजर आती है.

आज भारत विश्व क्षितिज पर एक नई पहचान बनाने में सफल हुआ है. आज भारत को एक मजबूत और शांतिप्रिय देश के रूप में जाना जा रहा है. कोरोना जैसी विश्वव्यापी महामारी को देशवासियों ने मिलजुल कर परास्त किया . भारत के वैज्ञानिकों ने कोरोना का अचूक वैक्सीन आविष्कार कर एक मिशाल काम किया. भारत ने पूरी दुनिया को कोरोना जैसी महामारी से मुकाबला करने का पाठ भी पढ़ाया था. इस कालखंड में भारत ने विश्व के कई देशों को राहत सामग्री के साथ दवाइयां भी पहुंचाई थी.

आज देशवासियों को यह जानना चाहिए कि ब्रिटिश हुकूमत ने गुलाम भारत की एक ऐसी तस्वीर विश्व पटल पर रखी थी, जिससे भारत के गौरवशाली इतिहास पर ही प्रश्न चिन्ह लग गया था. फलस्वरुप भारत को एक अज्ञानियों, ग़रीबों और सपेरों के देश के रूप में जाना जाने लगा था. समय के साथ आए बदलाव और देशवासियों के बीच स्वराज्य की कामना और भारत की आजादी ने ब्रिटिश हुकूमत के झूठे छल तंत्र को तोड़कर ही रख दिया है. आज की बदली परिस्थिति में विश्व भर के देशों की निगाहें भारत पर टिकी हुई हैं. रूस - यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के समापन के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक शांति दूत बनकर यूक्रेन की यात्रा पर जा रहा है. भारत विज्ञान, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, शिक्षा, सैनिक क्षमता आदि विभिन्न क्षेत्रों में एक नई ऊंचाई को छूता चला जा रहा है.

ब्रिटिश हुकूमत, भारत में दो सौं वर्षों के लंबे शासन में जितना लूट सकती थी, भारत को लूटी थी . ब्रिटिश हुकूमत यहां की बेशकीमती संपतिया ब्रिटेन ले गई थी. सिर्फ एक खाली खजाने के साथ सत्ता सौंपी गई थी. तब आजाद भारत एक ऐसे मुकाम पर खड़ा था, जहां गुलामी के दंश के अलावा कुछ भी न था . आजादी के तुरंत बाद पाकिस्तान से युद्ध झेलना पड़ा था. भारत के लिए यह बहुत ही कठिनाइयों का दौर रहा था. अंग्रेज भारत से जाकर भी उनकी कुटनीतिक चालें कभी बंद नहीं हुई थी. अंग्रेज, भारत को कई टुकड़ों में बटा देखना चाहते थे . इस विषम परिस्थिति को अनुकूल बनाने में हमारे राजनेताओं ने बेमिसाल धैर्य और साहस का परिचय दिया था. उनके इस दूरदर्शी कदम की जितनी भी प्रशंसा की जाए, कम है . उनके कुशल नेतृत्व के चलते ही भारत इस मुकाम तक पहुंच पाया है.

अंग्रेजी हुकूमत की कूटनीति और हमारे प्रथम हुक्मरान जवाहरलाल नेहरू से कुछ राजनीतिक भूलें भी हुई थी. फलस्वरूप जम्मू कश्मीर जैसे एक प्रांत में दो विधान की परंपरा कायम रह गई थी. इस परंपरा को पांच वर्ष वर्ष पूर्व दुरुस्त किया गया . धारा 370 और 35 a जैसे कानून को सदा सदा के लिए समाप्त कर भारतीय संसद ने एक नया इतिहास रच दिया . आज जम्मू कश्मीर देश की मुख्य धारा से जुड़ चुका है. जम्मू कश्मीर दिन-ब-दिन तरक्की की ऊंचाइयों को छूता चला जा रहा है. एक समय भारत इसी जम्मू कश्मीर के मुद्दे को लेकर न्याय पाने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ गया था. 77 वर्षों बाद आज उसी संयुक्त राष्ट्र संघ की अध्यक्षता देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करते नजर आ रहे हैं.

देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने भारत की छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक मजबूत देश के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी . उन्होंने देश में कई नई परियोजनाओं का शिलान्यास किया था. फलस्वरूप भारत की पहचान एक मजबूत राष्ट्र के रूप में हो पाई. इसी दौरान पड़ोसी देश चीन ने हिंदी चीनी भाई भाई कह कर भारत पर आक्रमण कर दिया था. हमारी तैयारी उस स्तर की ना होने के कारण भारत को पराजय का भी मुंह देखना पड़ा था. हमारी हजारों मिल जमीने चीन के कब्जे में चली गई. इस पराजय से सबक लेकर देश में विज्ञान, तकनीकी और औद्योगिक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए देश में कई उधोगों की शुरुआत की गई थी. संपूर्ण देश में उद्योगों का जाल बिछा दिया था. देश में विद्यमान खनिज संपदा आधारित बड़े बड़े उद्योगों का देश की ही भूमि शुरुआत की गई थी. देश में बड़े-बड़े बांध बनाए गए. संपूर्ण देश में सिंचाई की बेहतर व्यवस्था की जा रही है. दुर्गम से दुर्गम स्थानों तक जाने के लिए बड़े बड़े पुलों का निर्माण किया जा रहा है. भारत अपने गौरव को प्राप्त करने के लिए खून पसीना एक कर दिया था.

देश के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने देश को खाद्यान्न और रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर व मजबूती प्रदान करने के लिए ''जय जवान, जय किसान'' का नारा दिया था. उन्होंने दोनों क्षेत्रों में बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य किया. फलस्वरूप देश में हरित क्रांति आई और भारत अनाज के मामले में आत्मनिर्भर बन पाया. रक्षा क्षेत्र में भी कई नई परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया था. भारत को अंतर्राष्ट्रीय क्षितिज पर एक नहीं पहचान बनाने के लिए देश की युवा शक्ति ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है. फलस्वरूप आज भारत हर क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ता जा रहा. पहले खेल के क्षेत्र में भारत बमुश्किल एक दो अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक प्राप्त कर पाता था, लेकिन आज परिस्थितियां बिल्कुल पलट गई है. अब अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतिस्पर्धाओं में भारत एक नई पहचान बनाने में सफल हुआ है. इसरो के शोध ने अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान के क्षेत्र में एक नई पहचान बनाई है. आज भारतीय मूल के लोग विश्व के किसी भी देश में रह रहे हैं. वे, भारत का नाम अपनी मेहनत से रोशन कर रहे हैं. एक समय था, जब अंग्रेज भारत पर राज करते थे, वही एक भारतीय मूल का एक व्यक्ति इंग्लैंड के प्रधानमंत्री तक बना. कल और आज के भारत की विकास यात्रा में आमूल चूल परिवर्तन नजर आ रहा है. स्वामी विवेकानंद ने शिकागो की धर्म सभा में जो शंखनाद किया था,आज वह जमीन पर उतरता नजर आ रहा है. आज भारत एक नए युग में प्रवेश कर चुका है. समस्त देशवासियों को एक सुदृढ़, मजबूत और नए भारत निर्माण का संकल्प लेने की जरूरत है.

विजय केसरी
(कथाकार / स्तंभकार)

स्वतंत्रता दिवस की लातेहार जिले वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

निवेदक
पूनम देवी
जिला परिषद अध्यक्ष, लातेहार, झारखंड

स्वतंत्रता दिवस की लातेहार जिले वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

हीरा प्रसाद यादव अध्यक्ष
प्रदीप सिंह सचिव

निवेदक
आल झारखंड प्रगतिशील शिक्षक संघ सह झारोटेफ, लातेहार

स्वतंत्रता दिवस 2024 की जिले वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

निवेदक
कंचन कुमारी
जिला युवा पदाधिकारी
नेहरू युवा केंद्र, लातेहार

स्वतंत्रता दिवस 2024 की जिले वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

निवेदक
सीतामनी तिर्की
निवर्तमान नगर पंचायत अध्यक्ष
लातेहार, झारखंड

स्वतंत्रता दिवस की चतरा लोकसभा वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

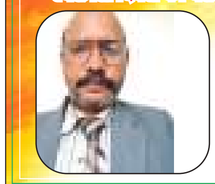

निवेदक
इंद्रनाथ प्रसाद
(पीएलवी) कानूनी सहायता केंद्र
महुआडांड, लातेहार

स्वतंत्रता दिवस की चतरा लोकसभा वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

निवेदक
रंजीत यादव
उपाध्यक्ष, राजद, लातेहार

स्वतंत्रता दिवस की चतरा लोकसभा वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

निवेदक
लक्षमण यादव
सदस्य झारखंड राज्य पिछड़ा आयोग, लातेहार, झारखंड

स्वतंत्रता दिवस की तमाम जिला वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

निवेदक
लाल मोती नाथ शाहदेव
जिला अध्यक्ष, झामुमो, लातेहार

स्वतंत्रता दिवस की तमाम जिला वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

निवेदक
महताब आलम
जिला अध्यक्ष, अल्पसंख्यक मोर्चा, भाजपा, लातेहार

स्वतंत्रता दिवस की चतरा लोकसभा वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

निवेदक
राजधनी प्रसाद यादव
भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सह पूर्व जिला 20 सूत्री उपाध्यक्ष, लातेहार, झारखंड

स्वतंत्रता दिवस की चतरा लोकसभा वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

निवेदक
आफताब आलम
युवा कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष, लातेहार

78 वें स्वतंत्रता दिवस की चतरा लोकसभा वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

अनूप कुमार महासचिव
अतुल कुमार जिला अध्यक्ष
एकीकृत सहायक अध्यापक संघ, लातेहार

स्वतंत्रता दिवस की तमाम जिला वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

काली चरण सिंह सांसद सह अध्यक्ष
कृष्णा प्रसाद एनजीओ, अध्यक्ष
अंजू गुप्ता सचिव
प्रो पीके तिवारी प्राचार्य

निवेदक
बनवारी साहु महाविद्यालय, लातेहार

स्वतंत्रता दिवस की चतरा लोकसभा वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

ओबीसी समुदाय की आवाज को बुलंद करने के लिए तत्पर

निवेदक
शत्रुघ्न प्रसाद
जिला अध्यक्ष, ओबीसी मोर्चा, लातेहार जिला

स्वतंत्रता दिवस की लातेहार जिले वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

निवेदक
माबेल टोप्पो
साक्षी गैस सर्विसेज
बाइपास चौक, लातेहार

स्वतंत्रता दिवस 2024 की गारू प्रखंड एवं मनिका विधानसभा क्षेत्र वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

रामचंद्र सिंह
विधायक, मनिका

मनोज यादव
विधायक प्रतिनिधि, गारू

कमरूद्दीन खलिफा
प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष, गारू

मनोज उरांव
प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष, गारू

:: निवेदक ::
प्रखंड कांग्रेस कमिटि, गारू

स्वतंत्रता दिवस की लातेहार जिले वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

:: निवेदक ::
एक शुभचिंतक

स्वतंत्रता दिवस की लातेहार जिले वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

निवेदक
अमीत कुमार पांडेय
जिला अध्यक्ष
आजसू पार्टी, लातेहार

स्वतंत्रता दिवस की लातेहार जिले वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

निवेदक
डा. विवेक विद्यार्थी
प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, लातेहार

स्वतंत्रता दिवस की लातेहार जिले वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

निवेदक
अरूण कुमार दुबे
जिला 20 सूत्री उपाध्यक्ष
लातेहार, झारखंड

स्वतंत्रता दिवस की लातेहार जिले वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

निवेदक
राकेश कुमार दुबे
जिला उपाध्यक्ष
भाजपा, लातेहार

स्वतंत्रता दिवस व आदिवासी महिलाएं : विकास की

पद्मा मिश्रा । जमशेदपुर

आज पूरा देश अपनी स्वतंत्रता का महान उत्सव मना रहा है .वर्षों पूर्व मिली आजादी और जीत के प्रतीकात्मक सपनों में एक और सपना जुड़ गया है अच्छे दिनों के आगमन का ये सुंदर सपना झारखंड प्रदेश की भूमि सुताओं के रोम रोम में उत्साह बन हिलोरें ले रहा है क्या अच्छे दिन आएंगे?-इन अच्छे दिनों की कल्पना आज जनमत की पुकार है ,शोषित पीड़ित आदिवासी बालाओं के अंतःकरण की आवाज है स्वतंत्रता दिवस -इस बार अनेक चुनौतियां लेकर आया है, जिसके साथ आशाओं -उम्मीदों का एक लम्बा कारवां भी है. स्वतंत्रता दिवस, देश की अस्मिता गौरव और सम्मान का एक बहुमूल्य उत्सव -जिसकी आत्मा में समाहित हैं ,हमारे देश और प्रदेश की वो तमाम महिलाएं -जिन्होंने स्वतंत्रता के संघर्ष को राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक स्तर पर एक नया मोड़ दिया था. हमारे झारखण्ड की वीरांगनाएँ आदिवासी महिलाओं ने भी आजादी के सिपाहियों के साथ कदम से कदम मिलाकर-अपना बलिदान दिया और स्वतन्त्र भारत के स्वप्न को साकार किया था . लेकिन अच्छे दिन तब भी नहीं आये थे .

देश को पूर्ण स्वराज्य मिला,सत्ता तो मिली लेकिन वे महिलाएं जो आजादी की लड़ाई में कहीं पीछे छूट गईं ,अपने उत्सर्ग का, का दाय भी न मिला जिन्हें. उन महान आदिवासी झारखंडी महिलाओं के त्याग व् संघर्ष को कभी भुलाया नहीं जा सकता ,.परन्तु आजादी के 75 साल बाद भी हमारे झारखंड की महिलाएं अपने अस्तित्व की लड़ाई आज भी लड़ रही है,वह आज भी अपनी कैद से मुक्त नहीं हो पाई -रूढ़ियों -परम्पराओं की बेड़ियाँ आज भी उसे विवश बनाती हैं .गरीबी और रोजी रोटी की जद्दोजहद से जूझती-अपने अस्तित्व व् अस्मिता की लड़ाई वे आज भी लड़ रही हैं सामाजिक. आर्थिक शोषण की शिकार, घर-परिवार की क्षुधा शांत करने हेतु उन्हें पशुओं की तरह खरीदा बेचा जाता है.,शिक्षा,सभ्यता से कोसों दूर रह केवल भूख और गरीबी का अंकगणित पढ़ने -जानने के लिए मजबूर हैं .

ऐसा नहीं है कि उनमे पढ़ने-लिखने की ललक नहीं या वह दुनियां के और-छोर देखना नहीं चाहतीं,,या विकास की मुख्या धारा से जुड़ना नहीं चाहतीं ,लेकिन उनके विकास की गंगा न जाने किन घाटियों में विलीन हो जाती है.,उनके मूक सपनो को ग्रहण लग जाता है क्योंकि उनके उत्थान के सारे प्रयत्न, सहायता राशि शून्य में या कागजों में ही अंकित होकर रह जाती है,.उन्हें नहीं मिल पाती ,,,एक साधन संपन्न ,खनिज सम्पदाओं का धनी प्रदेश अपनी भूमि -सुताओं के साथ न्याय नहीं कर पाया है, वे नहीं जानतीं कि स्वतंत्रता का अर्थ क्या है ?,उनके अधिकार क्या हैं?,क्यों वे शिक्षा, रोजी, रोटी या विकास से मरहूम हैं ?,

वे भी प्रतिभा सम्पन्न हैं,ऊंचाइयों को छू पाने और अच्छे दिनों के आने का सपना उन्होंने भी देखा है. उचित मार्गदर्शन मिलने पर अपनी उपलब्धियों के द्वारा हर चुनौती को पार कर दिखाया है . विगत दस वर्षों में हमारे प्रदेश झारखण्ड की महिलाओं ने सफलता के नये नये कीर्तिमान स्थापित कर क्षितिज की ऊंचाइयों को छुआ है -अपने सपनों को नई उड़ान दी है,बहुभाषा भाषी ,बहुधर्मा -संस्कृति बहुल प्रदेश में सपने अगर सजते हैं तो संवरते भी हैं -और आकाश छूते शिखरों की ऊंचाई से लेकर-रतनगर्भा धरती के कोने कोने पर इन महिलाओं ने विजय पाई है,महिला उपलब्धियों का आकाश ऊँचा है,इन आदिवासी और गरीब महिलाओं को पंख मिले तो वे सारे संसार को अपनी मुट्ठी में कैद कर पाने की क्षमता रखती हैं .अपने सुख-दुःख को भूल -अपने संघर्ष के बल पर वे निरंतर आगे बढ़ रही है. इस प्रदेश की यह भी विशिष्टता रही की पहली बार आयोजित नगर निकाय के चुनावों में महिलाओं की ,प्रधानता थी और पहली बार घर-आंगन की सीमा लाँघ कर उन्होंने समाज के विकास की दिशा में अपनी भूमिका सशक्त ढंग से निभाने की और अपना कदम बढ़ाया, यह सरकार की और से उठाया गया एक सर्वश्रेष्ठ कदम था,जिन्होंने महिलाओं को आत्म सम्मान देकर उन्हें स्वावलम्बी भी बनाया है दीपिका, बचेंद्री पाल,प्रेमलता अग्रवाल, जैसी महिलाओं पर झारखंड को नाज है,क्योंकि हमारे प्रदेश में यदि संवेदना, मानवता,कर्मठता-ममता जीवित है तो इन विजयिनी -सशक्त मनोबल वाली कर्मठ महिलाओं की ही बदौलत जो कलम भी चलाती हैं और उद्योग भी,सृजनकर्ता भी हैं और विघ्नहर्ता भी,-हम जूझ रहे हैं साथ लिए.

सपनों के सुंदर ताजमहल
श्रम संघर्षों की आवाज उठी -

-क्या अच्छे दिन आएंगे ?'लेकिन जो भूमि सुतायें विकास की धारा से कोसों दूर पीछे छूट गईं हैं, अशिक्षा, गरीबी, अन्धविश्वास और रूढ़िवादिता की बेड़ियों में जकड़ी हुई हैं,उनका उत्थान -विकास ज्यादा जरुरी है-स्वतंत्रता की पहचान उसका उद्देश्य ,अर्थ क्या है,,उनके लिए यह जानना भी जरुरी है,उनके जीवन यापन के लिए खेती योग्य भूमि प्रदान करना,,कृषि के नए आधुनिक तरीकों से परिचित करवाना , उनकी शिक्षा की उचित व्यवस्था ,, उन्हें सामाजिक और क़ानूनी सुरक्षा देना,भी सरकार का ही कार्य है, तभी झारखण्ड की नारी अपने मनोबल को ऊँचा रख कर अपने प्रदेश ,-परिवार ओर्र समाज की सेवा कर पाएगी ,हाँ ,चुनौतियां बढ़ीं हैं ,पीढ़ियों की सोच को बदलने के लिए बहुत कुछ अभी किया जाना बाकी है, प्रयास करते रहना है क़ि हम उनके साथ न्याय कर सकें,..उनको स्वतंत्रता के वास्तविक अर्थ कोसमझाने की जरूरत है, स्वतंत्रता सबके हित में हो ,,वर्ग,लिंग,ज़ाति की विभिन्नताओं से परे हो .,तभी अच्छे दिन आ पाएंगे लेकिन महिलाओं की स्वतंत्रता का अर्थ उन्मुक्तता नहीं , बल्कि व्यक्तित्व के विकास के समान अवसर उपलब्ध कराना हो तभी वह अपना आसमान खुद बना पायेगी-ये वीर महिलाएं हमारे समाज का गौरव हैं,परिवार की धुरी हैं जहाँ संस्कारों के बीजमंत्र पनपते हैं प्रदेश के विकास के लिए इनका विकास ,ज्यादा जरुरी है,तभी हमारी स्वतंत्रता का सार्थक रूप साकार हो पायेगा -और वो स्वतंत्रता जहाँ हिंसा,गरीबी,आतंक,अशिक्षा ,रूढ़ियों को कोई जगह नहीं होगी वहीं खिलेगा हमारी उम्मीदों का सूरज !,अच्छे दिन जरूर आएंगे .

मां यूं जो उड़ता आज तिरंगा हमारे घर पर
अमृत महोत्सव मनाते मिल सारे घर पर.
क्यों सोते हम छत बनाकर आसमां के नीचे
लहराता मेरा भी तिरंगा किनारे घर पर.
घरौंदा में लगा तिरंगा कब तक गाएं गान
लहराता न तिरंगा हवा सहारे घर पर.
दौड़-दौड़ के न फहराते यहां- वहां तिरंगा
मैं भी खाता मीठा, मिल हम हमारे घर पर.
होगा कब से चारदीवारी-छत "विश्वकिरण"

उड़ता तिरंगा

हम भी लहराएं तिरंगा हमारे घर पर.

विश्वकिरण

किस तरह अर्चन करें,तू ही बता मां भारती,हम
अकिंचन क्या करें, कैसे उतारें आरती ,
तप रही है यह धरा, कांपता अम्बर यहां,
तम विरोधाभास से, गहरा गया मेरा जहां.
इक किरण कि ज्योत से, है चेतना जलने लगी,
अब हिमालय कि जड़ें भी दग्ध हो हिलने लगी,
हो विकल अब वेदना से, सृष्टि है चित्कारती,
हम अकिंचन क्या करें , कैसे उतारें आरती,
बंट गये हैं दो नयन ही ,सरहदों के तार से,
छलछला कर नैन नम, होते हृदय उद्‌गार से,
पीर है मां भारती की, भाई-भाई बंट गए,
स्वार्थ की आरी से देखो, अंग कितने कट गए.
रो रहा मां का हृदय, आंख सूनी निहारती.
हम अकिंचन क्या करें, कैसे उतारें आरती ."

तुषार कश्यप

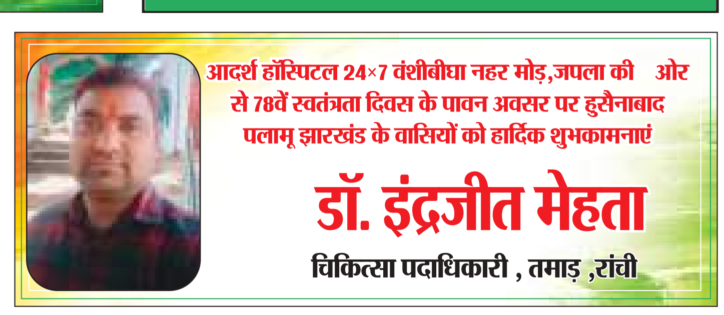

हजारीबाग के भुसाई गांव से मातृभूमि की सुरक्षा में लगे हैं 80 परिवारों के 150 युवा

सरहद के रखवालों का एक गांव

भुसाई के ग्रामीण भारत माता का कर्ज अदा करने और फर्ज निभानेवालों को ही मानते हैं जिम्मेवार नागरिक

यहां रग-रग में बहता है राष्ट्रप्रेम का जज्बा, घर-घर के युवा सरहद पर मर-मिटने को तैयार

हजारीबाग

हजारीबाग का एक छोटा सा गांव भुसाई पूरे देश में राष्ट्रप्रेम की मिसाल कायम कर रहा है. हजारीबाग जिला मुख्यालय से लगभग 30 किलोमीटर दूर इचाक प्रखंड में है. इस गांव की सड़कों और घरों में सन्नाटा पसरा रहता है, क्योंकि यहां के युवक सरहद एवं विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों में अपनी सेवा दे रहे हैं. लगभग 80 घरों की यह बस्ती, जिसमें 150 से अधिक युवक फौज एवं अन्य सुरक्षा एजेंसियों में अपनी अहम भूमिका निभा रहे हैं. गांव के लोग कहते हैं कि हमारे पूर्वज इस देश को आजाद कराने में अपना घर परिवार सब कुछ बलिदान कर दिया. ऐसे में ग्रामीण मानते हैं कि देश की सुरक्षा करना पहली जिम्मेवारी है. इस कारण गांव के अधिकांश युवक सीमा सुरक्षा में अपनी अहम भूमिका निभा रहे हैं. वहीं जो युवक फौज में नहीं जा पाए, वह सीआरपीएफ, झारखंड पुलिस या फिर अन्य राज्यों में सुरक्षा देने का काम कर रहे हैं.

गांव के युवक अभिनव सिंह बताते हैं कि इन लोगों का गांव फौजियों का गांव है. गांव के भाई, चाचा सब सुरक्षा में अपना अहम योगदान दे रहे हैं. इन लोगों की भी इच्छा है कि हम भी देश सुरक्षा में अपनी भूमिका निभाएं. इस कारण ये लोग सुबह-शाम तैयारी भी करते हैं. गांव में एक मैदान है, जहां हरदम कोई न कोई युवक तैयारी करते हुए दिख जाएगा. कोई दौड़ते हुए, तो कोई एक्सरसाइज करते हुए दिखते हैं.

युवक रोहित कुमार सिंह बताते हैं कि यहां के हर एक युवा की रगों में देशभक्ति का खून बहता है. इस कारण फौज एवं विभिन्न सुरक्षा एजेंसी में जाने की तैयारी करते हैं. बहुत कम ही ऐसे युवक हैं जो दूसरी नौकरी के लिए प्रयास करते हैं. कुछ ऐसे भी युवक हैं, जो लोगों को फौज में जाने की तैयारियों का टिप्स देते हैं. कुछ रिटायर्ड फौजी हैं, उनसे भी ग्रामीणों को जानकारी मिलती है कि परीक्षा की तैयारी कैसे करनी है.

इस गांव के एक युवक ने फौज में जाने का प्रयास किया. लेकिन लंबाई कम होने के कारण उनका सलेक्शन नहीं हो पाया. ऐसे में अब वे गांव के अन्य युवकों को ट्रेनिंग देते हैं. सुबह शाम युवकों को मैदान में बुलाया जाता है और फिर कैसे खुद को फिट रखें, ऊंची कूद, लंबी कूद, दौड़ समेत अन्य विधाओं की जानकारी देते हैं. यही नहीं जब लड़कों को ट्रेनिंग दी जाती है, उस वक्त भी देश भक्ति गीत अन्य युवक गुनगुनाते हैं ताकि उत्साह में कमी ना हो.

जब कस्तूरीखाप के सेनानी ने फिरंगियों की फौज का डटकर किया था मुकाबला

आजादी के परवानों में शुमार कुंवर लुतवरण सिंह की तीसरी पीढ़ी में भी भरा है देशभक्ति का जज्बा

सन 57 में चतरा फांसी तालाब पर किया था विद्रोह, हब्शी कैंप रांची में भी दिया था योगदान

हजारीबाग

हजारीबाग के कटकमदाग प्रखंड स्थित कस्तूरीखाप की माटी ने भी देशभक्तों को जन्म दिया है. यहां के कुंवर लुतवरण सिंह उन स्वतंत्रता सेनानियों में एक रहे हैं, जिन्होंने फिरंगियों की फौज का डटकर मुकाबला किया था. भारत के पहले स्वतंत्रता संग्राम सन 1857 के सिपाही विद्रोह में उन्होंने अपने चंद साथियों के साथ मिलकर विद्रोही सेना बनाई थी. सेना की इस टुकड़ी ने अंग्रेजों की बड़ी फौज को नाको चने चबवा दिया था. लाल विश्वनाथ शाहदेव और बाबू वीर कुंवर सिंह के सानिध्य में रहने वाले कुंवर लुतवरण सिंह पर भी देश को आजाद कराने का जुनून सवार था.

छात्र जीवन में ही वह विद्रोही सेना में शामिल होकर फिरंगियों के खिलाफ आजादी का बिगुल फूंक दिया था.

दादा जी की बहादुरी की गाथा पिता जी सुनाते थे : कुंवर सिद्धार्थ शंकर रॉय

यह जानकारी देते हुए उनके पौत्र कुंवर सिद्धार्थ शंकर रॉय बताते हैं कि उनके पिता स्व. धनुषधारी सिंह उर्फ ननका बाबू उन्हें दादा जी की बहादुरी की गाथा सुनाते थे. उन्होंने बताया कि चतरा फांसी तालाब के पास तब विद्रोही सेना का गठन किया गया था. उसमें शामिल नौजवान अंग्रेजों के खिलाफ लोहा लेने को तैयार थे. सभी ने उनका साथ भी दिया. उसी दौरान रांची में लगे हब्शी कैंप में भी उन्होंने योगदान दिया था. कुंवर तुलवरण सिंह तब छोटानागपुर का नेतृत्व करते हुए विद्रोही सेना ने अंग्रेजी हुकूमत का विरोध किया था. भारत मां के वीर सपूत मंगल पांडेय की शहादत के वह गवाह थे. हाल ही में आजसू का दामन थाम राजनीति में कूदे कुंवर सिद्धार्थ शंकर रॉय कहते हैं कि उनकी रगों में उनके दादा जी खून दौड़ता है.

हर वक्त जुबां पर देशगान चाहिए

वह संदेश देते हैं कि पूर्वजों ने हमें जिस हिन्दुस्तान को आजाद कर हमें सौंपा, उसकी रक्षा करना और संवारना हमारा नैतिक दायित्व और कर्तव्य बनता है. मेरी माटी मेरा देश ही हमारा धर्म और ईमान है. अंत में गीत गुनगुनाते हैं कि न तीर चाहिए, न कमान चाहिए, युद्ध का न कोई सामान चाहिए, हर वक्त जुबां पर देशगान चाहिए, अंत तमन्ना यही मेरी, मरते वक्त भी जुबां पर देशगान चाहिएऔर वंदे मातरम के नारे के साथ अपने दादा की वीरता की कहानी का समापन करते हैं.

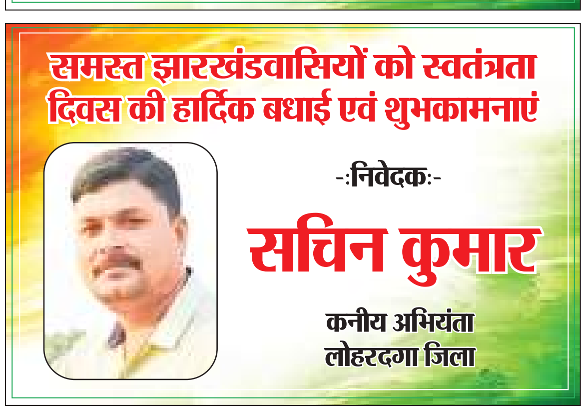

पहाड़ी मंदिर में फहरा था जश्न-ए-आजादी का तिरंगा

राजन बॉबी ।रांची

राजधानी के सिरमौर पहाड़ी मंदिर, देश का ऐसा पहला धार्मिक स्थल है, जहां जश्न ए आजादी का पहला तिरंगा फहराया गया था. 14 अगस्त 1947 को मध्य रात्रि जैसे ही देश के स्वतंत्रता होने की सूचना आम हुई, चारों ओर खुशी और उत्साह की लहर दौड़ गयी. झारखंड की प्राचीन राजधानी चुटिया सहित सभी जगहों से राष्ट्र भक्त गाजे-बाजे के साथ जुलूस की शक्ल में पहाड़ी पहुंचे. बताया जाता है कि आधी रात को संसद के सेंट्रल हॉल में जब पंडित जवाहर लाल नेहरू शपथ ले रहे थे, उसी वक्त पहाड़ी मंदिर में भी स्वतंत्रता सेनानी कृष्णाचंद्र दास के नेतृत्व में तिरंगा फहराया गया था. सारी रात जश्न ए आजादी मनायी गयी थी.तभी से स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर झंडा पहराने की परंपरा शुरू हुई, जिसका निर्वहन आज भी पूरे शिद्दत से किया जा रहा. वेटिकन सिटी के बाद यह दूसरा धर्मस्थल, जहां राष्ट्र ध्वज फहराया जाता है.

पहाड़ी मंदिर विकास समिति के राजेश कुमार साहू राजू ने बताया कि गुरुवार को भी मंदिर में ध्वजारोहण कर आजादी का जश्न मनाया जाएगा.

सामाजिक समरसता के क्या कहने : जश्न एक आजादी के मौके पर सामाजिक समरसता का जो मिसाल देखने को मिला था, उसकी बानगी शब्दो में बयां करना मुश्किल है. जाति-धर्म और वर्ग का भेद मिट गया था. पहाड़ी मंदिर विकास समिति के बंटी शर्मा बताते हैं कि यह बात उन्होंने पिता और दादा जी सहित अन्य लोगो से सुना था. जानकारी के अनुसार उन्होंने बताया कि झांगुर दुसाध ने राष्ट्र ध्वज का निर्माण किया था.

चुटिया के नागेश्वर साव, वकील जुठन साव, जींदा महतो, हरिभजन दास, हरनाम सरदार, बुधवा पहान, राजीव रजक, जलील शाह सहित बड़ी संख्या में लोग भेद-भाव भूल साथ मिलकर आजादी का जश्न मनाया था.

पहले टिरीबुरू, फिर फांसी टूंगरी अब है पहाड़ी मंदिर : पहाड़ी मंदिर का इतिहास काफी पुराना है. बताया जाता हैं कि इसके उदगम का पता वैज्ञानिक भी सही रहत से नहीं लगा पाए हैं.शुरुआती दौर में लोगबाग इसे टिरीबुरू नाम से जानते थे. अंग्रेज के राज में यहां स्वतंत्रता सेनानियों को फांसी पर लटकाया जाता था, जिस कारण इसे फांसी टूगरी कहा जाता था, लेकिन अजादी के बाद से यह पहाड़ी मंदिर के रूप में प्रसिद्ध है.

मंदिर की भी है रोचक कथा : पहाड़ी मंदिर स्थापना की भी रोचक कथा है. बताया जाता है कि यहां एक क्रांतिकारी को अंग्रेजो ने तीन बार फांसी पर लटगाया, लेकिन बार-बार रस्सा टूट जाने से उसे छोड़ दिया गया. उसी ने यहां पहले पूजा-अर्चना की शुरुआत की थी, कुछ बताते हैं कि फांसी देने के दौरान नाग देव के प्रकट होने से अंग्रेज सैनिक भाग गए, तो फांसी दीए जाने वाले व्यक्ति ने ही नाग देव और भगवान महादेव की पूजा करना प्रारंभ कर दिया था, इसके बाद ही यहां मंदिर का निर्माण किया गया था. मंदिर की चोटी पर एक शिलालेख लगा है जिसमें देश की आजादी से संबंधित घोषणा अंकित है.

आजादी के रंग

वीणा नंदिनी
जमशेदपुर

उपकार जो किये थे नव रीत वो सिखाये।
नित शूल मार्ग चलकर चलना हमें सिखाये।।1।।

गतिशील जो किये थे गुणवान थे बड़े वो।
नित नेक मार्ग रहकर रहना हमें सिखाये।।2।।

खुशहाल नित मही हो बलिदान वो दिये थे।
परिवार को सताते फिर जूझना सिखाये।।*।।

नित हाल दिख सदा फिर घर लूटता दिखा घर।
फिर नाद गूंज डटना नित जीत वो सिखाये।।4।।

नव राष्ट्र आज प्रांजल जग देख फिर सही तो।
पग दंड त्रास सहकर पर नेक ही सिखाये।।5।।

पर धन्य देशवासी रिपु धूल यूं चटाया।
फिर नंदिनी बताती नित शांति पथ सिखाये।।6।।

आजादी के मायने : जनतांत्रिक मूल्यों के साथ जीना सीखें हम

" हां ,ये भारतवर्ष ही ,
संसार का सिरमौर है .
ऐसा पुरातन देश कोई,
विश्व में क्या और है ?
भगवान की भव भूतियों का
यह प्रथम भंडार है,
विधि ने किया नर सृष्टि का
पहले यहीं विस्तार है. "

किसी भी देश के स्वभाव में आशा - निराशा के स्वर हमेशा समानुपात भाव से संचरित होते रहते हैं . स्थिति - परिस्थिति कोई भी हो, हम मनुष्य किसी लक्ष्य को पाने के पहले और किसी लक्ष्य को पाने के बाद अलग - अलग दृष्टि से परिस्थितियों और परिणामों का आकलन करते हैं. शायद इसलिए आजादी के सतहत्तर साल पूरा होने के बाद भी जब हम स्वतंत्रता दिवस का उत्सव मनाते हैं तो इस अवसर पर दो अलग-अलग तरह के स्वर हमें सुनाई देते हैं. एक तरफ से उपलब्धियों के जय घोष का स्वर हम तक आता है , तो दूसरी ओर से चुनौतियों के चिंतन और असंतोष की तीखी और कर्कश आवाज भी हम तक पहुंचती है . पर ऐसे विपरीत समय में भी यह जरूरी है कि राष्ट्र का हर नागरिक राष्ट्रप्रेम के बोध को धुंधला न पड़ने दें और अपने हृदय की धरती पर आत्मविश्वास और आत्म गौरव की पताका को लहराता रहे.

"आये नहीं थे स्वप्न में भी जो किसी के ध्यान में,
वे प्रश्न पहले हल हुए थे एक हिन्दुस्तान में !
सिद्धान्त मानव-जाति के जो विश्व में वितरित हुए,
बस, भारतीय तपोबनों में थे प्रथम निश्चित हुए ॥"

भारत कुछ इसी तरह के गौरवशाली इतिहास को अपने चतुर्दिक समेट कर रखता है .हम चिंता भी करते हैं और चिंतन भी. विशिष्ट संस्कृति और विस्तृत जनसंख्या समूह के कारण राष्ट्र के समक्ष हर समय अभूतपूर्व चुनौतियां रही हैं . अच्छी बात यह है कि हम समस्याओं की ही बात नहीं करते बल्कि समाधान पर भी अपनी विहंगम दृष्टि रखते हैं.

किसी भी जीवंत राष्ट्र के लिए यह जरूरी भी है कि हम हमेशा दोनों ही पक्षों पर अपनी दृष्टि रखें .

जब हमारा राष्ट्र आजादी के लिए संघर्ष कर रहा था तो हमारी उम्मीद ही यही थी कि किसी की आंखों में आंसू नजर नहीं आए. प्राथमिकता यह थी कि देश में भले सब अमीर ना हों, पर कोई गरीब भी ना हो, कोई भूखा ना रहे .

इसमें कोई संदेह नहीं कि बहुत सारी ऐसी उपलब्धियां और कामयाबी देश के हिस्से में हैं जो राष्ट्र के गौरव में मयूर पंख लगाते हैं .

आज भारत एक आत्मनिर्भर देश के रूप में एक मजबूत अर्थव्यवस्था के साथ अपने पैरों पर खड़ा हुआ है . देश के सर्वोच्च पद पर आदरणीया द्रोपदी मुर्मू जी का आसीन होना , जनतांत्रिक व्यवस्था और गणतंत्र के प्रति हमारी आस्था को पुष्ट करता है. यह सिर्फ आदिवासी समाज के

सम्मान का ही विषय नहीं, बल्कि देश के महिलाओं के आत्मविश्वास और आत्मसम्मान का द्योतक है.

"आजादी का अमृत महोत्सव " मनाता हुआ यह राष्ट्र आज भी शहीदों की पावन स्मृति के प्रति नतमस्तक होते हुए अपने गौरवशाली भविष्य की ओर बढ़ रहा है. " हर घर तिरंगा " का जयघोष हर व्यक्ति की धमनियों में राष्ट्र के प्रति समर्पित होने वाली भावना का संचार करता है. नई शिक्षा नीति 2020 के दिशा निर्देश के अनुपालन से एक बार फिर शिक्षा में भारतीयता का स्वर गुंजित होगा और देशभक्त युवा पीढ़ी के निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया जायेगा.

पर दूसरी ओर गरीबी का दंश ,नेताओं की भ्रष्टाचार में लिप्तता , उनके आवास और निजी वाहनों से मिलता काला धन, संसद और टी वी चैनलों पर उनकी अमर्यादित भाषा, धर्म और संप्रदाय के नाम पर आपसी वैमनस्यता और वस्तुओं की जमाखोरी इत्यादि ऐसे विषय हैं जो अभी भी हमें चिंता से मुक्त होकर जनतंत्र का गुणगान करने नहीं देते.

निष्पक्ष भाव से मीमांसा करने के लिए आवश्यक है कि हम सभी एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते आत्मावलोकन करें.

'स्वराज्य हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है ' इस पंक्ति की अनुगूँज भारत में फैलाने वाले बाल गंगाधर तिलक ने शायद ही कभी सोचा होगा कि हम भारतीय लोग एक दिन स्वराज्य का अर्थ अपने - अपने हिसाब से लगा बैठेंगे और फिर ये देश हमारे द्वारा दी गई आज़ादी की अलग - अलग परिभाषाओं में जकड़ कर अपनी मूल पहचान खो बैठेगा .

दरअसल आज़ादी का अर्थ सिर्फ उपभोग करना नहीं होता , बल्कि आज़ादी का अर्थ होता है , स्वयं के भीतर एक सकारात्मक ऊर्जा , एक आत्मविश्वास और समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारियों का अहसास जगाना . हर नागरिक इस राष्ट्र में खुद को एक जैसा ही स्वतंत्र और अधिकार संपन्न समझे, ऐसे निर्भीक वातावरण का निर्माण करना.

आज के परिप्रेक्ष्य में हर भारतीय के लिए इस प्रश्न के साथ साक्षात्कार करना बहुत जरुरी है कि स्वतंत्रता के सतहत्तर साल बाद हम सबों के लिए आज़ादी के मायने क्या हैं ? क्या हमारे मन और विचारों की आज़ादी देश की सुरक्षा और अस्मिता - अखंडता से भी अधिक अहमियत रखती है ? यदि जवाब "हाँ" है तो यह किसी भी व्यक्ति और वतन दोनों के लिए ही खतरे का संकेत है .

निष्पक्ष और निर्भीक होकर यदि हम आत्मचिंतन करें तो पाएँगे कि स्वतंत्रता मिलने के इतने साल बाद हमने जिस समाज का निर्माण किया है उसके चेहरे पर हमारी ही गलतियों के कई दाग हैं धर्म , सम्प्रदाय , औरतों के भीतर असुरक्षा की भावना , साक्षरता का निम्न दर , नैतिकता का ह्रास , सरहद पर दम तोड़ते सैनिक , राजनीति की उथल-पुथल , नक्सलवाद और आतंकवाद की आग कुल मिलाकर कह सकते हैं कि अपने निजी स्वार्थ में घिर कर हमने देश को कई सारी बुराइयों के चंगुल में जकड़ दिया है .

धर्म - संप्रदाय की आड़ तले इंसानियत को शर्मसार करने वाली करतूतें , देश के नेताओं का चारित्रिक पतन और धन लिप्सा, अनैतिकता की चरमसीमा तक जा पँहुचने वाली हमारी हरकतें , पर्यावरण के प्रति हमारी संवेदनशून्यता, कहीं न कहीं यह इशारा कर रही है कि हमने आज़ादी का अर्थ नहीं बल्कि अनर्थ लगा लिया है .

भविष्य की अनिश्चितताएं आज भी हमारे बीच बनी हुई हैं .आत्मनिर्भर भारत का घोषित लक्ष्य आज भी अस्पष्ट दिखता है. भूमंडलीकरण और आत्मनिर्भरता इन दोनों के बीच परिस्थितियां अक्सर असंतुलित होती दिखाई देती हैं.

आइये , हम झांकें खुद के भीतर और मुक्तहृदय से स्वीकार करें कि इस राष्ट्र की सुरक्षा में ही हम सबकी सांसें सुरक्षित हैं . तो फिर कीजिए आत्ममंथन कि हम अपने हिस्से का समर्पण अपने राष्ट्र को दे पा रहे हैं या नहीं ? अब सबको खुद के भीतर झांकना होगा .

सवाल हम सबके सामने है कि क्या यही है वो देश जिसकी संकल्पना में हमारे पूर्वजों ने अपना सर्वस्व होम कर दिया था . हम ये कैसे भारत का निर्माण करने जा रहे हैं अपने आने वाली पीढ़ी के लिए जहाँ '''' हम भारत के लोग '''' कथन का गूढ़ अर्थ समझने वाला या समझाने वाला कोई न होगा .आइए, देश को नई दिशा दें , एक ऐसी युवा शक्ति का निर्माण करें जो अपने आत्मा की प्रतिध्वनि सुनें और अपने कर्तव्यों के प्रति ईमानदार हो . ऐसे युवा हैं हमारे इर्द-गिर्द . उनके लिए रास्ता दीजिए, साथ ही अपने अनुभवों की भेंट भी . आज देश तकनीक और अभियांत्रिकी के क्षेत्र में इन ऊर्जस्वित युवाओं के बलबूते ही कामयाबी के सोपान लाँघ रहा है, फिर देशभक्ति और राष्ट्र की गरिमा के आँगन में सवालों का सन्नाटा क्यों ? तो अब देर न करें .आज़ादी की खूबसूरती को बनाये रखने की ज़िम्मेदारी से मुँह न मोड़ें . याद रखें समन्दर की विशालता के पीछे हर उस बूँद की भूमिका है जिसने अपने अस्तित्व को स्वाहा कर समन्दर के अस्तित्व को मजबूत बनाया है . आइए हम सभी उसी बूँद की तरह खुद को गौण रखकर इस भारत भूमि की गरिमा को आलोकित करें .

डॉ कल्याणी कबीर
प्राचार्या, रंभा डिग्री कॉलेज, जमशेदपुर, झारखंड

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
निवेदक
विजय कुमार
उत्क्रमित उच्च विद्यालय बसरिया करेडारी प्रधानाध्यापक

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

जिला मुख्य संयोजक
श्री संजीव कु. बेदिया
झारखंड मुक्ति मोर्चा केंद्रीय सचिव सह झारखंड सरकार राज्य परिवहन प्राधिकार संयुक्त सदस्य एवं हजारीबाग

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

अबु रेहान आलम
अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी ग्राम पंचायत चंदलासो कुडू प्रखंड,लोहरदगा

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

टिंकु महतो
भाजपा आईटी सेल प्रभारी झारखंड प्रदेश

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

अफरोज आलम
सचिव झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रखंड कमेटी कुडू, लोहरदगा

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

खैरूल खान
पंचायत सचिव ग्राम पंचायत सलगी,कुडू लोहरदगा

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
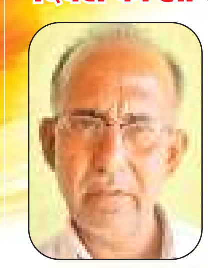
कलीम खान
अध्यक्ष आजसू पार्टी कुडू प्रखंड, लोहरदगा जिला

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

सुमित्रा कुमारी
मुखिया ग्राम पंचायत सलगी कुडू लोहरदगा

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

विजय उरांव
आजसू जिलाध्यक्ष एसटी मोर्चा लोहरदगा जिला

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

लाल पंचमनाथ शाहदेव
पूर्व उप मुखिया ग्राम पंचायत बड़की चांपी,कुडू लोहरदगा

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

प्रवेज आलम
एसजीएसएस लिमिटेड मंत्री कुडू सह अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी ग्राम पंचायत जिंगी, कुडू लोहरदगा

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

दिलीप उरांव
मुखिया ग्राम पंचायत जिंगी कुडू लोहरदगा

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

कमरूल इस्लाम
अल्पसंख्यक कांग्रेस कमेटी जिला उपाध्यक्ष लोहरदगा जिला

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

राजधानी भगत
मुखिया ग्राम पंचायत बड़की चांपी, कुडू लोहरदगा

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

वारिस अंसारी
पूर्व अध्यक्ष झामुमो कुडू प्रखंड लोहरदगा जिला

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

श्रीवास्तव भगत
रोजगार सेवक ग्राम पंचायत सलगी, कुडू लोहरदगा

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

नईम अंसारी
अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी ग्राम पंचायत ककरगढ़, कुडू, लोहरदगा

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

जीतवाहन भगत
पंचायत सचिव ग्राम पंचायत बड़की चांपी कुडू लोहरदगा

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

खुर्शीद खान
अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी ग्राम पंचायत टाटी सह पूर्व पंचायत समिति सदस्य टाटी, कुडू लोहरदगा

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर परिवार सलगी कुडू प्रखंड, लोहरदगा जिला

AISECT UNIVERSITY™
JHARKHAND, HAZARIBAG AN AISECT GROUP UNIVERSITY
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं
Courses Offered
Management: BBA | PGDRD | MBA, MBA (Executive)
Commerce: B.Com. (Hons.), M.Com.
Computer Science & IT: DCA | PGDCA | BCA, B.Sc. (IT) | M.Sc. (IT) | MCA
Agriculture: B.Sc. (Agri.), M.Sc. (Agri.)
Arts: B.A. | M.A. (Education, Hindi, English, History, Economics, Pol.Sc., Sociology, Geography, Psychology, Philosophy) MSW | B.Lib. | M.Lib.
Science: B.Sc. (Hon's.) in (PCM/BZ), M.Sc. (Math) | M.Sc. (Phy) | M.Sc. (Chem) | M.Sc. (Botany) | M.Sc. (Zoology)
Performing Arts: BPA | BFA | MPA | MFA
Yoga & Naturopathy: PG Diploma in Yoga, M.A. (Yoga)
Journalism & Mass Comm.: BJMC | MJ
Education: M.A. (Education)
Diploma In Engineering: Electrical, Mechanical, Mining, Civil, Computer Science & Engineering
D.PHARM, B. PHARM
LL.B LL.M
AMANAT(अमीन) SURVEY COURSE

Dr. Munish Govind
Registrar
AISECT University Hazaribag
Admissions OPEN
Helpline No.
9939555017
8252299990, 8404884433
City Office : Matwari Chowk, In front of Gandhi Maidan, Matwari, Hazaribag (Jh) 825301
Main Campus : Vill - Jonhiya, Po - Maheshra, Ps - Daru, Dist - Hazaribag (Jharkhand) - 825313

आजादी के मायने : मधुर संगीत-सुखद अहसास

सारिका भूषण

आजादी एक मधुर संगीत है , एक सुखद अहसास है और जीने का कारण भी .कभी रूसो ने कहा था कि मनुष्य स्वतंत्र पैदा हुआ है पर वह चौतरफा ज़ंजीरों से बंधा हुआ है . इसीलिए अब यह हम पर निर्भर करता है कि हम कैसे ख़ुद को इन जंजीरों से मुक्त करते हैं . आजादी के सही मायने भी तो यही आजादी है . टेन की , मन की , विचारों की और जीने की आजादी !

आजादी एक अहसास है खुली हवा में सांस लेने का. बिना किसी भय अपनी बात कहने का. आजादी अधिकार है, तो एक बड़ी ज़िम्मेदारी भी , जिसका निर्वहन करने के लिए हम बाध्य हैं . जिन महान उद्देश्यों के लिए आजादी की लड़ाई लड़ी गई, उन्हें हासिल करना आजादी को बचाए रखने के लिए जरुरी है . वरना आजादी का जश्न महज़ एक औपचारिकता बनकर रह जाएगा.

आजादी के इतिहास से हम सब वाकिफ़ हैं लेकिन क्या यह पता है कि 15 अगस्त का दिन ही क्यों चुना गया ? शुरुआती योजना के अनुसार जून , 1948 में आजादी मिलने का प्रावधान था . लेकिन जिन्ना अलग देश की माँग पर अड़ गए और देश में सांप्रदायिक दंगे शुरू हो गए . हालात को बदतर होता देख उससे पहले ही आजादी देने की बात तय हो गई . माउंटबेटेन 15 अगस्त की तारीख को शुभ मानते थे क्योंकि द्वितीय विश्वयुद्ध के समय 15 अगस्त 1945 को जापानी आर्मी ने आत्मसमर्पण किया था और उस समय माउंटबेटेन अलाइड फोर्स के कमांडर थे . बाद में भारतीय ज्योतिषियों और माउंटबेटेन की अडिगता को देखते हुए 14 और 15 अगस्त की रात 12 बजे का समय तय किया गया .

कवि गोपाल सिंह नेपाली जी की प्रसिद्ध कविता है :

झूम-झूम बदलियाँ, चूम-चूम बिजलियाँ
आंधियाँ उठा रहीं , हलचलें मचा रहीं !
लैड रहा स्वदेश हो , शांति का न लेश हो ,
क्षुद्र जीत-हार पर, यह दिया बुझे नहीं !
यह स्वतंत्र भावना का स्वतंत्र गान है !

आजादी तो हमें सालों पहले मिल गई लेकिन आजादी के साथ जुड़े कर्तव्यों को शायद हम भूलते जा रहे . हमारे पड़ोसी देश चीन में हमारी जैसी आजादी नहीं है , लेकिन कर्तव्य अनिवार्य हैं जिसके कारण वह दूसरी महाशक्ति बनता जा रहा . चाहे वह कोई भी क्षेत्र हो जैसे खेल कूद , आधुनिकतावाद , औद्योगिक विकास , हर जगह वह अपना झंडा गाड़ता जा रहा . बस हमें भी देश के प्रति अपने आजाद नागरिक होने के कर्तव्य को ईमानदारी से निभाना है .

गांधीजी के लिए भी आजादी महज एक राजनीतिक लड़ाई नहीं थी . आजादी के लिये उनका सपना समग्रता में सामाजिक निर्माण का था, अंतिम आदमी के आंसू पूछने का था . कुछ हद तक हम सफल हुए हैं पर अभी भी सफर बाक़ी है .

(लेखिका कवयित्री, लेखिका एवं लघु कथाकार हैं)

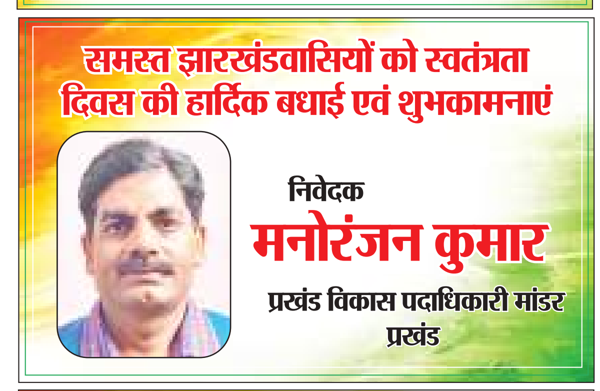

वीर शहीदों से झारखंड चमचमा, उनकी वीरता ने अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिए थे

अनिता रश्मि

ब्रिटिश शासन को औकात दिखलानेवाले अनगिन, ज्ञात-अज्ञात वीर शहीदों से झारखंड चमचमा रहा है. उनकी वीरता ने अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिए थे. अनेक महावीरों ने प्रथम सिपाही विद्रोह अर्थात गदर से पूर्व ही क्रांति का बिगुल बजाया था. उनमें से कुछ के नाम ज्ञात हैं, जैसे - सिद्धो-कान्हों, चांद-भैरव मुर्मू भाइयों और उनकी बहनें फूलो-झानो, बिरसा मुण्डा, विश्वनाथ शाहदेव, नीलाम्बर-पीताम्बर, शेख भिखारी, टिकैत उमराव सिंह, जयपाल सिंह, पाण्डेय गणपत राय, नादिर अली-जयमंगल पाण्डेय आदि अनेक. कुछेक अदम्य साहस के धनी वीर गुमनामी के अंधेरे में गुम गए.

चुटिया नागपुर के अपभ्रंश छोटानागपुर के इस जीवंत, ऐतिहासिक शहर रांची के मध्य में रिची बुरु है अर्थात रांची पहाड़ी. वनवासी पहाड़ को बुरु कहते हैं.

कभी की रिची, रंची, अराची नाम से प्रसिद्ध झारखंड की राजधानी रांची बाद में किसुनपुर कहलाई. फिर कालांतर में रांची.

रांची नगरी के बीचोंबीच स्थित एक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल पहाड़ी मंदिर है. उस पर भगवान शिव का मंदिर काफी प्राचीन है. देश की आजादी से पहले यह अंग्रेजों के कब्जे में था. वे आततायी अंग्रेज स्वतंत्रता सेनानियों या विद्रोह करनेवालों को हर तरह से प्रताड़ित करते थे. सर पर कफन बाँधकर निकले आजादी के दीवानों को इसकी परवाह न थी. क्रूर अंग्रेजों ने पहाड़ी के ऊपर फैले घने वृक्षों पर ऐसे साहसी सपूतों को फाँसी पर लटका दिया था. हालांकि अब वे वृक्ष बचे नहीं, फिर भी यहाँ के गाछों पर कभी टाँग दिए गए थे आजादी के परवाने...जिन्दा या मुर्दा. आम लोगों को सीख देने का यह उनका क्रूरतम तरीका था.

यहां फांसी पर लटकाए गए किसी शहीद का नाम अब तक पता नहीं चल पाया है लेकिन रांची पहाड़ी के वृक्षों पर क्रांतिवीरों को थोक में फाँसी दी गई थी.

इसीलिए रांची पहाड़ी को कहते हैं फंसरी टुंगरी! अहिंसक स्वतंत्रता सेनानी, गाँधी जी के परम भक्त, शहीद जतरा भगत के अनुयायी टाना भगतों ने इसका नामकरण किया था. और यह बेवजह नहीं था. पहाड़ी को टुँगरी भी तो कहते हैं वनवासी.

1947 की अर्द्धरात्रि को आजादी मिलते ही रात बारह बजे पहली बार रांची में शहीद स्वतंत्रता सेनानियों की याद और सम्मान में पहला तिरंगा झंडा शिव मंदिर के झंडे संग रांची पहाड़ी या रिची बुरु की चोटी पर ही फहराया गया था. इसे रांची के एक स्वतंत्रता सेनानी कृष्ण चंद्र दास ने फहराया था. उस समय से हर साल स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर यहां ध्वजारोहण होता है.

पहाड़ी के ऊपर एक पत्थर है, जिस पर देश की आजादी का संदेश 14 और 15 अगस्त, 1947 की आधी रात को लिखा गया है. सर पर कफन बाँधकर चलनेवाले गुमनाम क्रांतिकारियों की शहादत को जीवित रखने के लिए यह छोटा सा प्रयास था.

शहर की छाती पर सदियों से शान से खड़ी रांची पहाड़ी देश का इकलौता देवालय है, जहाँ ईश आराधना के साथ आन-बान-शान से राष्ट्रीय ध्वज भी लहराता है, राष्ट्रीय गान की धुन से गूँज उठती है पहाड़ी. हर राष्ट्रीय पर्व पर पुरखों का वह अप्रतिम अबोलता सा गुम बलिदान याद किया जाता है. फिर भुला भी दिया जाता है.

कालांतर में इस पहाड़ी पर शहादत को याद रखने के लिए देश का सबसे ऊँचा तिरंगा झंडा लगाया गया. कुछ दिनों तक वह बड़ा ध्वज लोगों को आकर्षित करता रहा लेकिन अब सिर्फ पोल है, तिरंगा गायब! अतिक्रमण और प्रदूषण की मार झेलता ढहता हुआ रिची बुरु उस विशाल तिरंगे की ताब ना झेल सका, उसे हटाना पड़ा.

यह मंदिर समुद्र तल से 2140 फीट और जमीन से 350 फीट ऊपर स्थित है. मुख्य मंदिर तक पहुँचने के लिए 468 सीढ़ियाँ चढ़नी पड़ती हैं.

प्रत्येक सावन में भगवाधारी काँवरियों की भीड़ देखते बनती थी, है. "बोल बम" के नारों से पट जाती हैं सारी सड़कें. रिची बुरु के दूसरे छोर पर स्थित स्वर्णरेखा नदी से जल लाकर काँवड़िए पहाड़ी मंदिर में शिवलिंग का अभिषेक करते हैं. शिवरात्रि और सावन के महीने में शिव भक्तों की एक बड़ी भीड़ यहाँ आती है. आदिवासी यहाँ रहनेवाले नाग की पूजा पहले करते हैं फिर शिव की क्योंकि नागवंशी राजाओं की गढ़ रही है रांची.

यहां से पूरी रांची का विहंगम दृश्य नजर आता है. पार्श्व में स्थित 1842 में ब्रिटिश नेशनल कर्नल ओंसले के द्वारा निर्मित काफी शांत और तीन टापुओंवाली बड़ी राँची झील (बड़का तालाब) भी. शहर के हर इलाके से फंसरी टुंगरी आसानी से पहुँचा जा सकता है. अब बड़ा सा भव्य गेट बन गया है और कई अन्य मंदिर. इसकी सीढ़ियों पर लगे शेड के कारण अब वृक्षादि कम नजर आते हैं. पहले खुले वातावरण में चोटी पर एक ही श्वेत रंग का मंदिर था और चारों तरफ गाछों से आच्छादित सोपान.

लेकिन रांची पहाड़ी मात्र भक्ति का केंद्र नहीं, राष्ट्र भक्ति का भी केंद्र बिंदु है, युवा-किशोर फंसरी टुंगरी या फाँसीगढी की इस सच्चाई को नहीं जानते, समझते. कड़वा सच है कि झारखण्ड के बहुत से गुमनाम शहीदों के बारे में आज के अधिकांश युवा को एकदम जानकारी नहीं है.

स्वतंत्रता की बलिवेदी पर अपने राज्य के कितने जांबाजों ने कुर्बानी दी, न जाने किन-किन जगहों पर कदंब, आम आदि के पेड़ों पर उन्हें लटका दिया गया है, इसे बताने के लिए, उनके बलिदान को याद रखने के लिए उन बच्चों, किशोरों, युवाओं के बीच इतिहास बाँचने की जरूरत है. इस दिशा में कुछ कदम पूर्व में बढ़ाए गए थे, कुछ अभी कोशिशें की जा रही हैं. उनमें राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत का नवीन प्रयास सराहनीय है.

ब्रिटिश काल में 'हैंगिंग गैरी' में बदल गई रिची बुरु रांची का हृदय है. इसे बचाए-जिलाए रखने की आज बेहद आवश्यकता है.

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

जनमजेय गोप
कर्मठ समाजसेवी, प्रखंड इटकी रांची

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

मुर्तजा आलम
आजसू जिला सचिव रांची झारखंड

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

खालिद अंसारी
समाजसेवी लावागाई कुडू लोहरदगा

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

लखन लकड़ा
मुखिया मल्टी पंचायत, प्रखंड इटकी रांची

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

निवेदक
रवी कुमार
प्रखण्ड विकास पदाधिकारी सह आंचलाधिकारी, रातू

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

रामेश्वर लोहरा
जिला प्रभारी अईमीम सह प्रत्याशी लोहरदगा विधानसभा

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शंकर उरांव
झामुमो प्रखंड अध्यक्ष कुडू प्रखंड, लोहरदगा,

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

राजकुमार मुंडा
अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी किस्को मंडल, लोहरदगा

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर पिस्का मोड़ व रांची जिला सहित समस्त झारखंड वासियो को हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक
सुनील सोनी
समाजसेवी, पिस्का मोड़

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

रीना देवी
जिला परिषद सदस्य, प्रखंड इटकी राँची

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

मनोहर साहू
स्टेट कॉर्डिनेटर ओ. बी. सी. सेल, झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

फ्रांसिस्का करकेट्टा
अध्यक्ष मुखिया संघ सह मुखिया कुंदी पंचायत, प्रखंड इटकी राँची

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

निवेदक
गोविंद कुमार
थाना प्रभारी मैक्लुस्कीगंज थाना

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

रजनी उरांव
मुखिया गड़गांव पंचायत प्रखंड इटकी रांची

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

रीता देवी
मुखिया इटकी पूर्वी पंचायत, प्रखंड इटकी राँची

RADHA GOVIND SHIKSHA SWASTHAYA TRUST
(Under Indian Trust Act 1882)
Extends Best Wishes and Compliments on the eve of 78th Republic Day to the people of jharkhand
Radha Govind University, Ramgarh, Jharkhand
Radha Govind Sr Sec, Public School Ramgarh, Jharkhand
Radha Govind Inter College, Ramgarh, Jharkhand
Radha Govind High School, Ramgarh, Jharkhand
Baijnath Sah
Chairman, RGSST

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

निवेदक
अब्दुल्ला अंसारी
पूर्व जिला परिषद सदस्य सह मजदूर नेता, खलारी

ADITYA BIRLA
HINDALCO
हिण्डाल्को इण्डस्ट्रीज लि.
चकला कोल माइंस परिवार की ओर से
स्वतंत्रता दिवस 2024 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
जय हिंद, जय भारत

झा. मु. मो.
Happy 78 INDEPENDENCE DAY

78वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं!
आज का दिन हमें उन सभी महान स्वतंत्रता सेनानियों की याद दिलाता है, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर हमें आजादी दिलाई।
यह पर्व हमारे देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विविधता में एकता का प्रतीक है।
हमारे झारखंड राज्य और विशेषकर गढ़वा विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए हम सभी को एकजुट होकर कार्य करना है।
शिक्षा, स्वास्थ्य, और स्वावलंबन के क्षेत्र में हमें नई ऊंचाइयों तक पहुंचना है।
आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर हम संकल्प लें कि हम अपने देश और राज्य की प्रगति के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।
जय हिंद!
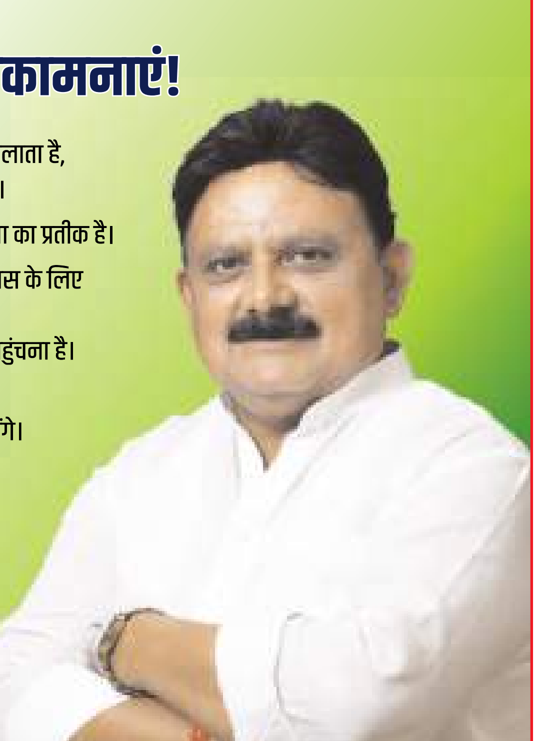
मिथिलेश कुमार ठाकुर
मंत्री, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखण्ड सरकार
-सह - विधायक गढ़वा
निवेदक : झारखण्ड मुक्ति मोर्चा, गढ़वा, झारखण्ड

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं
निवेदक
मृत्युंजय शर्मा
चुनाव प्रबंधन प्रमुख- भाजपा, झारखंड प्रदेश

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर बुढ़मू/रातू प्रखंड व रांची जिला सहित समस्त झारखंड वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
निशांत कुमार
बीडीएस ब्रिक्स

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
कमलेश राम
प्रदेश उपाध्यक्ष
भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा, झारखंड

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
अनिल गोप
रांची जिला अध्यक्ष, किसान नेता

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर बुढ़मू प्रखंड व रांची जिला सहित समस्त झारखंड वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
दिनेश यादव
समाजसेवी, बुढ़मू प्रखंड

15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर दयानंद आर्य विद्या पब्लिक स्कूल, मांडर तथा कमड़े विद्यालय परिवार के तरफ से सभी भारतवासियों को ढेर सारी शुभकामनाएं
डॉ. राजेश दत्त
निदेशक

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
बिरेंदर महतो
समाजसेवी टटकुंदो, मांडर प्रखंड

सोमा उरांव
मुखिया
ग्राम पंचायत बोड़ेया, कांके, रांची (झारखंड)
सह
अध्यक्ष
झारखंड प्रदेश मुखिया संघ
पंचायती राज
मीडिया प्रभारी, जनजाति सुरक्षा मंच, झारखंड

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
किशोर कुल्लू
चिकित्सा प्रभारी, मांडर रेफरल अस्पताल

ऑक्सब्रीज स्कूल
कंदरी मोड, मांडर
स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर रांची जिला सहित समस्त झारखंड वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
तौफीक आलम, निर्देशक

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
शिव कुमार साहु

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
जय श्री कुमारी
मुखिया, रातु दक्षिणी

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
सुदेश महतो
आजसू सुप्रीमो
मनीषा देवी
जिला परिषद सदस्य, रातु
निर्मला भगत
अध्यक्ष, जिला परिषद, रांची
भरत कांशी साहु
प्रभारी, विधानसभा आजसू पार्टी

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
अमानत अंसारी
उप प्रमुख मांडर प्रखंड

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
महावीर कुमार साहु
रातू

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
मुरारी गुप्ता
भाजपा नेता, रातू

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
झारखण्ड सरकार
कार्यालय वन क्षेत्र पदाधिकारी
वन क्षेत्र पदाधिकारी बुंडु, वन प्रक्षेत्र बुंडु परिवार

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर बुढ़मू प्रखंड व रांची जिला सहित समस्त झारखंड वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
रविकांत शर्मा
प्राचार्य, डीएवी पब्लिक स्कूल, बुढ़मू

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
सुरेश मुंडा
तमाड़ विधानसभा क्षेत्र प्रभारी व तमाड़ विधानसभा क्षेत्र के माकपा उम्मीदवार

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
खुशबू वर्मा
महिला थाना प्रभारी, बुंडु

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
जनजाति सुरक्षा मंच
मीडिया प्रभारी
सोमा उरांव
मुखिया
ग्राम पंचायत बोड़ेया, कांके, रांची झारखंड
सह अध्यक्ष झारखंड प्रदेश मुखिया संघ

Lady K. C. Roy
Memorial School
लेडी केसी रॉय स्कूल की ओर से सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
प्रणव रॉय
निर्देशक लेडी केसी रॉय स्कूल
टेंडर

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
बेलाल अंसारी
झामुमो प्रखंड अध्यक्ष, रातु

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
निवेदक
अनिल महतो टाईगर
प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह पूर्व जिला परिषद सदस्य, कांके भाजपा, झारखंड

BAGHWAR ACADEMY
CHANHO, RANCHI
AFFILIATED TO CBSE
NEW DELHI
UPTO
10+2
HOSTEL FACILITIES
ADMISSION OPEN
MR. ARUN BAGHWAR
Principal
MR. ASHOK BAGHWAR
Director
9334330944, 7859012788
www.baghwaracademy.in
baghwar.academy@gmail.com

CAMBRIAN PUBLIC SCHOOL
Kathitand, Ratu, Ranchi.
Affiliated to CBSE
स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर रांची जिला सहित समस्त झारखंड वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

87097 38453
93347 13144
सोमा उरांव
मुखिया
ग्राम पंचायत बोड़ेया, कांके, रांची (झारखंड)
सह
अध्यक्ष
झारखंड प्रदेश मुखिया संघ
पंचायती राज
मीडिया प्रभारी, जनजाति सुरक्षा मंच, झारखंड

SOUTH POINT PUBLIC SCHOOL
BUNDU, RANCHI
Affiliated to C.B.S.E. (New Delhi)
sppsbundu@gmail.com 8271232288 sppsbundu.org
Happy Independence Day
10th BOARD TOPPERS 2024
SALIENT FEATURES
• Co-curricular Activities
• Big Computer Lab
• Spacious Library
• CCTV Surveillance
• Special Classes for weak students
• Regular music & Art Classes
• Well equipped Science Lab
• Exposure to National Level Competition
• Regular Sports Activity
सुभाष कुमार पाटनी प्राचार्य

ST. COLUMBUS SCHOOL
RATU, RANCHI
AFFILIATED TO CBSE, NEW DELHI (10+2)
Get Direct Admission in Class XI
Science | Commerce | Arts
Scholars Program for Integrated
JEE & NEET Coaching
Our Facilities
• Prepare both CBSE + Competitives
• Classes timing which provides more Time for Self Study
• 100% Result in Class 12th 2024
• Highest 95.4% in CBSE 2024
Contact Us 7300183080
Forms Available in school office

बलिदान व संघर्ष का रास्ता चुननेवाले महान सेनानियों में सुभाष चंद्र बोस का नाम अग्रणी

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास हजारों स्वतंत्रता सेनानियों, देशभक्तों, युवाओं के बलिदान का साक्षी रहा है, गांधी के पदचिह्नों पर चलने वालों ने जहां सत्य और अहिंसा का मार्ग अपनाया वहीं युवा जोश और उत्साह से भरे कुछ देशभक्तों ने बलिदान और संघर्ष का रास्ता चुना, ऐसे महान सेनानियों में सुभाष चन्द्र बोस का नाम अग्रणी है, जिन्होंने सचमुच एक सेनानी की तरह अंग्रेजों के विरुद्ध अपनी लड़ाई लडी और आजाद हिंद फौज नाम से एक सेना का गठन किया, पूरे सैन्य अनुशासन और नियमों के आधार पर देशभक्त सैनिकों का चयन किया, और महिला ब्रिगेड भी बनाई गई,जो लगातार निरंतर युद्ध रत रह कर अपने लक्ष्य के लिए प्रयत्नशील बनी रही थी. सुभाष चन्द्र बोस उस समय युवाओं के हृदय की धड़कन बन गये थे, उनके नेतृत्व में देश ने अपनी आजादी का सपना देखा था, आत्मविश्वास और उत्साह के प्रबल आवेग को उमड़ते हुए देखा था,वे देश पर मर मिटना जानते थे, क्योंकि उनकी सेना का प्रयाण गीत ही था- कदम कदम बढ़ाए जा खुशी के गीत गाए जा

ये जिंदगी है क़ौम की
तू क़ौम पर लुटाए जा,
तू शेरेहिंद आगे बढ़
मरने से तू तनिक न डर

और इस आह्वान ने देश के हर हृदय को झकझोर दिया था,नयी चेतना का संचार कर दिया था

23 जनवरी 1897 का दिन विश्व इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है. इस दिन स्वतंत्रता आंदोलन के महानायक सुभाषचंद्र बोस का जन्म कटक के प्रसिद्ध वकील जानकीनाथ तथा प्रभावतीदेवी के यहां हुआ.उनके पिता ने अंगरेजों के दमनचक्र के विरोध में 'रायबहादुर' की उपाधि लौटा दी. इससे सुभाष के मन में अंगरेजों के प्रति कटुता ने घर कर लिया. अब सुभाष अंगरेजों को भारत से खदेड़ने व भारत को स्वतंत्र कराने का आत्मसंकल्प ले, चल पड़े राष्ट्रकर्म की राह पर.

आईसीएस की परीक्षा में उत्तीर्ण होने के बाद सुभाष ने आईसीएस से इस्तीफा दिया और कर्तव्य की राह पर चल पड़े, इस बात पर उनके पिता ने उनका मनोबल बढ़ाते हुए कहा-

'जब तुमने देशसेवा का व्रत ले ही लिया है, तो कभी इस पथ से विचलित मत होना.'

दिसंबर 1927 में कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव बननेके बाद 1938 में उन्हें कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष भी चुना गया, उन्होंने कहा था - *

मेरी यह कामना है कि महात्मा गांधी के नेतृत्व में ही हमें स्वाधीनता की लड़ाई लड़ना है. हमारी लड़ाई केवल ब्रिटिश साम्राज्यवाद से नहीं, विश्व साम्राज्यवाद से है**

धीरे-धीरे कांग्रेस से सुभाष का मोह भंग होने लगा,,16 मार्च 1939 को सुभाष ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया, सुभाष ने स्वतंत्रता के आंदोलन को एक नई राह देते हुए युवाओं को संगठित करने का प्रयास पूरी निष्ठा से शुरू कर दिया, इसकी शुरुआत 4 जुलाई 1943 को सिंगापुर में 'भारतीय स्वाधीनता सम्मेलन' के साथ हुई,,5 जुलाई 1943 को 'आजाद हिन्द फौज' का विधिवत गठन हुआ,, 21 अक्टूबर 1943 को एशिया के विभिन्न देशों में रहने वाले भारतीयों का सम्मेलन कर उसमें अस्थायी स्वतंत्र भारत सरकार की स्थापना कर नेताजी ने आजादी प्राप्त करने के संकल्प को साकार किया,

12 सितंबर 1944 को रंगून के जुबली हॉल में शहीद यतीन्द्र दास के स्मृति दिवस पर नेताजी ने अत्यंत मार्मिक भाषण देते हुए कहा- '*

अब हमारी आजादी निश्चित है, परंतु आजादी बलिदान मांगती है,, आप मुझे खून दो, मैं आपको आजादी दूंगा*''

यही देश के नौजवानों में प्राण फूंकने वाला वाक्य था, जो भारत ही नहीं विश्व के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है,,

16 अगस्त 1945 को टोक्यो के लिए निकलने पर ताइहोकु हवाई अड्डे पर नेताजी का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया और स्वतंत्र भारत की अमरता का जयघोष करने वाला, भारत मां का दुलारा सदा के लिए, राष्ट्रप्रेम की दिव्य ज्योति जलाकर अमर हो गया,, परंतु देश उन्हें याद करता है,आज के संदर्भ में सुभाष जैसे ही युवाओं की आवश्यकता है,जो देश के भविष्य का सुखद निर्माण कर सकें और नये मनोबल और विश्वास के साथ,प्रगति के पथ को आलोकित कर सकें,, मैं कुछ स्वरचित पंक्तियां समर्पित करना चाहती हूं***देश को सुभाष सा ही नौनिहाल चाहिए,जागरण का गीत बन जले हमारी साधना में ,सोच को पुनीत क्रांति की मशाल चाहिए,

जो झुका सके महान -शक्तियों को राह में ,देश को सुभाष सा ही नौनिहाल चाहिए,घिर रही थीं आंधियां,स्वदेश के विहान में, श्रृंखला में कैद थी, मां भारती की चाहतें, स्वतंत्रता की ज्योति को नूतन प्रकाश चाहिए देश को सुभाष सा ही नौनिहाल चाहिए,तुमने दी आवाज, सब चले, मिला कदम-कदम,गूंजे फिर' जय हिन्द' की पुकार ,बाजुओं में दम,आज फिर आह्वान में,गर्जन कराल चाहिए, *"

ऐसे वीर सेनानी को मेरा शत-शत नमन!!!

पद्मा मिश्रा जमशेदपुर

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर बुढ़मू प्रखंड व रांची जिला सहित समस्त झारखंड वासियो को हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक
मोहन जायसवाल
प्रदेश कार्यसमिति सदस्य ओबीसी मोर्चा,भाजपा रांची झारखण्ड

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर बुढ़मू प्रखंड व रांची जिला सहित समस्त झारखंड वासियो को हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक
रितेश कुमार
थाना प्रभारी बुढ़मू

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर बुढ़मू प्रखंड व रांची जिला सहित समस्त झारखंड वासियो को हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक
गंगोत्री देवी
मुखिया, बुढ़मू पंचायत

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर बुढ़मू प्रखंड व रांची जिला सहित समस्त झारखंड वासियो को हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक
हरदेव साहू
उप प्रमुख बुढ़मू

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
आशुतोष तिवारी
अधिवक्ता सह जिप सदस्य चान्हो (पूर्वी) सह केंद्रीय सचिव आजसू सह सभापति दूरसंचार विभाग, रांची

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर बुढ़मू प्रखंड व रांची जिला सहित समस्त झारखंड वासियो को हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक
दिनेश प्रसाद गुप्ता
समाजसेवी रातू प्रखंड

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर बुढ़मू प्रखंड व रांची जिला सहित समस्त झारखंड वासियो को हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक
अखिलेश चतुर्वेदी
संयोजक सर जे.सी. अकादमी स्कूल ठाकुर गांव, रांची

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर बुढ़मू प्रखंड व रांची जिला सहित समस्त झारखंड वासियो को हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक
रौशन कुमार गंझु
समाजसेवी, बुढ़मू

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर बुढ़मू प्रखंड व रांची जिला सहित समस्त झारखंड वासियो को हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक
धीरज कुमार
प्रखंड विकास पदाधिकारी, बुढ़मू

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर बुढ़मू प्रखंड व रांची जिला सहित समस्त झारखंड वासियो को हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक
शम्भू कुमार यादव
समाजसेवी, बुढ़मू प्रखंड

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर बुढ़मू /रातू प्रखंड व रांची जिला सहित समस्त झारखंड वासियो को हार्दिक शुभकामनाएं
संघर्ष करें, शिक्षित बनें और संगठित रहें
डॉ परमेश्वर भगत
पूर्व डी डी सी एवं समाज सेवी

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर बुढ़मू /रातू प्रखंड व रांची जिला सहित समस्त झारखंड वासियो को हार्दिक शुभकामनाएं
निवेदक
विवेक गुप्ता
समाजसेवी रातू प्रखंड

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर बुढ़मू प्रखंड व रांची जिला सहित समस्त झारखंड वासियो को हार्दिक शुभकामनाएं
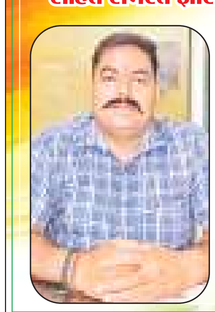
निवेदक
अरविन्द कश्यप
समाजसेवी, रातू, रांची

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर बुढ़मू प्रखंड व रांची जिला सहित समस्त झारखंड वासियो को हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक
विनीत कुमार
थाना प्रभारी ठाकुर गांव

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

निवेदक
पारसनाथ उरांव
आजसू पार्टी केंद्रीय सचिव सह पूर्व प्रत्याशी खिजरी विधानसभा व वेदालेक्स कंपनी के नेशनल ट्रैनर

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर बुढ़मू प्रखंड व रांची जिला सहित समस्त झारखंड वासियो को हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक
प्रदीप प्रसाद
भाजपा नेता सह समाजसेवी बुढ़मू /उमेडंडा क्षेत्र

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर बुढ़मू प्रखंड व रांची जिला सहित समस्त झारखंड वासियो को हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक
जुल्फ़ान अंसारी
समाजसेवी, बुढ़मू

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर पतरातू प्रखंड व रांची जिला सहित समस्त झारखंड वासियो को हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक
गुलफ़ाम अंसारी
MG ट्रांसपोर्ट, पतरातू

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
निवेदक
फिलिप सहाय एक्का
बीजेपी नेत्री मांडर विधान सभा

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

निवेदक
शमीम बड़ेहार
झामुमो नेता

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर बुढ़मू प्रखंड व रांची जिला सहित समस्त झारखंड वासियो को हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक
रामजीत गंझु
जिला परिषद पश्चिम क्षेत्र सह आजसू नेता कांके विधानसभा प्रभारी

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर बुढ़मू प्रखंड व रांची जिला सहित समस्त झारखंड वासियो को हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक
ईदू खान
समाजसेवी, बुढ़मू

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
निवेदक
नीतू कुजूर
बीजेपी नेत्री मांडर विधान सभा

78वां स्वतंत्रता दिवस की सभी को हार्दिक बधाई
श्री श्याम मित्र मण्डल
अध्यक्ष सुरेश सरावगी
महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया
श्री श्याम मंदिर, हरमू रोड रांची, झारखंड

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर बुढ़मू प्रखंड व रांची जिला सहित समस्त झारखंड वासियो को हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक
सत्यनारायण मुंडा
प्रखंड प्रमुख बुढ़मू

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर बुढ़मू प्रखंड व रांची जिला सहित समस्त झारखंड वासियो को हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक
भुनेश्वर सिंह
समाजसेवी, बुढ़मू

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

निवेदक
डॉ राजेंद्र कुमार दास
अंचलाधिकारी मांडर अंचल

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर बुढ़मू प्रखंड व रांची जिला सहित समस्त झारखंड वासियो को हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक
रणधीर कुमार
पांडू प्रखंड विकास पदाधिकारी

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर बुढ़मू प्रखंड व रांची जिला सहित समस्त झारखंड वासियो को हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक
रामप्रवेश नायक
भाजपा नेता कांके विधानसभा क्षेत्र

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

निवेदक
राहुल
थाना प्रभारी मांडर थाना

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

आरती कुजूर

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

हुलास दादेल

नाइटिंगल स्कूल ऑफ नर्सिंग, वाइस प्रिंसीपल मिलन चौक (राँची)

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

निवेदक

अनिता जड़िया

मुखिया डोमटोली पंचायत कोलेबिरा, जिला सिमडेगा

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

निवेदक

सत्रुधन साहु

अध्यक्ष युवा मोर्चा कांके मंडल

स्वतंत्रता दिवस के अवसर नौडीहा प्रखंड एवं तरीडीह पंचायत के सभी जनता को हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक

गोतम कुमार सिंह

मुखिया तरीडीह पंचायत

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

रामावतार केरकेट्टा

ज़िला परिषद सदस्य नामकुम 26,सह भाजपा नेता

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

निवेदक

अंजना लकड़ा

मुखिया, कोलेबिरा पंचायत कोलेबिरा जिला सिमडेगा

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

रामावतार केरकेट्टा

ज़िला परिषद सदस्य नामकुम 26,सह भाजपा नेता

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

अरुनीमा एक्का

अंचलाधिकारी सिल्ली

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

निर्मला भेंगरा

मुखिया इटकी पश्चिमी पंचायत, प्रखंड इटकी राँची

समस्त झारखंडवासियों को 78वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

निवेदक

दीपक कुमार महतो

कार्यपालक अभियंता, पेयजल व स्वच्छता प्रमंडल, लातेहार

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

आरती कुजुर

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

रेणुबाला

प्रखंड विकास पदाधिकारी सिल्ली

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

सौरभ कुमार पांडेय

डॉक्टेक सर्विस राँची झारखंड

Saint Paul Convent school, Rehla

A CO –educational English medium School Based on CBSE Pattern

OUR FACILITIES

- CBSE Pattern
- Hostel available for boys and girls
- Activity learning system
- Computer lab
- Campus under CCTV-Surveillances
- CO- curricular activities – Dance
- English spoken classes
- Library facilities

Add: - Opposite State Bank of India, Rehla, Palamu, (Jharkhand)
Contact: - 8987651410, 7632047807, 06584-354068
Email: - saintpaulconventschool@gmail.com

Simon Matthew Asley
Director

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

उमेश बड़ाईक

भाजपा सांसद प्रतिनिधि, अनगड़ा

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

जितेंद्र बड़ाइक

प्रमुख, सिल्ली

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

निर्मला भेंगरा

मुखिया इटकी पश्चिम पंचायत प्रखंड इटकी, रांची

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

हुलास दादेल

नाइटिंगल स्कूल ऑफ नर्सिंग, वाइस प्रिंसीपल मिलन चौक (राँची)

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

सुरेश मुंडा

तमाड़ विधान सभा क्षेत्र से माकपा का अधिकृत विधायक प्रत्याशी है

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

रमेश महली

मुखिया कुर्गी पंचायत सह कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष इटकी, केंद्रीय सचिव महली जनजाति विकास मंच झारखंड, रांची

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

रितेश उराँव

(उपाध्यक्ष)

अनुसूचित जनजाति मोर्चा , राँची ग्रामीण

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

SP MICROGREEN LAB

सिंगपुर चौक मुरी

शाखाएं : पतराहातु, सोनडीमरा, मिलन चौक, तमाड़

एनोस एक्का जिंदाबाद

आईरिन एक्का जिंदाबाद

चुनाव चिन्ह

संदेश एक्का जिंदाबाद

झारखण्ड पार्टी जिंदाबाद

सिमडेगा और कोलेबिरा विधानसभा से इस बार सिर्फ झारखण्ड पार्टी को जिताना है

जनता का हर सुख दुख का साथी झारखण्ड पार्टी

युवा शक्ति की पहचान झारखंड के युवाओं का हो संपूर्ण विकास और हम रहें विकास के लिए सदैव तत्पर

जनता काम पर भरोसा करती है

आदिवासी मूलवासी के अस्मिता व संस्कार की रक्षा करने को प्रतिबद्ध है झापा : आईरिन एक्का

जनता काम पर भरोसा करती है झारखंड पार्टी : एनोस एक्का

विभव सन्देश एक्का

युवा जिला अध्यक्ष झारखंड पार्टी, सिमडेगा

स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं

गौ सेवा परमो धर्म :

हमारी गौ माता हमारा दायित्व अभियान से जुड़ें

राज्य की गौशालाओं को आत्म निर्भर बनायें

राजीव रंजन प्रसाद

अध्यक्ष, गौ सेवा आयोग झारखंड

visit :- https://jhgausevaayog.org/

15 अगस्त यानि आजादी का जश्न

रत्ना वर्मा राज

हम भारतीय नागरिक के लिए, पन्द्रह अगस्त सबसे महत्वपूर्ण दिन है. 15 अगस्त 1947 के दिन हमारा भारत देश ब्रिटिश शासन के चंगुल से आजाद हुआ था. बड़े धूम धाम और पूरे उत्साह के साथ हम देशवासी इस राष्ट्रीय पर्व को मनाते हैं, आजादी के जश्न के रूप में.

देश के स्वतंत्रता सेनानियों ने आजादी को पाने के लिए लंबा संघर्ष किया. अपना पूरा जीवन पूरी जवानी माँ भारती के चरणों में झोंक दी. राजगुरु ,सुखदेव, मंगल पाण्डेय, बालगंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय, सुभाषचंद्र बोस जैसे कई क्रांतिकारियों और स्वतंत्रता सेनानियों का अहम योगदान रहा.

भारत मां के इन सच्चे सपूतों के लंबे संघर्ष के कारण ही स्वतंत्रता का सपना साकार हुआ. स्वतंत्रता आंदोलन में हमारे प्यारे बापू गाँधी जी एवं चाचा नेहरू का योगदान विशेष महत्व रखता है.

विज्ञान व तकनीक से लेकर खेल, कला संस्कृति हर क्षेत्र में भारत का डंका दुनिया भर में बोल रहा है. पर, इन सबके बावजूद अभी भी, बहुत कुछ हासिल करना बाकी है.

इसके लिए प्रगतिशील रणनीति और स्वास्थ विचार क्रांति लाने की आवश्यकता है, जिससे समस्याओं से उबरा जा सके.

ऐसा भी नहीं है कि, हमने तरक्की नहीं की है, हम आज विकासशील देशों में गिने जाते हैं. पर, यह भी कहना गलत न होगा कि हमारा भारत संक्रमण काल से गुजर रहा है.

और अंत में कहा जाए तो सही मायने में हमारी मानसिकता ही गुलामी से ग्रस्त है, इसके लिए एक बार फिर कहूँगी

देश के सही निमार्ण में, पहले समाज की मानसिकता को स्वस्थ विचार क्रांति लाने की आवश्यकता है तभी हम पूर्ण रूप से स्वतंत्र होगें एवं हमारे तिरंगे की शान बढ़ेगी !